खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 15 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-224

राष्ट्र की अमूल्य संपदा हैं युवा : मुर्मु

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने युवाओं को देश की सबसे मूल्यवान संपदा बताते हुए कहा कि सरकार और समाज को विद्यार्थियों के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा के लिए उसी प्रकार मिल-जुलकर प्रयास करने चाहिए, जिस प्रकार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सभी एकजुट रहते हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परीक्षाएं युवाओं के लिए अवसरों के द्वार खोलती हैं और सरकार इन्हें अधिक पारदर्शी, सुरक्षित एवं भरोसेमंद बनाने के लिए व्यापक सुधार कर रही है।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मु ने देश के विकास, युवाओं की भूमिका, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, पर्यावरण संरक्षण तथा विकसित भारत के लक्ष्य सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि विश्व के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों का प्रभाव सभी देशों पर पड़ता है, लेकिन वर्तमान विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था बुनियादी मजबूती के साथ तेज गति से आगे बढ़ रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि देश स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक विकसित भारत के ▶10 पर

स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों और हॉकरों को शुभ-लाभ की ओर से स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं।

प्रबंधक

अवकाश सूचना

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय **शनिवार दि. 15 अगस्त 2026 को अवकाश** पर रहेगा। अतः अगला अंक सोमवार दि. 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित होगा।

अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी पर

राहुल को विशेषाधिकार हनन नोटिस

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)।
लोकसभा सचिवालय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर असंसदीय टिप्पणी करने के मामले में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जवाब मांगा है। यह मामला सार्वजनिक परीक्षाओं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणियों से जुड़ा है।

लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी को 28 अगस्त तक अपना जवाब देने को कहा है। उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना के आरोपों से संबंधित दो नोटिस जारी किए गए हैं। 14 अगस्त को जारी पत्र में संयुक्त सचिव एच. राम प्रकाश ने बताया कि ये नोटिस भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर और संजय जायसवाल द्वारा दिए गए थे। अनुराग सिंह ठाकुर ने 30 जुलाई को दिए अपने नोटिस में आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया तथा गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि ऐसे आरोप लोकसभा के नियम 353 के तहत पूर्व सूचना दिए बिना लगाए गए। ▶10 पर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 78 वीरता पुरस्कारों का एलान, 13 सम्मान मरणोपरांत

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर रक्षा बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों को 78 वीरता पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी है। इनमें 13 मरणोपरांत दिए जाने वाले पुरस्कार भी शामिल हैं। राष्ट्रपति की मंजूरी से दिए जाने वाले वीरता पुरस्कारों में सात मरणोपरांत सहित नौ कीर्ति चक्र शामिल हैं। इसके अलावा एक शौर्य चक्र बार, एक मरणोपरांत सहित 19 शौर्य चक्र, पांच सेना पदक बार (वीरता), पांच मरणोपरांत सहित 36 सेना पदक (वीरता), तीन नौसेना पदक (वीरता) और पांच वायु सेना पदक (वीरता) शामिल हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि आजादी के तीन वर्ष बाद 26 जनवरी 1950 को देश का संविधान लागू हुआ और भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया। इसके बाद भारत सरकार ने देश के जवानों की बहादुरी और अदम्य साहस को सम्मानित करने के लिए विभिन्न वीरता पुरस्कारों की परंपरा शुरू की। देश के प्रमुख वीरता पुरस्कारों में परम वीर चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र, वीर चक्र और शौर्य चक्र शामिल हैं। परम वीर चक्र भारतीय सेना का सर्वोच्च वीरता सम्मान है।

देश के जवानों को कर्तव्य पथ पर दुश्मनों से मुकाबला करते समय अदम्य साहस और असाधारण वीरता का परिचय देने के लिए परम वीर चक्र से सम्मानित किया जाता है। ▶10 पर

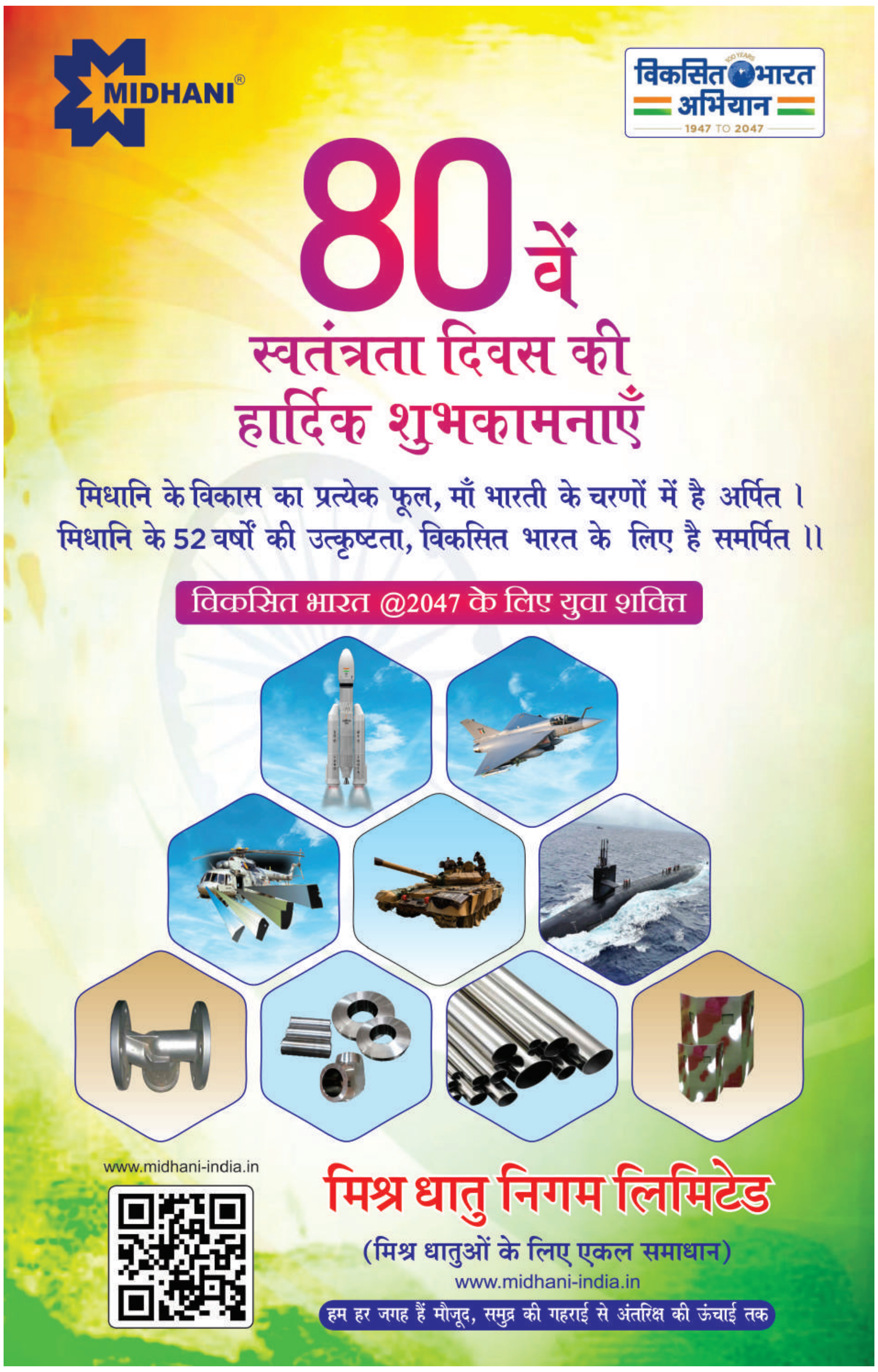

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नया नाटो : सऊदी, तुर्की और पाकिस्तान का मक्का रक्षा समझौता हुआ

रियाद

सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने मक्का में एक अहम रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। तीनों देशों के शीर्ष नेताओं ने इसे ऐतिहासिक करार दिया। समझौते का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि तीनों में से किसी एक देश पर हमला होने पर उसे सभी तीन देशों पर हमला माना जाएगा। इसी प्रावधान के कारण इसकी तुलना नाटो के सामूहिक रक्षा सिद्धांत से की जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे फिलहाल नाटो जैसा सैन्य गठबंधन मानने से बच रहे हैं।

समझौते के तहत तीनों देश अपनी थल सेना, नौसेना और वायुसेना को शामिल करते हुए बड़े पैमाने पर संयुक्त सैन्य अभ्यास करेंगे। गठबंधन के संचालन और रणनीतिक समन्वय के लिए सऊदी अरब में एक जनरल सेक्रेटेरिएट स्थापित किया जाएगा। इसके जरिए रक्षा और सैन्य स्तर पर सहयोग को संस्थागत रूप देने की कोशिश होगी।

समझौते में केवल हथियारों की खरीद-बिक्री ही नहीं, बल्कि सैन्य तकनीक के संयुक्त विकास और उत्पादन पर भी जोर दिया गया है। तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान पहले ही कह चुके हैं कि समझौते का सामूहिक रक्षा प्रावधान तकनीकी रूप से नाटो के आर्टिकल 5 जैसा है। नाटो के आर्टिकल 5 के तहत एक सदस्य देश पर हमला सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है। मक्का समझौते में भी इसी तरह की प्रतिबद्धता दिखाई गई है।

हालांकि विशेषज्ञों के मुताबिक तीनों देशों के रक्षा ढांचे और सैन्य तकनीक में काफी अंतर है। तुर्की नाटो का सदस्य है और उसके सैन्य उपकरण काफी हद तक नाटो मानकों के अनुरूप हैं। पाकिस्तान का रक्षा ढांचा मुख्य रूप से चीन से मिलने वाली तकनीक और उपकरणों पर निर्भर है, जबकि सऊदी अरब की सैन्य ताकत में अमेरिकी हथियारों की बड़ी भूमिका है। ऐसे में तीनों सेनाओं के बीच तकनीकी तालमेल और संयुक्त संचालन की क्षमता विकसित करना बड़ी चुनौती होगी।

इसके अलावा नाटो के पास दशकों से विकसित संस्थागत ढांचा, साझा कमान व्यवस्था और व्यापक सैन्य समन्वय प्रणाली है। मक्का समझौते को उस स्तर तक पहुंचने में लंबा समय लग सकता है। इसलिए इसे फिलहाल राजनीतिक और रणनीतिक साझेदारी के रूप में देखना ज्यादा उचित माना जा रहा है।

इस बीच पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को प्रस्तावित समूह में महत्वपूर्ण भूमिका मिलने की चर्चा है। समझौते की संचालन व्यवस्था में तीनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्रियों के साथ सेना प्रमुखों को भी शामिल किया जाएगा। यदि संयुक्त कमान और सैन्य अभ्यास की व्यवस्था प्रभावी ढंग से विकसित होती है, तो यह समझौता पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया की सुरक्षा व्यवस्था में नया समीकरण जरूर बना सकता है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में बरसात अनेक राजमार्ग बाधित, मेची और बीपी हाइवे समेत कई सड़कें पूरी तरह बंद

काठमांडू। नेपाल के पर्वतीय जिलों में लगातार हो रही बारिश के कारण आई बाढ़, भूस्खलन और सड़क कटान ने देश के कई प्रमुख राजमार्गों पर यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर दिया है। नेपाल पुलिस मुख्यालय के अनुसार, इलाम का मेची हाइवे, काभ्रेपलांचोक का बीपी हाइवे, मकवानपुर का कान्ति लोकपथ और सिंधुपाल्चोक का अरनिको हाइवे पूरी तरह अवरुद्ध हो गए हैं। रसुवा का त्रिशूली-मैलुङ-स्याफ्रुबेंसी मार्ग, धादिंग का पृथ्वी राजमार्ग, लमजुंग का मध्य पहाड़ी राजमार्ग, रुकुम पूर्व का मध्यपहाड़ी राजमार्ग और रुकुम पश्चिम का भेरी कारिडोर मार्ग भी बाढ़ और भूस्खलन के कारण बाधित हैं। पुलिस के अनुसार, बागलुंग के कालीगंडकी कारिडोर, मुस्तांग के बेनी-जोमसोम मार्ग और भोजपुर के मध्यपहाड़ी राजमार्ग पर फिलहाल एकतरफा यातायात संचालित किया जा रहा है। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पहले संबंधित निकायों से सड़कों की ताजा स्थिति की जानकारी अवश्य लें। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भूस्खलन, बाढ़ और सड़क कटान का खतरा लगातार बना हुआ है।

अमेरिका में दूध फ्रिज में क्यों, और यूरोप में बिना फ्रिज के क्यों

वाशिंगटन। क्या आपने कभी सोचा है कि अमेरिका में दूध फ्रिज में रखा जाता है, जबकि यूरोप के कई देशों में यह कमरे के तापमान पर क्यों मिलता है यह आदत पहली नजर में हैरान कर सकती है, लेकिन इसकी वजह दूध को संसाधित (प्रोसेस) करने का तरीका है। दूध को खराब होने से बचाने के लिए गर्म करके पाश्चराइज किया जाता है, पर अमेरिका और यूरोप में अलग-अलग तकनीकें इस्तेमाल होती हैं। अमेरिका और कनाडा में आमतौर पर एचटीएसटी (हाई टेम्प्रेचर शार्ट टाइम) पाश्चराइजेशन तकनीक का इस्तेमाल होता है। इसमें दूध को थोड़े समय के लिए बहुत ऊंचे तापमान पर गर्म किया जाता है, जिससे हानिकारक बैक्टीरिया खत्म होते हैं। इस प्रक्रिया से तैयार दूध की शेल्फ लाइफ लगभग 7 से 10 दिन होती है और लगातार ठंडा रखना अनिवार्य है। इसके विपरीत, यूरोप और दुनिया के कई अन्य हिस्सों में यूएचटी (अल्ट्रा हाई टेम्प्रेचर) तकनीक अधिक प्रचलित है। इस विधि में दूध को एचटीएसटी से भी अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है, जिससे उसमें मौजूद अधिकांश सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं।

ब्लैक होल से पृथ्वी या सौरमंडल को फिलहाल कोई खतरा नहीं: अध्ययन

वाशिंगटन। आकाशगंगा मिल्की वे में लगभग 17 करोड़ ब्लैक होल मौजूद हो सकते हैं। यह अनुमान लगाया है शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने। अध्ययनकर्ता वैज्ञानिकों ने इन अदृश्य और शांत खगोलीय पिंडों के विशाल नेटवर्क को गैलेक्टिक अंडरवर्ल्ड नाम दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन ब्लैक होल से पृथ्वी या हमारे सौरमंडल को फिलहाल किसी प्रकार का प्रत्यक्ष खतरा नहीं है। इसके बजाय यह खोज ब्रह्मांड के विकास, तारों के जीवन चक्र और ब्लैक होल की उत्पत्ति से जुड़े कई अनसुलझे सवालों के जवाब खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ब्लैक होल उन विशाल तारों के अवशेष होते हैं, जिनका जीवन समाप्त हो चुका होता है। जब किसी बड़े तारे का ईंधन खत्म हो जाता है, तो वह अपने ही गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में ढहने लगता है और अंततः एक शक्तिशाली सुपरनोवा विस्फोट के साथ फट जाता है। इस प्रक्रिया के बाद उसका केंद्रीय भाग अत्यधिक घना हो जाता है। गुरुत्वाकर्षण इतना अधिक बढ़ जाता है कि प्रकाश भी उससे बाहर नहीं निकल पाता और वहीं एक ब्लैक होल का निर्माण होता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि लगभग 13.6 अरब वर्ष पुराने मिल्की वे के इतिहास में करोड़ों विशाल तारों ने अपना जीवन इसी प्रकार समाप्त किया और ब्लैक होल में परिवर्तित हो गए। इन ब्लैक होल का पता लगाना आसान नहीं है, क्योंकि वे स्वयं कोई प्रकाश उत्सर्जित नहीं करते।

टैरिफ चोरी में चीन की मदद कर रहा भारत : अमेरिका

वाशिंगटन

अमेरिका ने टैरिफ विवाद के बीच भारत पर एक और गंभीर आरोप लगाया है। अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि भारत समेत 40 से अधिक देश चीन को अमेरिकी टैरिफ से बचने में मदद कर रहे हैं। आरोप है कि इन देशों के जरिए चीनी सामान को अलग पहचान देकर अमेरिकी बाजार में पहुंचाया जा रहा है। अमेरिकी व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की एक रिपोर्ट में इसे शैडो ट्रांस-शिपमेंट नेटवर्कबताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस नेटवर्क के जरिए हर साल 40 अरब से 303 अरब डालर तक का चीनी सामान दूसरे देशों के रास्ते अमेरिका पहुंच सकता है।

नवारो ने आरोप लगाया कि चीन लंबे समय से तीसरे देशों का इस्तेमाल अपने निर्यात को अमेरिकी टैरिफ से बचाने के लिए कर रहा है। भारत के अलावा मैक्सिको, कनाडा, यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया समेत कई देशों का रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है। अमेरिकी पक्ष का कहना है कि चीनी कंपनियां इन देशों में मामूली प्रोसेसिंग, री-पैकेजिंग, लेबल बदलने या शिपमेंट का रास्ता बदलने के बाद उत्पादों को स्थानीय सामान के रूप में अमेरिकी बाजार तक पहुंचा सकती हैं।

भारत को लेकर रिपोर्ट में पुणे-गुजरात-चेन्नई के औद्योगिक क्षेत्र का विशेष उल्लेख किया गया है। इसमें आरोप लगाया गया कि चीन से आयात किए गए पंप और कंप्रेसर जैसे उत्पादों में मामूली बदलाव या प्रोसेसिंग के बाद उन्हें भारतीय उत्पाद के रूप में अमेरिकी बाजार में भेजा जा सकता है। इससे चीन में बने सामान पर लागू ऊंचे अमेरिकी टैरिफ से बचने का रास्ता मिल सकता है। अमेरिका अब ऐसे मामलों की निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित व्यवस्था विकसित करने की तैयारी में है। प्रस्तावित डिटेक्टिव बार्डर सिस्टम शिपमेंट के आंकड़ों, सामान के रूट, उत्पाद की श्रेणी, कंपनियों के मालिकाना संबंध और उनकी उत्पादन क्षमता जैसे कई पहलुओं का विश्लेषण करेगा। इस तकनीक का उद्देश्य संदिग्ध शिपमेंट की पहचान करना और जरूरत पड़ने पर उन पर कार्रवाई करना है। अमेरिकी प्रशासन ऐसे मामलों में अतिरिक्त शुल्क वसूलने, जुर्माना लगाने या संबंधित उत्पादों को अमेरिकी बाजार में प्रवेश से रोकने जैसे कदम उठा सकता है।

आपरेशन सिंदूर भूला पाकिस्तान... फिर देने लगा गीदड़ भभकी, भारत ने आतंकवाद खत्म करने की रखी शर्त

इस्लामाबाद। भारत के साथ तनाव के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर धमकी भरा बयान दिया है। हालांकि भारत का रुख पहले से ही साफ है कि पहले आतंकवाद पर लगाम लगना चाहिए। पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस से पहले शरीफ ने कहा कि उनका देश शांति चाहता है, युद्ध नहीं, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान की संप्रभुता और सुरक्षा को चुनौती दी गई तो मई 2025 से भी ज्यादा कड़ा जवाब दिया जाएगा। शरीफ का यह बयान ऐसे समय आया है जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया था। इसके बाद भारत ने आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्र में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। शरीफ ने पानी को लेकर भी चेतावनी देते हुए कहा कि पाकिस्तान के लिए पानी की हर बूंद लक्ष्मण रेखा है और भारत के सही रास्ते पर नहीं चलने पर जवाब दिया जाएगा। शरीफ ने दावा किया कि भारत ने हार के बाद सिंधु जल समझौते को स्थगित किया। हालांकि, भारत का कहना है कि पहलगाम हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की गई और मई 2025 में दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष हुआ, जिसे पाकिस्तान के अनुरोध पर रोका गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 7 अगस्त को संसद में स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ रिश्ते तभी आगे बढ़ सकते हैं, जब माहौल आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद को नीति के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है और भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने पहलगाम हमले के बाद कई कूटनीतिक कदम भी उठाए थे। इनमें सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, अटारी जांच चौकी बंद करना, वीजा पाबंदियां लगाना और राजनयिक मौजूदगी कम करना शामिल था।

यूएस के दोस्त यूएई ने ईरान को 2 टन सोना व 3 बिलियन डालर भेजे

रियाद

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़े सैन्य तनाव का असर खाड़ी देशों की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। अमेरिकी सैन्य मौजूदगी वाले इन देशों को ईरानी हमलों का खतरा बना हुआ है। ऐसे में खाड़ी देश अपनी सुरक्षा रणनीति में बदलाव के साथ ईरान के साथ तनाव कम करने के विकल्प भी तलाश रहे हैं। इसी कड़ी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कथित तौर पर ईरानी संपत्तियों को रिलीज करना शुरू किया है और तेहरान के साथ संबंध सामान्य रखने की कोशिश तेज की है।

जानकारी के मुताबिक यूएई के बैंकों में फ्रीज ईरानी संपत्तियों में करीब 28.3 करोड़ डालर का सोना भी शामिल है। बताया जा रहा है कि यह संपत्ति युद्ध शुरू होने से पहले यूएई के बैंकों में जमा थी। इसके अलावा यूएई सरकार ने ईरान की सरकारी एयरलाइन को 15 पुराने वाणिज्यिक विमान बेचने की अनुमति देने पर भी सहमति जताई है। सूत्रों के मुताबिक संपत्ति को ईरान भेजने की प्रक्रिया 11 और 12 अगस्त से शुरू हुई थी। अबू धाबी एयरपोर्ट से उड़ानों के जरिए संपत्ति को तेहरान के मेहराबाद और कराज के पयाम एयरपोर्ट तक पहुंचाए जाने की

ईरान के आगे झुक गया अमेरिका का यह साथी

जानकारी सामने आई है। यूएई इससे पहले भी ईरान को बड़ी रकम ट्रांसफर कर चुका है। जून में करीब 3 अरब डालर की संपत्ति हस्तांतरित किए जाने का दावा किया गया था। यूएई के इन कदमों को क्षेत्रीय तनाव से खुद को दूर रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने होने के कारण ईरान की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई का खतरा बना रहता है। ऐसे में ये देश नहीं चाहते कि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने पर उनका बुनियादी ढांचा और आर्थिक हित निशाने पर आएं।

ऊर्जा सुरक्षा भी खाड़ी देशों की बड़ी चिंता है। क्षेत्र का बड़ा हिस्सा तेल और गैस कारोबार के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भर है। किसी भी सैन्य तनाव या समुद्री मार्ग में बाधा से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और इन देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसी वजह से यूएई समेत खाड़ी देश सैन्य गठबंधनों के साथ-साथ कूटनीतिक रास्तों से भी अपने हित सुरक्षित करने की कोशिश कर रहे हैं।

बाम्बार्डियर बीटल कीड़ा खुद बनाता है रासायनिक बमः अध्ययन

लंदन। आपको सुनकर आश्चर्य होगा, एक छोटा सा कीडा बम बनाता है। जी हां, बाम्बार्डियर बीटल ऐसा कीड़ा है जो खुद एक रासायनिक बम बनाने की क्षमता रखता है। यह आकार में नाखून से भी छोटा होता है। यह कीडा बम का इस्तेमाल वह खतरा महसूस होने पर अपने दुश्मनों के खिलाफ करता है, जिसमें वह लगभग 100 डिग्री सेल्सियस गर्म केमिकल इतनी तेज धार से फेंकता है कि हमलावर पल भर में भस्म हो जाता है या डरकर भाग खड़ा होता है। यह कीड़ा दूसरे कई कीड़ों की तरह तुरंत उड़ नहीं सकता, क्योंकि इसके पंख एक सख्त खोल के नीचे छिपे रहते हैं। ऐसे में जब कोई शिकारी इस पर हमला करता है, तो यह भागने के बजाय अपने शरीर के पिछले हिस्से से उबलते हुए रसायन की एक तेज धार छोड़ता है। यह रसायन लगभग 100 डिग्री सेल्सियस तक गर्म होता है और तेज आवाज के साथ बाहर निकलता है, जो किसी छोटे विस्फोट जैसा लगता है। इससे चींटियों जैसे छोटे शिकारी तुरंत पीछे हट जाते हैं, जबकि मेंढक और दूसरे बड़े जानवर भी इसकी गर्मी और आवाज से डरकर भाग जाते हैं। यह बाम्बार्डियर बीटल की एक अविश्वसनीय और प्रभावी रक्षा रणनीति है।

भारतीय सेना में नेपाली युवाओं की भर्ती शुरू करने की मांग, पोखरा में गोरखा के पूर्व सैनिकों ने किया प्रदर्शन

पोखरा

नेपाल के पोखरा में पूर्व गोरखा सैनिकों और उनके समर्थकों ने भारतीय सेना में नेपाली युवाओं की भर्ती फिर शुरू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अग्निपथ योजना के तहत नेपाली युवाओं की भर्ती प्रक्रिया तत्काल बहाल करने की मांग की। यह प्रदर्शन भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के 16 अगस्त से शुरू होने वाले पांच दिवसीय नेपाल दौरे से कुछ दिन पहले हुआ। प्रदर्शन का आयोजन इंडियन एक्स-सर्विसमैन गोरखा ब्रिगेड नेपाल पोखरा की ओर से किया गया। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन कार्यालय के माध्यम से नेपाल सरकार को दो सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इसमें भारतीय सेना में नेपाली युवाओं की भर्ती तत्काल शुरू करने और सोल्जरशब्द वाले पूर्व सैनिक संगठनों के नवीकरण की मांग की गई।

ब्रिगेड के अध्यक्ष कर्नल कृष्ण बहादुर खत्री ने कहा कि सुगौली संधि के बाद से 207 वर्षों से अधिक समय से नेपाली युवाओं की भारतीय सेना में भर्ती होती रही है। उनके मुताबिक अग्निपथ योजना लागू होने के बाद नेपाल सरकार ने विभिन्न कारणों से भर्ती प्रक्रिया रोक दी। इससे युवाओं के रोजगार के अवसर प्रभावित होने के साथ गोरखा सैनिकों की पीढ़ियों पुरानी परंपरा पर भी संकट खड़ा हो गया है। पूर्व सैनिकों का कहना है कि भारतीय सेना में सेवा नेपाली युवाओं के लिए रोजगार का बेहतर विकल्प है। उनका दावा है कि अग्निपथ के तहत चार वर्ष की सेवा के दौरान युवा करीब 45 से 50 लाख रुपये तक कमा सकते हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह खाड़ी देशों में कठिन परिस्थितियों और कम वेतन पर काम करने की तुलना में बेहतर अवसर है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के नेपाल दौरे के दौरान राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल उन्हें नेपाली सेना के मानद जनरल की उपाधि प्रदान करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के सैन्य संबंधों और अन्य मुद्दों पर भी बातचीत होने की संभावना है। भारत ने 2022 में सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना शुरू की थी। इसके तहत अग्निवीर चार वर्ष तक सेवा करते हैं और इसके बाद अधिकतम 25 प्रतिशत तक जवानों को लंबी अवधि की सेवा के लिए रखा जा सकता है। नेपाल ने योजना के प्रावधानों और पारंपरिक गोरखा भर्ती व्यवस्था के बीच तालमेल को लेकर चिंता जताते हुए भर्ती प्रक्रिया फिर शुरू नहीं की। गोरखा भर्ती भारत-नेपाल सैन्य संबंधों का ऐतिहासिक हिस्सा रही है। पूर्व सैनिक अब चाहते हैं कि दोनों सरकारें समाधान निकालकर भर्ती प्रक्रिया जल्द बहाल करें। वहीं, भारत की ओर से स्पष्ट किया गया है कि नेपाली और भारतीय नागरिकों के लिए अलग-अलग अग्निपथ भर्ती व्यवस्था संभव नहीं है और इस पर अंतिम निर्णय नेपाल सरकार को लेना है।

पाक के कराची में 14 अगस्त के जश्न में डूबे लोगों ने चलाई गोली, महिला की मौत, कम से कम 94 लोग घायल

इस्लामाबाद

पाकिस्तान में 14 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के जश्न और आतिशबाजी के दौरान सिंध प्रांत की राजधानी कराची में हवा में हथियार (बंदूक और तमंचे) लहराए गए। गोलीबारी की गई। जगह-जगह हुई ऐसी घटनाओं में एक महिला की मौत हो गई और कम से कम 94 लोग घायल हो गए। एधी फाउंडेशन के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि घायलों में 10 महिलाएं और 17 बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल सेंटर सिविल अस्पताल और अब्बासी शहीद अस्पताल ले जाया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, अस्पतालों ने रात भर लाए गए घायलों का ब्योरा दिया। अब्बासी शहीद अस्पताल में 24 मरीज आए, जिनमें एक महिला, चार बच्चे और 19 पुरुष शामिल हैं। जिन्ना अस्पताल में 35 लोग लाए गए, जिनमें तीन बच्चे, चार महिलाएं और 28 पुरुष हैं। सिविल अस्पताल

के ट्रामा सेंटर में 26 मरीजों का इलाज किया गया। इनमें 10 बच्चे, चार महिलाएं और 12 पुरुष शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, लियारी, सदर, कोरंगी, मालिर, अजीजाबाद, नार्थ नाजिमाबाद, नाजिमाबाद, गुलबहार, गुलशन-ए-इकबाल, ओरंगी टाउन, जमशेद क्वार्टर्स और डिफेंस कालोनी में देश के स्वतंत्रता दिवस (14 अगस्त) के समारोह के दौरान लोगों ने हवाई फायरिंग की। पुलिस ने कहा कि कराची के पूर्वी, पश्चिमी और मध्य जिलों से इस संबंध में 30 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को ख्वाजा अजमेर नगरी, समनाबाद, रिजविया सोसाइटी और सर सैयद पुलिस थाना क्षेत्र गिरफ्तार किया गया। इनमें से कई के पास से हथियार भी बरामद किए गए।

पुलिस ने बताया कि गोली लगने से घायल महिला की मौत अब्बासी शहीद अस्पताल में हो गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। वह महिला का चचेरा भाई है। हाल के वर्षों में कराची में स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान हवा में फायरिंग से कई बार लोग हताहत हुए हैं। 2025 में ऐसी ही घटनाओं में तीन लोगों की मौत हुई और कम से कम 75 लोग घायल हुए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान हवा में फायरिंग की घटनाओं में लगभग 95 लोग घायल हुए थे।

दुनिया न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि जैसे ही घड़ी में रात के 12 बजे और 14 अगस्त की शुरुआत हुई, कराची के लोग 14 अगस्त 1947 को मिली आजादी की वर्षगांठ मनाने के लिए सड़कों और छतों पर पहुंच गए। जश्न के दौरान हवा में गोलीबारी की गई। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वतंत्रता दिवस पर देश को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी एक ऐतिहासिक जीत के साये में मुल्क के लिए कुर्बान लोगों को श्रद्धांजलि दे रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में स्वतंत्रता दिवस की खुशी में एक समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुल्क अपनी संस्थापक पीढ़ी की कुर्बानियों को याद करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लिए पानी की हर एक बूंद अति संवेदनशील मुद्दा है। अगर भारत ने पानी के मुद्दे पर गड़बड़ी की तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। शहबाज ने कहा कि उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता युवा पीढ़ी को विकास के नए मौके देना है।

स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस निरीक्षक नईम एम. होंगे 'मेधावी सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक' से सम्मानित

बेंगलूरु, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कर्नाटक राज्यपाल सचिवालय के लोकभवन, बेंगलूरु में पुलिस निरीक्षक के पद पर कार्यरत नईम एम. को स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर प्रतिष्ठित 'मेधावी सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक' से सम्मानित किया जाएगा। इस राष्ट्रीय सम्मान की घोषणा से लोकभवन एवं पुलिस विभाग में हर्ष का वातावरण है। नईम एम. वर्ष 2002 में कोलार जिले के केजीएफ में पुलिस कांस्टेबल के रूप में कर्नाटक राज्य पुलिस विभाग में शामिल हुए थे। अपने समर्पण, अनुशासन एवं मेधावी सेवा के बल पर वे वर्ष 2008 में उप-निरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए तथा वर्ष 2015 में पुलिस निरीक्षक बने।

पिछले 23 वर्षों के दौरान उन्होंने जांच, सुरक्षा, खुफिया एवं अंतरराष्ट्रीय संपर्क के क्षेत्रों में विशिष्ट सेवाएं प्रदान की हैं।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी में अपने कार्यकाल के दौरान नईम एम. ने देशभर में राष्ट्रीय महत्व के अनेक मामलों, जिनमें प्रमुख आतंकवाद से जुड़े मामले भी शामिल हैं, का पता लगाने एवं उनकी जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, इंडियन मुजाहिदीन, जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश, एनडीएफबी अर्थात नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड, अल-कायदा सहित अन्य आतंकवादी संगठनों से जुड़े आरोपियों से पूछताछ में विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन्होंने नकली मुद्रा के जटिल मामलों को भी संभाला तथा बांग्लादेश एवं नेपाल की सीमाओं से कई आरोपियों की गिरफ्तारी में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में नईम एम. को कर्नाटक राज्य पुलिस के पहले ऐसे अधिकारी होने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने जांच के सिलसिले में दुबई की यात्रा कर एक आरोपी को वापस बेंगलूरु लाया। इसे कर्नाटक राज्य पुलिस के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है।

उन्हें पारस्परिक कानूनी सहायता संधि, लेटर रोगेटरी, इंटरपोल समन्वय तथा गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय एवं विभिन्न राजनयिक मिशनों के साथ संपर्क का व्यापक अनुभव है।उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रभाव वाले अनेक मामलों को संभाला है तथा सेनेगल से भारत में रवि पुजारी के प्रत्यर्पण और सऊदी अरब से आरोपियों के देश निकाला एवं प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संधियों से संबंधित दस्तावेजों के अनुवाद एवं संकलन में भी योगदान दिया है।

अंतरराष्ट्रीय प्रभाव वाले मामलों को संभालने के लिए विशेष अधिकारी के रूप में पहचाने जाने वाले नईम एम. कॉल डिटेल रिकॉर्ड विश्लेषण में विशेषज्ञ हैं। उन्होंने वैज्ञानिक पूछताछ तकनीकों में विशेष प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है, जो विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कई भाषाओं में प्रवीण एवं कुशल वक्ता नईम एम. अपने अनुशासन, मर्यादा, बुद्धिमत्ता और व्यावसायिक दक्षता के लिए जाने जाते हैं। विशिष्ट अतिथियों की यात्राओं के दौरान उनके उत्कृष्ट समन्वय तथा लोकभवन में सुरक्षा व्यवस्था में उनके योगदान को कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा भी सराहा गया है।

नईम एम. को इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान के लिए पूरे विभाग द्वारा बधाई दी जा रही है तथा देशसेवा में उनकी निरंतर सफलता की कामना की जा रही है।

मुंबई में 18 से 20 दिसंबर तक जुटेगा वैश्विक हिंदू समाज

जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर बनेगा विचार-मंथन का केंद्र, 60 से अधिक देशों के 4,500 से ज्यादा प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद

बीकानेर, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व हिंदू समुदाय का वैश्विक मंच वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस (डब्ल्यूएचसी) 2026 इस वर्ष मुंबई में आयोजित होगा। 18 से 20 दिसंबर तक जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस तीन दिवसीय महासम्मेलन में 60 से अधिक देशों के हिंदू नेता, विचारक, उद्यमी, नीति-निर्माता, शिक्षाविद, पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे।

महासम्मेलन का केंद्रीय विषय 'समानं व्रतं सह चित्तम्', अर्थात 'साझा संकल्प, सामूहिक दृढ़ता' रखा गया है। पिरामल समूह के चेयरमैन अजय पिरामल को डब्ल्यूएचसी-2026 का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि विशाद मफतलाल और महेश भागचंदका सह-अध्यक्ष होंगे।

अजय पिरामल ने कहा कि वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस हिंदू चिंतन को वैश्विक महत्वाकांक्षाओं से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मंच है।

इस बार 60 से अधिक देशों से 4,500 से ज्यादा प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है।

महासम्मेलन के दौरान सात समानांतर विषयगत सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इनमें वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम, हिंदू एजुकेशन कॉन्फ्रेंस, हिंदू मीडिया कॉन्फ्रेंस, हिंदू पॉलिटिकल कॉन्फ्रेंस, हिंदू वुमेन कॉन्फ्रेंस, हिंदू यूथ कॉन्फ्रेंस और हिंदू ऑर्गेनाइजेशनल कॉन्फ्रेंस शामिल हैं।

इन मंचों पर हिंदू समाज की आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक शक्ति को मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भविष्य की दिशा को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा।

वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस की शुरुआत वर्ष 2014 में दिल्ली से हुई थी। इसके बाद वर्ष 2018 में शिकागो और 2023 में बैंकॉक में इसका आयोजन किया गया। अब तक आयोजित सम्मेलनों में 60 से अधिक देशों के 6,500 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा ले चुके हैं।

पूर्व सम्मेलनों में दलाई लामा, माता अमृतानंदमयी, डॉ. मोहन भागवत, दत्तात्रेय होसबाले, निर्मला सीतारमण, डॉ. बिबेक देबरॉय और डॉ. विजय भटकर सहित अनेक प्रमुख हस्तियां शामिल हो चुकी हैं।

डब्ल्यूएचसी के प्रणेता स्वामी विज्ञानानंद ने कहा कि हिंदू समाज आज पहले की तुलना में अधिक दृश्यमान और सम्माननीय स्थिति में है। अब समय है कि समाज संगठित होकर दृढ़ संकल्प के साथ अपनी आकांक्षाओं को साकार करे और एकता के समक्ष आने वाली चुनौतियों का सामना करे।

तीन दिवसीय यह महासम्मेलन नेटवर्किंग, विचार-विनिमय और ठोस कार्ययोजना के लिए एक वैश्विक मंच उपलब्ध कराएगा। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू नेताओं, विचारकों, उद्यमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बीच सहयोग को मजबूत करना तथा वैश्विक स्तर पर हिंदू समाज की भूमिका को नई दिशा देना है।

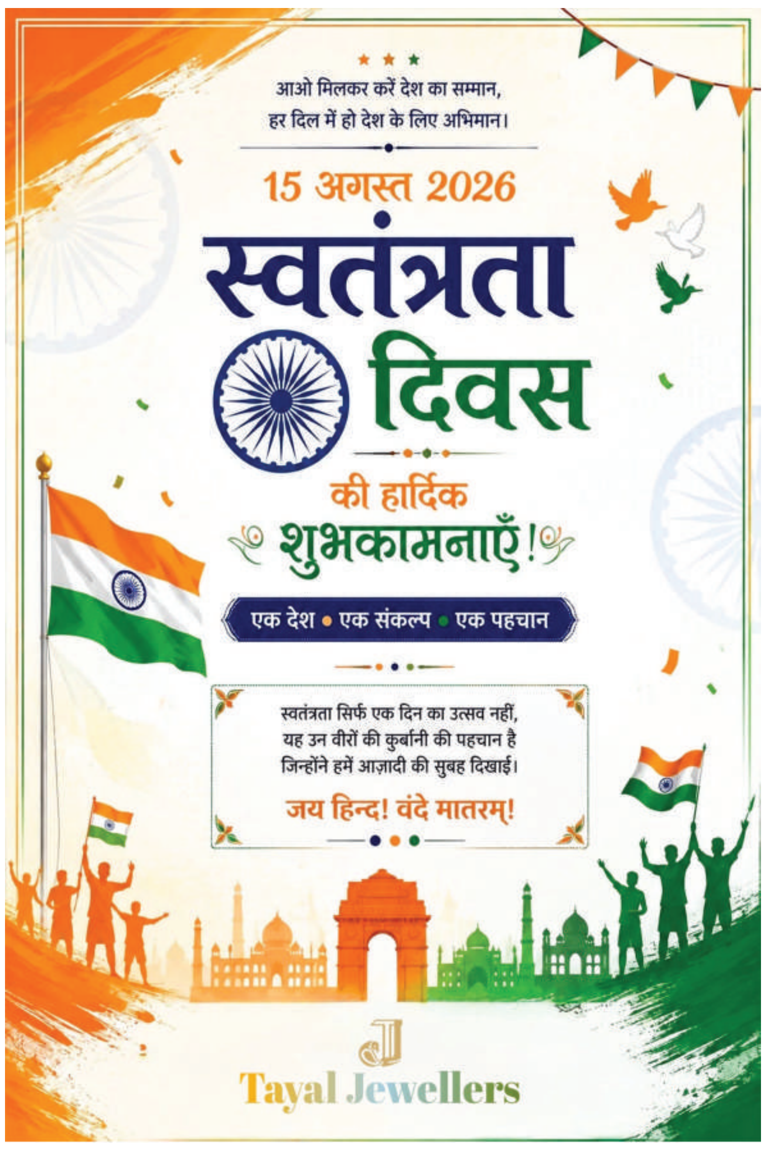

कार्टून कॉर्नर

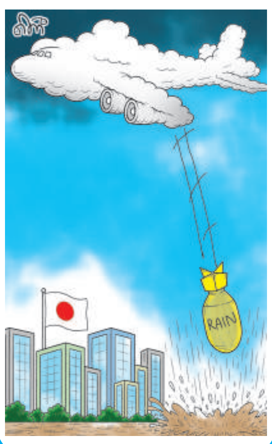

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

भव्य तिरंगा यात्रा से देशभक्ति के नारों से गूंजा विजयवाड़ा

विजयवाड़ा, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी के गवर्नरपेट मंडल अध्यक्ष श्री प्रवीण जैन रांका के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर विजयवाड़ा में भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित की गई।

आइकॉन पब्लिक स्कूल से प्रारंभ हुई यात्रा को भाजपा आंध्र प्रदेश के राज्य संगठन मंत्री श्री नूकल मधुकरजी ने तिरंगा झंडी दिखाकर रवाना किया। विजयवाड़ा सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं विधानसभा में सरकारी सचेतक श्री बोंडा उमामहेश्वर राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

यात्रा से पूर्व पूर्ण वंदे मातरम् गीत का सामूहिक गायन किया गया। इसके बाद हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विद्यार्थियों, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति के नारों के साथ उत्साहपूर्वक यात्रा निकाली।इस अवसर पर आइकॉन पब्लिक स्कूल एवं सेवन हिल्स पब्लिक स्कूल के 700 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। यात्रा के समन्वय में श्री नामिशेट्टी वेंकट की महत्वपूर्ण भूमिका रही।कार्यक्रम में विभिन्न भाजपा पदाधिकारियों, स्थानीय नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

प्रवीण जैन रांका ने कहा कि घर-घर तिरंगा, हर घर तिरंगा की भावना के साथ राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना ही इस आयोजन का उद्देश्य है।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं पूजा से होती है मनोकामना पूर्ति, पापों का होता है नाश : किशन मोदी

बीकानेर, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संभाग मुख्यालय के गोपेश्वर बस्ती स्थित मोदी कुआं परिसर में श्री जंगलेश्वर महादेव मंदिर में पिछले करीब 12 दिनों से श्रावण मास के विशेष अवसर पर जिलैरी सहित पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया जा रहा है। मंदिर से जुड़े शिवभक्त किशन मोदी ने बताया कि बीकानेर में पहली बार जिलैरी सहित इतने बड़े स्तर पर शिवलिंगों का निर्माण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस से पूर्व शुक्रवार को मंदिर परिसर में पार्थिव शिवलिंगों को तीन रंगों में तैयार किया गया। पार्थिव शिवलिंगों से भारत माता की झांकी, भारत देश और राजस्थान राज्य का नक्शा तथा तिरंगा भी बनाया गया। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त को तीन रंगों से भगवान शिव का तिरंगा श्रृंगार किया जाएगा।

देवाधिदेव महादेव के अनन्य उपासक किशन मोदी के साथ बड़ी संख्या में विप्र पंडितों एवं श्रद्धालुओं द्वारा अब तक एक लाख से अधिक पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया जा चुका है। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में इन शिवलिंगों को तिरंगे के रंगों से सजाकर धार्मिक आस्था के साथ देशभक्ति की भावना से भी जोड़ा गया है।

किशन मोदी ने बताया कि शास्त्रोक्त एवं पुराणोक्त मान्यताओं के अनुसार कलयुग में मिट्टी के शिवलिंग का निर्माण एवं उनकी विधिवत पूजा करने से व्यक्ति द्वारा जाने-अनजाने में हुए पापों का नाश होता है तथा जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। उन्होंने कहा कि निष्काम भाव से की गई शिव पूजा परिवार में खुशहाली, सकारात्मक ऊर्जा एवं आरोग्य प्रदान करती है।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण में पांच वर्ष के बच्चों से लेकर 80 वर्ष तक की महिलाएं एवं पुरुष उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। किशन मोदी ने बताया कि शुरुआती दिनों में जहां प्रतिदिन 1,100 पार्थिव शिवलिंग बनाए गए, वहीं श्रद्धालुओं की बढ़ती भागीदारी के साथ यह संख्या बढ़ते-बढ़ते अब प्रतिदिन 7,100 से अधिक तक पहुंच गई है।

प्रतिदिन निर्मित शिवलिंगों का अगले दिन 11 पंडितों द्वारा सामूहिक रुद्राभिषेक किया जाता है। प्रतिदिन बनाए जा रहे शिवलिंग श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ भी रखे जा रहे हैं।

किशन मोदी ने बताया कि श्रावण मास के अंतिम दिन सभी पार्थिव शिवलिंगों का कपिल सरोवर में विधिवत विसर्जन किया जाएगा। मंदिर परिसर में जारी यह विशेष धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आस्था, भक्ति और देशभक्ति का अनूठा संगम बन गया है।

बुद्धिमान संतान पाने के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रंभा तृतीया व्रत या कहें रंभा तीज व्रत किया जाता है। इस वर्ष यह व्रत 21 मई यानी गुरुवार के दिन है। इस दिन विवाहित महिलाएं इसलिए व्रत रखती हैं ताकि उन्हें गणेश जी जैसी बुद्धिमान संतान(पुत्री/पुत्र) मिले। और उन पर गौरी यानी माता पार्वती और शिवजी की कृपा बनी रहे।

इस दिन प्रात: दैनिक नित्य कर्मों से निवृत्त होकर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें और भगवान सूर्य को लिए दीपक प्रज्वलित करें। पूजन में ऊं महाकाल्यै नम:, महालक्ष्म्यै नम:, महासरस्वत्यै नम:, आदि मंत्रों का जाप करते हुए पूजा करें। इस दिन मंदिर और घर पर ही शिव, पार्वती और गणेश जी की आराधना करके सास-ससुर से आशीर्वाद लिया जाता हैं। सास को पकवान व्यंजन और वस्त्र भेंट किए जाते हैं।

क्या है शिवलिंग पर दूध चढाने का वैज्ञानिक रहस्य

हमारी परंपराओं के पीछे कई सारे वैज्ञानिक रहस्य छिपे हुए हैं, जिन्हें हम नहीं जान पाते क्योंकि इसकी शिक्षा हमें कहीं नहीं दी गई है। भगवान शिव को सावन के महीने में ढेरो टन दूध यह सोंच कर चढाया जाता है कि वे हमसे प्रसन्न होंगे और हमें उन्नती का मार्ग दिखाएंगे।

लेकिन श्रावण मास में शिवलिंग पर दूध चढाने के पीछे क्या कारण छुपा हुआ है वह आज हम आपको बताएंगे। भगवान शिव एक अकेले ऐसे देव हैं जिनकी शिवलिंग पर दूध चढाया जाता है। शिव भगवान दूसरों के कल्याण के लिए हलाहल विषैला दूध भी पी सकते हैं। शिव जी संहारकर्ता हैं, इसलिए जिन चीजों से हमारे प्राणों का नाश होता है, मतलब जो विष है, वो सब कुछ शिव जी को भोग लगता है। भगवान शिव से जानें जीवन जीने का तरीका

पुराने जमाने में जब श्रावण मास में हर जगह शिव रात्रि पर दूध चढता था, तब लोग समझ जाया करते थे कि इस महीने में दूध विष के सामान है और वे दूध इसलिये त्याग देते हैं कि कहीं उन्हें बरसाती बीमारियां न घेर ले। क्या है महाशिवरात्रि का महत्व अगर आयुर्वेद के नजरिये से देखा जाए तो सावन में दूध या दूध से बने खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिये क्योंकि इसमें वात की बीमारियाँ सबसे ज्यादा होती हैं। शरीर में वात-पित्त-कफ इनके असंतुलन से बीमारियाँ पैदा होती हैं।

श्रावण के महीने में ऋतू परिवर्तन के कारण शरीर मे वात बढता है। तभी हमारे पुराणों में सावन के समय शिव को दूध अर्पित करने की प्रथा बनाई गई थी क्योंकि सावन के महीने में गाय या भैंस घास के साथ कई कीड-मकौडों का भी सेवन कर लेते हैं। जो दूध को हानिकारक बना देत है इसलिये सावन मास में दूध का सेवन न करते हुए उसे शिव को अर्पित करने का विधान बनाया गया है।

हरियाली तीज आज

श्रावण शुक्ल तृतीया पर भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना का पावन पर्व

हरियाली तीज का पावन पर्व इस वर्ष आज, शनिवार दि.15 अगस्त 2026 को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाएगी । यह पर्व श्रावण शुक्ल तृतीया के अवसर पर मनाया जाता है और भगवान शिव तथा माता पार्वती की आराधना को समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन श्रद्धापूर्वक व्रत एवं पूजा करने से अखंड सौभाग्य, सुखी दांपत्य जीवन और परिवार में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस वर्ष तृतीया तिथि 14 अगस्त की शाम लगभग 6:47 बजे प्रारंभ होकर 15 अगस्त की शाम 5:29 बजे समाप्त होगी।

पूजा के लिए अच्छा समय

हैदराबाद पंचांग के अनुसार अभिजित मुहूर्त सुबह 11:55 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक रहेगा। हरियाली तीज की पूजा के लिए दिन में अपनी परंपरा और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुभ समय का चयन किया जा सकता है। वहीं, राहुकाल सुबह 9:11 बजे से 10:46 बजे तक रहेगा। इस अवधि में नई शुरुआत या महत्वपूर्ण शुभ कार्य करने से बचना बेहतर माना जाता है।

हरियाली तीज की पूजा विधि

* सुबह स्नान करके स्वच्छ एवं हरे वस्त्र धारण करें।
* पूजा स्थान को साफ करके चौकी पर भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा अथवा चित्र स्थापित करें।
* कलश स्थापित करके भगवान गणेश का स्मरण करें।
* भगवान शिव और माता पार्वती को जल अथवा गंगाजल से स्नान कराएं।
* भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और जल अर्पित करें।
* माता पार्वती को कुमकुम, हल्दी, मेहंदी, चूड़ियां, वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री अर्पित करें।
* दीपक और धूप जलाकर भगवान शिव एवं माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करें।
* ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें तथा हरियाली तीज की कथा सुनें।
* माता पार्वती से अखंड सौभाग्य, दांपत्य सुख और परिवार के मंगल की कामना करें।
* अंत में आरती करके प्रसाद चढ़ाएं और श्रद्धानुसार दान करें।

हरियाली तीज के पर्व में हरे वस्त्र, मेहंदी, चूड़ियां और श्रृंगार का विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व माना जाता है। इस अवसर पर महिलाएं विशेष रूप से माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करती हैं।

-पंडित गणेश जोशी महाराज
मो. : 8465902900

गुरु परंपरा में आदि गुरु हैं 'श्री दत्त'

मार्गशीर्ष (अगहन) मास की पूर्णिमा को दत्त जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष यह पर्व 06 दिसंबर के दिन है। शास्त्रों के अनुसार इस तिथि को भगवान दत्तात्रेय का जन्म हुआ था। ब्रहमा, विष्णु और महेश इन तीनों देवताओं की परमशक्ति जब केंद्रित हुई तब 'त्रयमूर्ति दत्त' का जन्म हुआ। अगहन पूर्णिमा को प्रदोषकाल में भगवान दत्त का जन्म होना माना गया है। दत्तात्रेय में ईश्वर और गुरु दोनों रूप समाहित हैं और इसलिए उन्हें 'परब्रहममूर्ति सदगुरु' और 'श्री गुरुदेवदत्त' भी कहा जाता है। उन्हें गुरु वंश का प्रथम गुरु, साधक, योगी और वैज्ञानिक माना जाता है। विविध पुराणों और महाभारत में भी दत्तात्रेय की श्रेष्ठता का उल्लेख मिलता है। वे श्री हरि विष्णु का अवतार हैं। वे पालनकर्ता, त्राता और भक्त वत्सल हैं तो भक्ताभिमानी भी। वेदों को प्रतिष्ठा देने वाले महर्षि अत्रि और ऋषि कर्दम की कन्या अनुसूया के ब्रहमकुल में जन्मा यह दत्तावतार क्षमाशील अंतकरण का भी है।

भारतीय भक्ति परंपरा के विकास में श्री दत्त देव एक अनूठे अवतार हैं। रज-तम-सत्व जैसे त्रिगुणों, इच्छा-कर्म-ज्ञान तीन भावों और उत्पत्ति-स्थिति-लय के एकत्व के रूप में वे प्रतिष्ठित हैं। उनमें शैव और वैष्णव दोनों मतों के भक्तों को आराध्य के दर्शन होते हैं। शैवपंथी उन्हें शिव का अवतार और वैष्णव विष्णु अवतार मानते हैं। नाथ, महानुभव, वारकरी, रामदासी के उपासना पंथ में श्रीदत्त आराध्य देव हैं। तीन सिर, छ: हाथ, शंख-चक्र-गदा-पद्म, त्रिशूल-डमरू-कमंडल, रुद्राक्षमाला, माथे पर भस्म, मस्तक पर जटाजूट, एकमुखी और चतुर्भुज या षडभुज इन सभी रूपों में श्री गुरुदेव दत्त की उपासना की जाती है।

मान्यता यह भी है कि दत्तात्रेय ने परशुरामजी को श्रीविद्या-मंत्र प्रदान किया था। शिवपुत्र कार्तिकेय को उन्होंने अनेक विद्याएं दी थी। भक्त प्रल्हाद को अनासक्ति-योग का उपदेश देकर उन्हें श्रेष्ठ राजा बनाने का श्रेय भी भगवान दत्तात्रेय को ही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के तो घर-घर में दत्तोपासना होती है।

श्री दत्त भक्त और श्री दत्त महात्म्य कहने वाला 'श्री गुरुचरित्र' दत्त भक्तों का पवित्र ग्रंथ है। जिसका पारायण मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी से मार्गशीर्ष पूर्णिमा तक किया जाता है। दत्त महामंत्र 'श्री दिगंबरा दिगंबरा श्रीपाद वल्लभ दिगंबरा' का जप भी प्रभु की शरण प्राप्ति और उनके स्मरण का मंत्र है। माना गया है कि भक्त के स्मरण करते ही भगवान दत्तात्रेय उनकी हर समस्या का निदान कर देते हैं इसलिए इन्हें स्मृतिगामी व स्मृतिमात्रानुगन्ता कहा गया है। अपने भक्तों की रक्षा करना ही श्री दत्त का 'आनंदोत्सव' है। केवल स्मरण यही उनकी सेवा और सच्चे भक्तिभाव से ग्रहण कर रहे अन्ना को उन्हें समर्पित करना ही उनकी पूजा है। श्री गुरुदेव दत्त भक्त की इसी भक्ति से प्रसन्ना होकर स्मरण करने पर उनके निकट जाकर खडे हो जाते हैं और तमाम विपदाओं से रक्षा करते हैं। आदि शंकराचार्य ने तो कहा है, 'सारे ऐहिक सुखों, आरोग्य, वैभव, सत्ता, संपत्ति सभी कुछ मिलने के बाद यदि मन गुरुपद की शरण नहीं गया तो फिर क्या पाया।'

दत्त पादुका पूजन मान्यता है कि दत्तात्रेय नित्य प्रात:काल काशी की गंगाजी में स्नान करते थे। इसी कारण काशी के मणिकर्णिका घाट की दत्त पादुका दत्त भक्तों के लिए पूजनीय है। इसके अलावा मुख्य पादुका स्थान कर्नाटक के बेलगाम में स्थित है। दत्तात्रेय को गुरु रूप में मान उनकी पादुका को नमन किया जाता है।

जन जन को तीर्थंकर बनाती महावीर शिक्षा

महावीर ऐसा अवसर है जो हमें भगवान महावीर के जीवन की उपयोगिता पर विचार करने का अवसर देता है। चूंकि बीते वर्षों में भी समाज में कोई परिवर्तन नहीं दिखता है। हम वैसे ही हैं जैसे थे। अंधकार यथावत है। महावीर द्वारा प्रदत्त प्रकाश हमारे भीतर नहीं पहुंच सका है और इसलिए आज भी महावीर जयंती मनाने की प्रासंगिकता है। आज भगवान का मंदिर बनवाने की आवश्यकता नहीं है स्वनिर्माण की जरूरत है। आचार्य ज्ञानभूषण के अनुसार महावीर जयंती भूमि शुद्धि व दीक्षा दिवस के रूप में अनुपम आयोजन है।

महावीर की वाणी, उनका दर्शन हमारे पास है। आज सबसे बडी कठिनाई यही है कि भक्त उनकी पूजा करना चाहता है उनके विचारों का अनुगमन नहीं करना चाहता है। महावीर का दर्शन केवल अहिंसा और समता का दर्शन नहीं है क्रांति का दर्शन भी है। उनकी प्रजा ने केवल अध्यात्म और धर्म को उपकृत नहीं किया अपितु व्यवहार जगत को भी संवारा है। उनकी मृत्युंजयी साधना ने आत्मप्रभा को ही भास्कर नहीं किया बल्कि अपने समग्र परिवेश को सिंचित किया है। उन्होंने जन जन को तीर्थंकर बनने का रहस्य समझाया है।

दुनिया का सार है श्रीमद्भागवत गीता

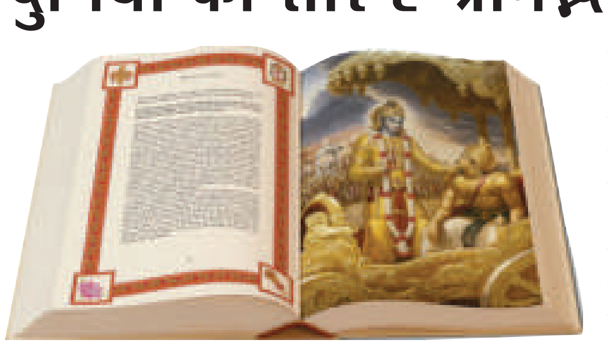

मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन कुरुक्षेत्र की रणस्थली में कर्म से विमुक्त हुए अर्जुन को भगवान कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। गीता संजीवनी विद्या है। गीता के जीवन-दर्शन के अनुसार मनुष्य महान है।

असीम है। शक्ति का भंडार है। कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण से कहा, 'भगवन मैं नहीं लडूंगा।' अपने रिश्तेदारों और गुरुओं का संहार कर मुझे सुख भोगने की इच्छा नहीं है।' परिस्थितिवश अधीर होकर अर्जुन कर्म से विमुख हो गया। कर्तव्य विमुख अर्जुन को जो उपदेश दिया गया वही गीता है। गीता की गणना विश्व की महान ग्रंथों में की जाती है। श्री शंकराचार्य से लेकर विनोबा भावे तक के महान साधकों ने गीता के महत्व को बताया है। लोकमान्य तिलक ने इससे से कर्मयोग लिया। इस गीता के आधार पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अनासक्ति योग का प्रतिपादन किया। गीता का महत्व का प्रतिपादन करते हुए गांधी जी ने लिखा है कि, 'जब मैं किसी विषय पर विचार करने में असमर्थ हो जाता हूं तो गीता ही मुझे प्रेरणा देती है। महामना पंडित मदनमोहन मालवीय के अनुसार गीता अमृत है। इस अमृत का पान का पान करने से व्यक्ति अमर हो जाता है।' गीता का आरंभ धर्म से तथा अंत कर्म से होता है। गीता मनुष्य को प्रेरणा देती है।

मनुष्य का कर्तव्य क्या है। इसी का बोध करवान गीता का लक्ष्य है। इसी आधार पर अर्जुन श्रीकृष्ण से कहते हैं कि, 'मैं अज्ञान से ज्ञान में प्रवेश पा गया हूं। आपके आदेश का पालन करने के लिए मैं कटिबद्ध हूं।' गीता में कुल 18 अध्याय हैं। महाभारत का युद्ध भी 18 दिन तक ही चला था। गीता में कुल श्लोकों की संख्या 700 है। गीता में भक्ति और कर्मयोग का समन्वय देखने को मिलता है। इसीलिए गीता जयंती के दिन श्रीकृष्ण और गीता की विधिपूर्वक पूजा करना चाहिए।

गजानन के सिर से सीखें, फायदेमंद बातें

भगवान श्रीगणेश के बारे में जितना अधिक जानेंगे। उतना ही ज्ञान आप अर्जित कर सकते हैं, जैसे कि गणेश जी का सिर। भगवान के सिर में मौजूद अंगों से भी आप बहुत कुछ सीख सकते हैं।

भगवान गणेश जी का बडा सिर हमें बडी और फायदेमंद बातें विचार करने पर प्रेरित करता है। उनके बडे कान विचारों और सुझावों को धैर्यपूर्वक सुनने के सीख देते हैं। उनकी छोटी आंखें कार्यों को उचित ढंग से और जल्दी पूरा करने की ओर इशारा करती हैं। भगवान की लंबी नाक हमें अपने चारों और घट रही घटनाओं को सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। गणेश जी का छोटा मुंह कम बोलने और ज्यादा सुनने की याद दिलाता है।

यह भी आजमाएं : जो भी करना है अभी करें। हमेशा बेहतर की मांग करें क्योंकि भविष्य वर्तमान में ही मौजूद रहता है। सोच का दायरा बढाएं। सकारात्मक दृष्टिकोण से कार्य करें। सोचना बहुत मेहनत का काम है। समस्याओं को दबाएं और अवसरों को उभारें।

ब्रज की संस्कृति का एक प्रमुख पर्व

गोपाष्टमी पर्व कार्तिक शुक्ल अष्टमी के दिन मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 31 अक्टूबर के दिन है। इस दिन सुबह गौ माता को स्नान कराकर, जल, रोली, मौली, अक्षत, मिठाई, जलेबी, दाल, घास, वस्त्र और धूप आदि से विधिवत् पूजन किया जाता है। इस दिन गोपालों की पूजा भी की जाती है। गोपाष्टमी ब्रज में संस्कृति का एक प्रमुख पर्व है। गायों की रक्षा करने के कारण भगवान श्री कृष्ण का नाम 'गोविन्द' पडा। मान्यता है कि इस दिन गौ माता को घास देकर, उनकी परिक्रमा करके, कुछ दूर उनके साथ जाने से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

शाम के समय गौ माता के चरणों की धूल मस्तक पर लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। कहते हैं कार्तिक, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा से सप्तमी तक गो-गोप-गोपियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को धारण किया था। 8वें दिन इन्द्र अहंकार रहित होकर भगवान की शरण में आए थे। कामधेनु ने श्रीकृष्ण का अभिषेक किया और उसी दिन से कान्हा को गोविंद के नाम से जाना जाता है।

देश के प्राय: सभी भागों में गोपाष्टमी का उत्सव बडे ही उल्लास से मनाया जाता है। कहते हैं कि इस दिन गोशालाओं की संस्था को कुछ दान देना चाहिए। पुराणों के अनुसार ऐसा करने से ही गो वंश की उन्नति हो सकेगी। देवी-देवताओं का निवास पद्म पुराण के अनुसार गाय के मुख में चारों वेदों का निवास हैं। उसके सींगों में भगवान शंकर और विष्णु सदा विराजमान रहते हैं। गाय के उदर में कार्तिकेय, मस्तक में ब्रहमा, ललाट में रुद्र, सीगों के अग्र भाग में इन्द्र, दोनों कानों में अश्विनीकुमार, नेत्रों में सूर्य और चंद्र, दांतों में गरुड, जिहा में सरस्वती, रोमकूपों में ऋषि गण, पृष्ठभाग में यमराज, दक्षिण पार्श्व में वरुण एवं कुबेर, वाम पार्श्व में महाबली यक्ष, मुख के भीतर गंधर्व, नासिका के अग्रभाग में सर्प, खुरों के पिछले भाग में अप्सराएं स्थित हैं।

भगवान की चाहत

एक साधु नदी के पास ध्यान कर रहे थे, तभी एक युवा व्यक्ति ने उन्हें टोकते हुए पूछा, 'गुरूजी, मैं आपका शिष्य बनना चाहता हूँ।' साधु ने कहा, 'क्यों' युवा व्यक्ति ने एक पल के लिए सोचा और फिर कहा, 'क्यों कि मैं भगवान को पाना चाहता हूँ।'गुरु बाहर की और आए, उन्होंने उस व्यक्ति की गर्दन को पकडा, उसे नदी में घसीटा, और उसका सर पानी के नीचे कर दिया। वहाँ उसे एक मिनट के लिए पकडे रखा। वह व्यक्ति खुद को मुक्त करने के लिए लात मार रहा था। गुरु ने अंत में उसे नदी से बाहर खींच लिया। युवक सांस लेने के लिए हांफ रहा था। गुरूजी ने पूछा, 'मुझे बताओ, जब तुम पानी के नीचे थे तो तुम्हे सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत थी।"हवा की' आदमी ने जवाब दिया। 'बहुत अच्छा,' गुरु ने कहा, 'घर जाओ और मेरे पास वापस आना जब तुम्हे भगवान की चाहत भी उतनी ही हो जितनी तुम्हे अभी हवा की थी।'

'कीलक' के राजा शनि और मंगल मंत्री

हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2072 का आगमन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा अर्थात 21 मार्च से हो रहा है। विक्रम संवत 2072 के राजा शनि और मंत्री मंगल होंगे। इस संवत्सर का नाम कीलक होगा। हालांकि 28 मई, 2015 को सौम्य नामक संवत्सर का प्रवेश हो जाएगा लेकिन वर्ष पर्यंत संकल्पादि में कीलक संवत्सर का ही विनियोग होगा। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार ब्रहमा ने इसी तिथि पर सृष्टि का आरंभ किया था। इसी तिथि पर मत्स्य अवतार व सतयुग आरंभ भी माना जाता है। इसे महत्व देते हुए सम्राट विक्रमादित्य ने भी अपने संवत्सर का आरंभ 2000 वर्ष पूर्व चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को किया था।

पूजन अनुष्ठान का विधान

सनातन धर्म में संवत्सर पूजन का खास महत्व है। ऐसे में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को संवत्सर पूजन, नवरात्र घट स्थापन, ध्वजारोपण, तैलाभ्यंग स्नान, वर्षेशादि, फल पाठ, पंचांग श्रवण आदि करना चाहिए। प्रात: कर्म के बाद हाथ में गंध, अक्षत, पुष्प, जल लेकर संकल्प करना चाहिए। बालू की वेदी पर अष्टदल कमल बनाकर ब्रहमादेव की स्वर्ण मूर्ति स्थापित करें। ब्रहमादेव का आहान, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र अर्पण, यज्ञोपवीत, चंदन, पुष्प, धूप-दीप नैवेद्य ताम्बूल, नमस्कार, पुष्पांजलि देकर विधिवत पूजन कर पंचांग श्रवण का विधान है। नीम के कोमल पत्ते ग्रहण करें। इससे राजा-प्रजा और देश, राज्य, नगर, ग्राम में शांति रहती है।

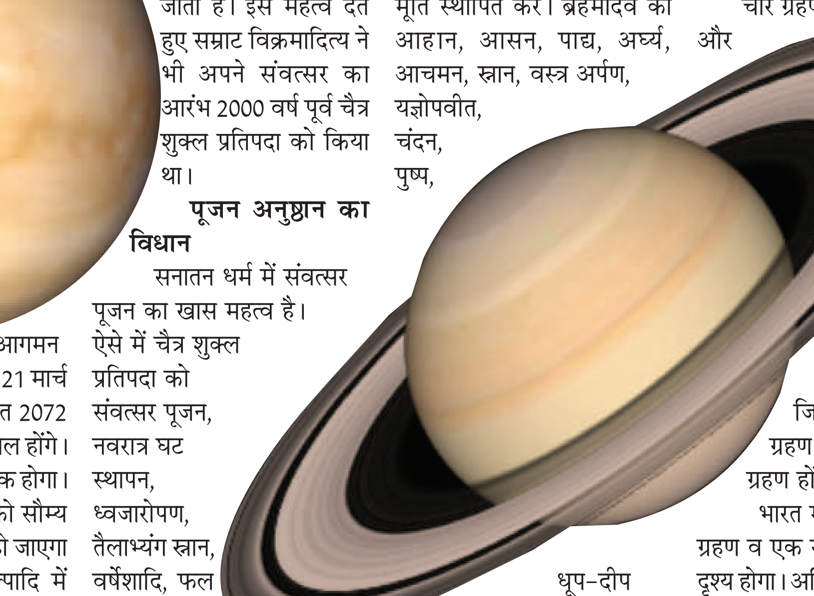

चार ग्रहण और अधिकमास

संवत 2072 में चार ग्रहण होंगे जिनमें दो सूर्य ग्रहण तथा दो चंद्र ग्रहण होंगे। भारत में केवल दो चंद्र ग्रहण व एक सूर्य ग्रहण ही दृश्य होगा। अधिकमास भी लगेगा। इसमें आषाढ मास की वृद्धि है।

आजादी के तीन रंग शिक्षा, राजनीति और मीडिया

आजादी के पिछले वर्षों में भारत ने नित नए प्रगति के सोपान तय किए हैं। किन्तु हम संतोष की सांस ले सके या गौरव के परचम लहरा सके ऐसे क्षण अंगुलियों पर गिने जाने योग्य ही निर्मित हुए है यह भी एक उतना ही कठोर सच है। इन 78 वर्षों में जनता को नेता द्वारा इतना बेवकूफ बनाया गया है कि हर क्षेत्र में लोकतंत्र एक मजाक बन कर रह गया है। लोकतंत्र के तीन प्रमुख आधार मीडिया, शिक्षा और राजनीति है। आजादी के 78 वर्ष के बहाने इन आधारों की पड़ताल मुनासिब होगी।

केसरिया मीडिया

78 साल की स्वतंत्रता इतनी समझदार तो हो कि देश की जनता देश के मीडिया की भूमिका तय कर सकें। मीडिया की सशक्तता का अर्थ यह कदापि नहीं है जब चाहे किसी को फलक पर सजा दें और जब चाहे किसी को खाक में मिला दें। किसी भी देश के मीडिया में न्यूक्लियर पावर से ज्यादा शक्ति है। परमाणु ताकत किसी भी देश को नष्ट कर सकती है। मगर उस देश पर राज करने के लिए वहां की बौद्धिक शक्ति पर नियंत्रण होना आवश्यक है।

विनाश-लीला रचना बेहद सरल है लेकिन बहुत मुश्किल है पूरे देश की जनता के दिलों पर राज करना। मीडिया पर नियंत्रण से यह बखूबी संभव है। मीडिया अगर अपनी ताकत को पहचानता और समझदारी का गुण दिखाता तो शायद यूं आरोपों के कटघरे में खड़ा नजर नहीं आता। चाहे याकूब की फांसी हो या राधे मां के थिरकते कीर्तन। मीडिया ने हर बार अपनी बचकानी हरकतों से मूर्खता का ही सबूत दिया है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभी शैशवावस्था में है। इस अवस्था में कई गुनाह माफ होते हैं। लेकिन यहां हमारे बाल-मीडिया को इस बात की शाबाशी तो देनी होगी कि चाहे येन-केन-प्रकारेण (हास्य, सनसनी, अंधविश्वास) उसने अपना वर्चस्व बढ़ाया हो लेकिन यह श्रेय तो उसी के हिस्से में जाएगा कि उसने समाचारों को कुछ बुद्धिजीवियों के चंगुल से छुड़ाकर जन-जन में लोकप्रिय बना दिया। आज बरसों से समाचारों से वंचित वर्ग न्यूज चैनलों को चाव से देख रहे हैं। देश के मसलों पर कच्ची-पक्की चर्चा भी कर रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। सोचा इस बात पर जाना चाहिए कि क्या जो मीडिया परोस रहा है वह सही और संतुलित है? क्या दिखाया जाना चाहिए और क्या देखना चाहते हैं के बीच का सही संतुलन ही मीडिया का ध्येय होना चाहिए। जब तक इस संतुलन को राष्ट्रहित में कुशलता से साध नहीं लिया जाता तब तक मीडिया के बचकानेपन पर प्रश्नचिन्ह लगते रहेंगे। इस आजादी की अतुलनीय उपलब्धि इंटरनेट को कहा जाएगा। जिसने प्रिंट की प्रामाणिकता और इलेक्ट्रॉनिक की गति दोनों पर विजय हासिल कर पाठकीय क्षुधा को दक्षतापूर्वक शांत किया है। यही वजह है कि सोशल मीडिया, ब्लॉग, पोर्टल्स, एवं वेबसाईट्स के नित नए स्वरूप अस्तित्त्व में आ रहे हैं। यहां तक कि अखबारों और चैनलों के भी इंटरनेट संस्करण तेजी से बढ़ रहे हैं। पाठकों का एक आश्चर्यजनक वर्ग अखबारों और चैनलों को छोड़कर इससे जुड़ा है। हर्ष का विषय है कि युवा और महिला देश के इन दो अहम वर्गों ने इस पर अपनी दमदार प्रतिभागिता दर्ज की है।

सफेदपोश राजनीति

78 वर्षों में राजनीति सिर्फ एक गाली बनकर रह गई है तो यह दोष सिर्फ राजनीति का नहीं बल्कि उस जन का भी है जिसके दम पर तंत्र कायम होता है। हमारे चुनाव का सच यह है कि संसद में भेजे जाने वाले प्रतिनिधि वास्तव में प्रतिनिधि होते ही नहीं है। चुनावों के दौरान किसी भी शहर की आधी बुद्धिजीवी जनता मतदान के लिए जाती ही नहीं है। जो आधी जनता मतदान करती है उनमें से भी कुछ प्रतिशत बाहुबल, धनबल, और जातिबल के आधार पर उम्मीदवार का चयन करती है। इसी में एक हिस्सा उस जनता का भी होता है जो मतदान का मतलब व तरीका भी नहीं जानती। ऐसे में संसद तक पहुंचे उस व्यक्ति को प्रतिनिधि कैसे मान लें और किसका प्रतिनिधि मान लें। वह जनता जिसने उसका चुनाव किया है क्या वह वास्तव में जनता कहलाने के योग्य है? और अगर नहीं तो उस सारी जनता को बिजली, सड़क, पानी, और सुविधाओं के लिए सड़कों पर उतरने का कोई हक नहीं। उसेने ताओं को कोसने का भी कोई हक नहीं। एक पक्ष यह भी है कि जनता के सामने चुनाव में खड़े उम्मीदवारों में अगर हर कोई चोर-चोर-मौसेरे भाई है तो वह किसका चयन करें? क्यों उसके सामने नन ऑफ देम का ऑप्शन नहीं होता? अगर नन ऑफ देम यानी इनमें से कोई नहीं का ऑप्शन होगा तो सहज ही जनता द्वारा नकारे नेता एक तरफ होंगे। और सही एवं ईमानदार छवि वाले युवा आगे आ सकेंगे। 78 वें साल के मुकाम पर आकर इस पर सोचना हमें ही है। क्योंकि यह जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन है। और नेता कौन है? वह भी तो हम जनता के बीच से उठा प्राणी ही है। फिर भला अपने ही बीच के अच्छे तथा बुरे का अंतर क्यों नहीं समझ पा रहे? हादसों के बाद नेताओं को गालियां देना सहज प्रतिक्रिया हो सकती है। लेकिन कब तक? कब तक हम अपनी गलतियों(मतदान) का ठीकरा उन पर फोड़ते रहेंगे? 78 वर्ष की परिपक्व आजादी में जनता को इतना तो जागरूक व चैतन्य होना ही होगा हम अपने ही संविधान की लाज बचा सके।

शिक्षा की हरियाली

शिक्षा का क्षेत्र इन वर्षों में व्यापार बन गया। नालंदा-तक्षशिला जैसे प्राचीन नाम तो हमने अपना लिए लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता के स्तर पर हम कोई अहम सुधार हम नहीं ला सके। शिक्षक आज के दौर में एक ऐसा व्यक्ति बन गया जिसकी सीख में शक होने लगा। वहीं पेरेन्ट्स रेन्ट पे कर के मुक्त हो गए। जबकि विद्यार्थियों ने विद्या की अर्थी बहुत पहले निकाल दी। निसन्देह हमने विदेशों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। भारतीय मानस की रचनात्मकता को वैश्विक स्तर पर सराहा गया है। लेकिन यह कसैला सच भी इसी देश का है कि यहां साक्षरता अभियान धीमी गति से सरक रहे हैं। साक्षरता की सफलता इतनी नन्ही बूंदों के रूप में मिली है कि आज भी विशाल भारतीय जनसागर के कंठ शिक्षा की दृष्टि से सूखे हैं। स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से जहाँ प्रयास किए जा रहे है उन्हें कतई नकारा नहीं जा सकता। क्योंकि उन्हीं के कारण साक्षरता का आंकड़ा खिसक भी रहा है। जबकि सरकारी प्रयासों में क्रियान्वयन की लचरता सारे अभियान को प्रभावित कर रही है। यही वजह है कि साक्षरता अभियान का शुभ कारवां वांछित गति से नहीं बढ़ पा रहा है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायीकरण और परिवर्तन की बयार के चलते भारतीय युवा अटकाव और भटकाव के शिकार हो रहे हैं। वर्तमान गणतंत्र दिवस एक पड़ाव हो सकता है जब हम शिक्षा पद्धति में आमूलचूल परिवर्तन की पहल जगा सके।

जब दुनिया सो रही थी भारत जाग रहा था

14 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि को सारी दुनिया सो रही थी, लेकिन भारत जाग रहा था और अपनी आजादी की ओर बढ़ रहा था। रात 11.00 बजे संघटक सभा द्वारा भारत की स्वतंत्रता को मनाने की एक बैठक आरंभ हुई, जिसमें अधिकार प्रदान किए जा रहे थे। जैसे ही घड़ी में रात के 12.27 बजे भारत को आजादी मिल गई और अब यह एक स्वतंत्र देश बन गया।

15 अगस्त, 1947 को पहली बार स्वतंत्र भारत का राष्ट्रध्वज प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा लाल किले के लाहौरी गेट की प्राचीर से फहराया गया था। लाल किला तब से ही भारतीय स्वाधीनता और देश की एकता का प्रतीक बन गया, जहां हर वर्ष 15 अगस्त को लाल किले की इसी प्राचीर से भारत का तिरंगा देश के प्रधानमंत्री द्वारा फहराया जाता है।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरा भारत आजादी की वर्षगांठ मना रहा है। लोग ई-मेल, एसएलएस आदि के द्वारा लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं भेज रहे हैं। यह ऐसा दिन है जब हम अपने महान राष्ट्रीय नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों, जिन्होंने अंग्रेजों की गुलामी से भारत को आजाद कराने के लिए अनेक बलिदान दिए और अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, को हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। याद रहे कि हमारी आजादी की लड़ाई-स्वतंत्रता-संघर्ष के इतिहास में एक अनोखा अभियान था, जिसमें ताकत और रक्त रंजित बल प्रयोग नहीं था, बल्कि सत्य और अहिंसा के परम सिद्धांत के माध्यम से जीता गया था। जिसने पूरी दुनिया को एक नया रास्ता दिखाया था। भारत की आजादी का संघर्ष मेरठ के कस्बे में सिपाहियों की बगावत के साथ 1857 में शुरू हुआ। आगे चलकर 20वीं शतब्दी में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा अन्य राजनैतिक संगठनों द्वारा महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता का एक देशव्यापी आंदोलन चलाया गया। महात्मा गांधी ने समय के सर्वाधिक विरोधी अभियानों में देखे गए हिंसापूर्ण संघर्ष के विपरीत सविनय अवज्ञा अहिंसा आंदोलन को सशक्त समर्थन दिया। उनके द्वारा विरोध प्रदर्शन के कुछ तरीकों में शामिल थे मार्च पास्ट, प्रार्थना सभाएं, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार और भारतीय वस्तुओं को प्रोत्साहन। इन विधियों की सरलता को भारतीय जनता ने समर्थन दिया तथा स्थानीय अभियान शीघ्र ही राष्ट्रीय आंदोलन बन गए। इनमें से कुछ मुख्य आयोजन असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च, नागरिक अवज्ञा अभियान और भारत छोड़ो आंदोलन थे। जल्दी ही यह स्पष्ट हो गया कि भारत अब उप निवेश शक्तियों के नियंत्रण में अधिक समय तक नहीं रहेगा और अंग्रेजों ने भारतीय नेताओं की मांग को मान लिया। जल्दी ही निर्णय लिया गया कि यह अधिकार भारत को सौंप दिया जाए और 15 अगस्त 1947 को भारत को यह अधिकार सौंप दिया गया।

वीर सपूतों ने हिला दी थी अंग्रेजी हुकूमत

अगस्त माह आजादी की लड़ाई में हमेशा ही महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। 15 अगस्त 1947 में आजादी मिली लेकिन इसके पहले के लंबे संघर्ष में आजादी के मतवालों की कई कहानियां इतिहास के पन्नों में कहीं खो सी गई। इंकलाब की ऐसी ही सच्ची दास्तान 1942 में सहजनवां स्थित डोहरिया के शहीदों ने लिखा थी।

एकजुटता की मिसाल- आठ अगस्त 1942 की शाम मुंबई में महात्मा गांधी ने अग्रेजों भारत छोड़ो और करो या मरो का नारा देकर बिगुल बजाया। इसका स्वागत बड़े उत्साह के साथ पूर्वांचल की धरती ने भी किया। नौ अगस्त को पूरे देश में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आंदोलन छिड़ गया। सहजनवां तहसील के डोहरिया कला में भी वीरसपूतों ने आंदोलन किया। ब्रिटिश सरकार ने उन निहत्थे लोगों पर गोलियों की बौछार कर दी। पुलिस फायरिंग में कुल नौ लोग शहीद हुए थे, जबकि 23 गंभीर रूप से घायल हुए।

ऐसे हुआ डोहरिया में कांड- नौ अगस्त 1942 को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ घोषित आंदोलन का असर सहजनवां के डोहरिया में भी देखने को मिला। आजादी के दीवानों ने भारत माता का नारा लगाते हुए तैयारियां शुरू कर दी। 23 अगस्त 1942 को डोहरिया में सुबह से ही भारी तादाद में लोग जुटने लगे। अग्रेजों भारत छोड़ो का नारा लगा रहे लोगों को तत्कालीन कलेक्टर एमएम मास हाकिम परगना साहब बहादुर व इंस्पेक्टर हल्का सदर ने हटाने की पूरी कोशिश की। लेकिन देशप्रेमी अपनी जिद पर अड़े हुए थे। तत्कालीन थानेदार एनुलहक ने हथियारों से लैस सिपाहियो को बुला लिया और भीड़ को गैरकानूनी बताते हुए कवायद शुरू कर दी। पुलिस ने लाठी चार्ज किया तो भीड़ ने उसका जबाब ईट पत्थरों से दिया। पुलिसवालों ने भीड़ पर गोलियों की बौछार कर दी। पुलिस की फायरिंग में नौ लोग शहीद हो गए। साथ ही 23 गंभीर रूप से घायल हुए थे। वहीं, अंग्रेजों का मन इतने से नहीं भरा तो उन्होंने डोहरिया गांव में आग लगा दी।

स्मारक पड़ा है बदहाल- क्षेत्र के वीरों की कुर्बानी को याद करने के लिए यहां स्मारक बनाया गया। हर वर्ष यहां 23 अगस्त को कार्यक्रम आयोजित भी किया जाता है। इसके बावजूद स्मारक की देखरेख में भारी अभाव है। साफ-सफाई ले लेकर संरक्षण की कमी यहां साफ देखी जा सकती है।

15 अगस्त 1947 के अखबारों के फ्रंट पेज

तमाम ज्योतिषियों के अड़ंगे के बाद आखिर कार जब भारत 15 अगस्त 1947 को आधी रात 00.07 से 00.27 बजे के बीच आजाद घोषित किया गया, तब कोई टीवी चैनल नहीं थे, न इंटरनेट था न ट्विटर, जो मिनटों में लोगों तक खबर पहुंच जाती। उस वक्त था, तो सिर्फ रेडियो और ये वो रात थी, जब देश सो रहा था और राष्ट्र ने बस आंख ही खोली थी। 15 अगस्त की सुबह जब अखबार आये, तो देश भर में ढोल नगाड़े बजने लगे। मिठाईयां बांटी गईं। हर जगह खुशी की लहर थी। वह खुशी इस वीडियो में साफ झलकती है। यह एक मात्र रंगीन वीडियो है, जो आज एक ऐतिहासिक विरासत के रूप में मौजूद है। आप देख सकेंगे अखबारों के फ्रंट पेज की तस्वीरें।

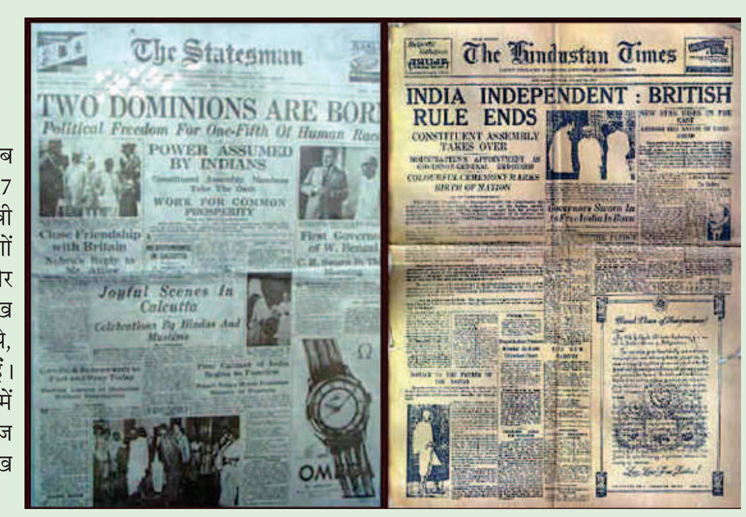
The Statesman
TWO DOMINIONS ARE BORN
Political Freedom For One-Fifth Of Human Race
POWER ASSUMED BY INDIANS

The Hindustan Times
INDIA INDEPENDENT : BRITISH RULE ENDS
CONSTITUENT ASSEMBLY TAKES OVER

ग्वालियर में बना था वो बम, जिससे

भगत सिंह ने किया था ब्रिटिश संसद में धमाका

जिस ब्रिटिश संसद में भगत सिंह ने बम फेंककर अंग्रेजों की नाक में दम किया था, उस बम को ग्वालियर के ही एक मकान में तैयार किया गया था। इस बम के केमीकल ग्वालियर के ही विक्टोरिया कॉलेज की लेबोरेटरी से चुराए गए थे और संसद में बम फेंकने से पहले ग्वालियर की एक पुलिस चौकी में विस्फोट करके इसका परीक्षण भी किया था। उस समय ग्वालियर के एक भुतहा मकान में बनी फैक्ट्री में बम तैयार करके क्रांतिकारियों को उपलब्ध कराए जाते थे। क्रांतिकारियों का खुफिया केंद्र ग्वालियर पर एक नजर -

- रामप्रसाद बिस्मिल के 1927 में काकोरी कांड के आरोप में फांसी पर झूल जाने के बाद क्रांतिकारियों की कानपुर में एक गुप्त बैठक हुई।
- बैठक में हिंदुस्तान रिपब्लिकन आर्मी का नाम बदल कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी दिया गया।
- चंद्रशेखर आजाद को इसका चीफ कमांडर बनाया गया। घोषित रूप से मुख्यालय आगरा में रखा गया।
- अंग्रेजों की नज़र से महफूज़ होने की वजह से क्राति कार्यों के लिए आजाद और उनके साथियों की सक्रियता ग्वालियर में ही ज्यादा बना रही।
- हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी के लिए गोला-बारूद का इंतजाम ग्वालियर से ही किया जाता था। क्योंकि सिंधिया सरकार में हथियारों की खरीद-फरोख्त पर अंग्रेजी सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं थी।
- बम फैक्ट्री और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की गतिविधियों को अंग्रेजों की नजरों से बचाए रखने के लिए दल के सदस्य भगवानदास माहौर, सदाशिव मलकापुरकर और गजानन पोतदार को उच्च शिक्षा के नाम पर शहर के विक्टोरिया कॉलेज में दाखिल कराया गया।
- दोनों पहले हॉस्टल में रहे, लेकिन गतिविधियों को गुप्त रखने के लिहाज से इन्हें किराए के मकानों में शिफ्ट कर दिया गया।
- भगवानदास माहौर ने मौजूदा नाका चंद्रवदनी इलाके में ठीक पुलिस चौकी के सामने एक वीरान पाटौर को अपना ठिकाना बनाया।
- गजानन पोतदार तत्कालीन जनकगंज थाने के पास और मलकापुरकर भी वहीं पास भेलसे वालों के बाड़े में रहने लगे।
- पोतदार जिस मकान में रहने लगे थे, उसे भुतहा माना जाता था और लोग आते नहीं थे। यही मकान क्रांतिकारियों की बम बनाने की लेबोरेटरी बन गया।
- क्रांति की गतिविधियों के लिए जब बम बनाने का फैसला कर लिया गया तो खुफिया तौर पर आगरा में बंगाल के क्रांतिकारी जतीन दा को बुलाया गया था।
- प्रशिक्षण के बाद साइंस के विद्यार्थी पोतदार और मलकापुरकर ने मिल कर विक्टोरिया कॉलेज की साइंस लैब से जरूरी केमिकल चुराए।
- सारा सामान गोपनीयता के मद्देनजर मिठाई के डिब्बों और दूध के बर्तनों में रख कर पोतदार के मकान पर पहुंचाया जाता था।

पुलिस चौकी पर किया बम परीक्षण

- गजानन पोतदार के संस्मरणों के मुताबिक मकान के पास ही उस वक्त जनकगंज पुलिस चौकी हुआ करती थी।
- आजाद ने बम चौकी पर ही फेंका, धमाके से अफरातफरी मच गई, आसपास के बाजार बंद हो गए। पुलिस तक इस विस्फोट की खबर पहुंची।
- जब तक पुलिस सक्रिय हो पाती, आजाद पास के ही लक्ष्मीनारायण मंदिर के तहखाने से हो कर बाहर निकल गए और पठानकोट एक्सप्रेस में बैठ कर झांसी पहुंच गए।

यहां बने बम सेसंसद में हुआ धमाका

- 8 अप्रैल 1929 को संसद की बैठक तय थी, उसमें पब्लिक सेफ्टी और ट्रेड डिस्प्यूट बिल पास किए जाने थे। भगत सिंह व उनके साथियों को इसी दौरान बम विस्फोट करना था।
- ग्वालियर में इसके लिए विशेष बम बनाया गया, इसमें से जीवन के लिए घातक सामग्री नहीं मिलाई गई, महज धमाके लिए ये बम तैयार किया गया था।
- भगत सिंह चाहते थे कि इस योजना में ग्वालियर के किसी साथी को साथ लिया जाए, लेकिन आजाद ने इससे संगठन के लिए हथियार जुटाए जाने अभियान पर असर पड़ने की वजह से इन्हे दिल्ली तो बुलाया गया, बम कांड में सामिल नहीं किया गया।
- पूरी रैकी के बाद भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त नें संसद में बम फेंक कर क्रांति के पर्चे बांटे और गिरफ्तारी दे दी।

15 अगस्त 1947 नहीं

26 जनवरी 1930 को मना था पहला स्वतंत्रता दिवस

भारत को ब्रिटिश शासन से आजादी 15 अगस्त 1947 को मिली और तबसे हम हर साल 15 अगस्त को ही आजादी पर्व मनाते हैं। लेकिन अधिकांश भारतीयों की जानकारी में ये नहीं है कि हमारा पहला स्वतंत्रता दिवस 26 जनवरी 1930 को मनाया गया था।

हुआ यूं था कि दिसंबर 1929 में लाहौर में हुए कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू सहित अन्य नेताओं ने एक महत्वपूर्ण निर्णय पारित किया। इसके मुताबिक हर साल जनवरी के आखिरी रविवार को आजादी का दिन मनाया जाएगा। गांधीजी ने सलाह दी कि ये संदेश देश के हर शहर, हर गांव तक पहुंचाया जाए।

तय हुआ कि 26 जनवरी को पूरे देश में समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय झंडा फहराकर की जाए। दिन का बाकी समय रचनात्मक कार्यों में बिताया जाए। लोग सफाई करें, चरखा चलाएं, अछूत माने जाने वाले लोगों के साथ बैठें और उनकी सेवा कर उन्हें भी भारत का सम्मानित नागरिक होने का मान दें। ये संदेश देश में आग की तेजी से फैला। 26 जनवरी 1930 को लोग अपने गांव, शहर, कस्बों में घरों से निकलकर एक जगह इकट्ठा हुए।

देशवासियों की छटपटाहट और गजब का उत्साह देख अंग्रेज चौंक गए। हर जगह लोगों की अपार भीड़ बिना शोर, हिंसा या हुड़दंग के शांतिपूर्वक एकत्र हुई। गांवों, शहरों में आजादी के प्रति अपना उत्साह प्रदर्शित करने की होड़ लग गई। 1930 के बाद आजादी मिलने (1947) तक हर साल 26 जनवरी को लोग स्वतंत्रता दिवस मनाते रहे।

यदि ऐसा न होता तो आज भी हम फहराते ब्रिटिश झंडा

भारत के तिरंगे को देखकर हर एक भारतवासी के मन एक प्राउड हमेशा रहता है। लेकिन क्या आपको पता है कि ब्रिटिश यूनियन जैक आजादी के बाद भी भारत का राष्ट्रध्वज होता। इतना ही नहीं इसका सपोर्ट खुद गांधी जी ने भी किया था...

- अंग्रेज जब देश छोड़कर जा रहे थे तब वायसरॉय लार्ड माउंटबेटेन ने 24 जून 1947 को भारत के राष्ट्रीय ध्वज में ब्रिटिश यूनियन जैक को शामिल करने का प्रस्ताव संविधान सभा के सामने रखा था।
- राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में बनी एडॉक कमेटी में मौलाना आजाद,केएम मुंशी,सरोजनी नायडू,सी राजगोपालाचारी और बी आर अंबेडकर शामिल थे।
- यूनियन जैक के प्रस्ताव का देश के अधिकतर लोगो ने विरोध किया था पर महत्मा गांधी माउंटबेटेन के सपोर्ट में थे।
- गांधीजी का तर्क था कि भारत अपनी महान संस्कृति और परंपरा के तौर पर अगर यूनियन जैक को शामिल कर लेता है तो इसमे किसी को हर्ज नही होना चाहिए।
- लेकिन नेहरू और एडहॉक कमेटी ने गांधी जी की बात को अधिक महत्व ना देते हुए लार्ड माउंटबेटेन की सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

वी डोंट केयर संसद

राहुल गांधी और अमित शाह बुनियादी तौर पर दोनों लोकसभा सांसद हैं। चूंकि राहुल विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के संसदीय दल के नेता हैं, लिहाजा उन्हें 'नेता प्रतिपक्ष' तय किया गया है। अमित शाह प्रधानमंत्री मोदी की कैबिनेट के सदस्य हैं और उन्हें 'गृहमंत्री' का दायित्व सौंपा गया है। दोनों ही नेता संसद से 'सुप्रीम' नहीं हैं और न ही लोकसभा उनकी बपौती है। दोनों ही संसद के प्रति जवाबदेह हैं और नियम-प्रक्रिया से बंधे हैं। दिल्ली में छात्र, युवा आंदोलन के बाद गृहमंत्री अमित शाह संसद में दिखाई नहीं दिए। संसद भवन के अपने चैंबर में उपस्थित रहना और सदन में मौजूदगी बिल्कुल विपरीत स्थितियां हैं। गृहमंत्री को दोनों सदनों में बयान देकर आंदोलन के दौरान, उसके बाद और प्रदर्शनकारियों पर बर्बर हमलों को लेकर पहले ही स्पष्टीकरण दे देना चाहिए था। यह उनका संवैधानिक दायित्व था। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष यह मांग लगातार करता रहा कि गृहमंत्री सदन में आएं और बताएं कि पैलेट गन क्यों चलाई गई? कीलों वाली लाठियां क्यों भांजी गईं? किसने आदेश दिया था? गृहमंत्री के लिए 'गायब, लापता, भगोड़े, भाग गए' सरीखे शब्द विपक्ष ने इसीलिए इस्तेमाल किए, क्योंकि न तो गृहमंत्री सामने आए और न ही बयान दिया।

अमित शाह प्रधानमंत्री मोदी की कैबिनेट के सदस्य हैं और उन्हें 'गृहमंत्री' का दायित्व सौंपा गया है। दोनों ही नेता संसद से 'सुप्रीम' नहीं हैं और न ही लोकसभा उनकी बपौती है। दोनों ही संसद के प्रति जवाबदेह हैं और नियम-प्रक्रिया से बंधे हैं। दिल्ली में छात्र, युवा आंदोलन के बाद गृहमंत्री अमित शाह संसद में दिखाई नहीं दिए। संसद भवन के अपने चैंबर में उपस्थित रहना और सदन में मौजूदगी बिल्कुल विपरीत स्थितियां हैं। गृहमंत्री को दोनों सदनों में बयान देकर आंदोलन के दौरान, उसके बाद और प्रदर्शनकारियों पर बर्बर हमलों को लेकर पहले ही स्पष्टीकरण दे देना चाहिए था। यह उनका संवैधानिक दायित्व था। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष यह मांग लगातार करता रहा कि गृहमंत्री सदन में आएं और बताएं कि पैलेट गन क्यों चलाई गई? कीलों वाली लाठियां क्यों भांजी गईं? किसने आदेश दिया था? गृहमंत्री के लिए 'गायब, लापता, भगोड़े, भाग गए' सरीखे शब्द विपक्ष ने इसीलिए इस्तेमाल किए, क्योंकि न तो गृहमंत्री सामने आए और न ही बयान दिया।

इन अमर्यादित, असंसदीय शब्दों की नौबत नहीं आनी चाहिए थी। नतीजा यह हुआ कि संसद की कार्यवाही निरंतर स्थगित होती रही। मॉनसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और बुधवार, 12 अगस्त, तक 18 दिनों की बैठकें हुईं, लेकिन लोकसभा में कुल 17 घंटे भी काम नहीं किया जा सका। विपक्ष के हंगामे, शोर, नारेबाजी के बीच ही 59 मिनट में 9 बिल ध्वनि-मत से पारित करने पड़े। हरेक बिल पर औसतन 3-5 मिनट खर्च किए गए और किसी भी बिल पर कोई चर्चा नहीं की गई। राज्यसभा में भी करीब 31 फीसदी काम किया जा सका। इन 18 दिनों में देश के करदाताओं के 118 करोड़ रुपए से अधिक की राशि पर पानी फेर दिया गया, जबकि सांसदों के भत्ते 'अलग खर्च' हैं। क्या इसी तरह देश का पैसा फूंकने और बिना चर्चा के बिल पारित करने को ही संसद बनी है? यहां यह भी प्रासंगिक है कि हमारी संसद अब साल में औसतन 50-65 दिन ही जुटती है और उस दौरान भी हंगामा मचा रहता है। अमरीका, ब्रिटेन, जापान जैसे देशों में संसद साल में 140-160 दिन काम करती है। यह तुलना हमारे अधिकतर 'माननीय' नहीं जानते होंगे! बहरहाल जब मॉनसून सत्र 'साइनेडाई' (अनिश्चित काल के लिए स्थगित) होने को आया, तो गृहमंत्री अमित शाह सामने आए और हर सवाल का जवाब देने की बात कही। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब सदन में हंगामा मच रहा था, कार्यवाही लगातार स्थगित करनी पड़ रही थी, तो वह सदन में आकर क्या करते? यहां हमारा सवाल भी है कि क्या गृहमंत्री हंगामे, नारेबाजी के बीच सदन में कभी भी नहीं गए? क्या शोर-शराबे में ही उन्होंने अपनी बात नहीं रखी? अनुच्छेद 370 खत्म किया जा रहा था, तो सदन में विपक्ष ने कितना शोर मचाया था? क्या गृहमंत्री ने अपना प्रस्ताव नहीं पढ़ा? बहरहाल जब गृहमंत्री विस्तृत और बिंदुवार बहस और जवाबदेही को तैयार हुए, तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा-गृहमंत्री का लेक्चर सुनने में हमारी कोई दिलचस्पी नहीं। वह क्या बोलेंगे, वी डोंट केयर (हमें उसकी परवाह नहीं)। वह पैलेट गन और लाठीचार्ज पर सीधा जवाब दें। उसके बाद नेता प्रतिपक्ष ने गृहमंत्री के इस्तीफे का राग अलापना शुरू कर दिया। यदि पैलेट और लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री ने दिया अथवा किसी और ने दिया और गृहमंत्री को उसकी जानकारी नहीं थी या बर्बर हमले का जिम्मेदार कोई भी हो, गृहमंत्री उसके लिए इस्तीफा दें। क्या संसद की कार्यवाही और प्रणाली यही है? गृहमंत्री के वक्तव्य का विरोध करना और बस एक जवाब ही सुनना, यह राहुल गांधी की जिद और अहंकार हो सकता है। सदन की प्रक्रिया तो स्पीकर तय करते हैं। उस संदर्भ में कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में निर्णय लिया जाता है, जिसमें लगभग सभी प्रमुख दलों के प्रतिनिधि होते हैं। गृहमंत्री से भी अपेक्षा थी कि विपक्ष सुनता या गैर-हाजिर रहता अथवा हंगामा मचता रहता, उन्हें अपना वक्तव्य देना चाहिए था, ताकि वह संसद के रिकॉर्ड में दर्ज हो जाता।

कुछ अलग

हैलमेट ले आइये न...

हैलमेट का जिस किसी ने भी आविष्कार किया हो, धन्य है। ऐसे हालात में तो इसकी उपयोगिता और भी बढ़ जाती है, जबकि दुर्घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हों। मेरे एक मित्र हैं श्यामलाल। वे सोते हैं तब भी हैलमेट लगाते हैं। मैंने पूछा, 'अमां यार, यह क्या चक्कर है? सोते समय हैलमेट का प्रयोग समझ में नहीं आया।' सकुचाते हुए बोले- 'दरअसल मेरी पत्नी के हाथ नींद में भी चलते हैं। ऊपर से मुझे नींद में चलने की बीमारी अलग है।' देख लीजिए कितना उपयोगी हुआ हैलमेट का प्रयोग। पड़ोस में जो शर्मा जी रहते हैं, वे लेन-देन का काम करते हैं। जब भी रुपयों की उगाही को निकलते हैं तो हैलमेट लगाकर जाते हैं। मैंने कहा, 'शर्मा जी, ब्याज लेने जाते हैं तो यह हैलमेट क्यों?' अपने सिर से हैलमेट हटाकर पांच टांके बताते हुए बोले- 'एक ग्राहक ने उधार लिया, पैसा लौटाना तो दूर, लठ्ठ दे मारा, पूरे पांच टांके आए। उसके बाद से तो मैंने हैलमेट का प्रयोग शुरू कर दिया। अब आपको बताऊं, परसों एक ग्राहक से ऐसी ही नौबत आई तो हाथापाई में हैलमेट ने पूरी सुरक्षा प्रदान की।' मैंने कहा, 'तो फिर आप ऐसे लोगों को रुपया उधार देते ही क्यों हैं?' 'थोड़ी आदत से मजबूर हूं और थोड़ा धंधे का मामला है। घोड़ा घास से यारी करे तो खाए क्या?' 'एक हैलमेट आपके कितने दिन चल जाता है?' मैंने पूछा। शर्मा जी ने बताया- 'वारदात नहीं हो तो आराम से पांच वर्ष, वरना कई बार तो एक महीने बाद ही बदलना पड़ता है। अच्छी उच्चकोटि का आईएसआई मार्क लाता हूं हमेशा। मैं जान को किसी भी हालात में खतरे में नहीं डाल सकता।' सिंघल साहब का आलम और भी विकट है।

स्वतंत्रता दिवस 2026 पर विशेष

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है। स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है।

15 अगस्त भारत के राष्ट्रीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है। स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकर्ताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेल, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पर्धा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहता; वह निर्माण करने,

नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर-पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्मनिर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013-14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की यात्रा का सशक्त प्रमाण है। लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर होने के साथ आत्मसंयमी भी हो, शक्तिशाली होने के साथ संवेदनशील भी हो और आधुनिक होने के साथ अपनी संस्कृति एवं नैतिक जड़ों से जुड़ा भी हो। महात्मा गांधी, भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने हमें बताया था कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य की गरिमा और समाज में शांति है। यदि तकनीक बढ़ती जाए लेकिन मनुष्यता घटती जाए, यदि संपन्नता बढ़े लेकिन संवेदना कम हो जाए, यदि अधिकारों की मांग बढ़े लेकिन कर्तव्यबोध समाप्त हो जाए तो स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। हमारे सामने आज भी गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, भ्रष्टाचार, सामाजिक तनाव, हिंसा, पर्यावरण संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प भी है। हमें ऐसी नागरिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें सत्य, शुचिता, सहिष्णुता, अनुशासन, परस्पर सम्मान और राष्ट्रहित सर्वोपरि हों। लोकतंत्र की मजबूती केवल संसद या सरकार से नहीं होती; वह नागरिक के चरित्र से होती है। लोकतंत्र को मजबूत संसद के साथ मजबूत समाज और जिम्मेदार नागरिक भी चाहिए। आज का भारत विश्व की युवा शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य मूलतः युवाओं का लक्ष्य है, क्योंकि आज का युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत/2047 रू वॉइस ऑफ यूथ' पहल के माध्यम से युवाओं को केवल भविष्य के लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन के एजेंट के रूप में सामने रखा है। इसीलिए 2026 के स्वतंत्रता दिवस अभियान का केंद्र भी युवाओं को एक मजबूत, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण से जोड़ना है। सरकारी 'माय भारत' पहल में युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। 2047 की यात्रा में हमें युवाओं से केवल नौकरी पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए; उन्हें रोजगार देने वाला, समस्या का समाधान खोजने वाला, नवाचार करने वाला और समाज का नेतृत्व करने वाला बनाना होगा। शिक्षा को डिग्री से कौशल, कौशल से रोजगार और रोजगार से उद्यमिता की ओर ले जाना होगा। गांव का युवा भी अंतरिक्ष में अवसर देखे, छोटे शहर की बेटी भी विज्ञान और तकनीक में विश्वस्तरीय पहचान बनाए, किसान का बेटा भी एग्रीटेक उद्यमी बने और सामान्य परिवार का युवा भी स्टार्टअप के माध्यम से हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करेकृयही नए भारत की तस्वीर है। आजादी की पहली लड़ाई में युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को स्वतंत्र बनाया था। 2047 के भारत की लड़ाई में युवाओं को ज्ञान, नवाचार, चरित्र, परिश्रम और राष्ट्रभावना को अपना हथियार बनाना होगा। यदि 1947 की पीढ़ी ने पूछा थाकृ'भारत को आजाद कैसे कराएं?', तो आज की पीढ़ी को पूछना होगा-'भारत को दुनिया का विकसित, समर्थ, शांतिपूर्ण और नैतिक नेतृत्व करने वाला राष्ट्र कैसे बनाएं?' स्वतंत्रता की सार्थकता इसी प्रश्न के उत्तर में छिपी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां विकास की चमक के साथ मानवीयता की रोशनी भी हो; जहां विज्ञान आगे बढ़े तो संस्कार भी साथ चलें; जहां अर्थव्यवस्था मजबूत हो तो समाज भी समरस हो; जहां भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी पर निर्भर न हो और विश्व की शांति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। आज जब तिरंगा लाल किले की प्राचीर पर लहराएगा, तब हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि भारत स्वतंत्र है, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम इस स्वतंत्रता को अधिक सार्थक, अधिक जिम्मेदार और अधिक जनकल्याणकारी बनाएंगे। 2047 का विकसित भारत सरकार का अकेला सपना नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

देश दुनिया से

विभाजन विभीषिका और पंद्रह अगस्त

भारत के आधुनिक इतिहास में दो दिन महत्वपूर्ण हैं। चौदह अगस्त और पंद्रह अगस्त। पंद्रह अगस्त को ब्रिटेन ने भारत को अपने कब्जे से छोड़ दिया। उन्होंने सत्ता भारत के ही एक राजनीतिक दल कांग्रेस को सौंप दी थी। लेकिन यह सारा काम बिना शर्त नहीं हुआ था। कांग्रेस को सत्ता सौंपने से पहले ब्रिटेन ने यह शर्त लगा दी थी कि कांग्रेस बाकायदा एक प्रस्ताव पारित करे कि भारत को विभाजित कर दिया जाए। कांग्रेस दुविधा में थी। यदि भारत विभाजन का प्रस्ताव न पारित किया गया तो एक बार फिर जेलों में जाना पड़ेगा और आजादी की लड़ाई पच्चीस-तीस साल और लंबी चल सकती है। लेकिन शायद कांग्रेस का नेतृत्व अब जेल में जाने को तैयार नहीं था। कुछ विद्वानों ने समझाया भी। द्वितीय विश्व युद्ध ने हालात ऐसे बना दिए कि इंग्लैंड खुद खोखला हो गया। वह अब भारत पर अपना आधिपत्य आर्थिक कारणों से भी रख ही नहीं सकता। फिर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने भारतीय सेना में जो विद्रोह की चिंगारी जला दी है, वह अब फैल रही है। लेकिन कांग्रेस का नेतृत्व अधीर हो गया था। उसने सबसे आसान रास्ता चुना। भारत विभाजन के पक्ष में प्रस्ताव पारित करो और सत्ता अपने हाथ में लो। भारत विभाजन के पक्ष में कांग्रेस द्वारा प्रस्ताव पारित करने के बाद भारत विभाजित भी हो गया और आजाद भी हो गया। शायद यही कारण था कि आजादी का जश्न आधी रात को शुरू हुआ। दिल्ली में जब जश्न मनाया जा रहा था तो भारत के ही कटे हुए हिस्से से, जिसे अब पाकिस्तान का नाम दिया गया था, लाखों भारतीय इधर को आ रहे थे। लेकिन केवल इधर को आ रहे थे, कहने से क्या काम चल सकता है? इधर को आते-आते, कहा जाता है दस लाख हिंदू-सिख मारे गए। क्यों मारे गए थे? क्योंकि कांग्रेस ने भारत के विभाजन का प्रस्ताव पारित कर दिया था। इतिहास का यह अजीब विरोधाभास था कि एक साथ लाखों लोगों का रक्त बह रहा था और आजादी का जश्न भी मनाया जा रहा था। इतिहास में कभी-कभी ऐसा भी होता है। बहुत दशकों बाद देश की सरकार को यह ध्यान आया कि आजादी और भारत विभाजन दोनों कहीं न कहीं आपस में जुड़ी हुई हैं। अतः आजादी का जश्न मनाते समय भारत विभाजन विभीषिका को स्मरण करना और इस विभीषिका में मारे गए भारतीयों को

श्रद्धांजलि अर्पित करना भी हमारा राष्ट्रीय धर्म है। शायद यही कारण है कि इक्कीसवीं शताब्दी में सरकार ने अपने इस राष्ट्रीय धर्म को निभाने का निर्णय किया। लेकिन भारत विभाजन विभीषिका पर चर्चा करते समय ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे अवसरों पर यह मंथन भी किया जाता है कि विभाजन किन कारणों से हुआ और क्या इस विभाजन के बाद वे कारण समाप्त हो गए हैं? यदि विभाजन के कारण अब समाप्त हो गए हैं, तो क्या यह विभाजन समाप्ति की ओर पहला कदम है? चौदह और पंद्रह अगस्त के दिन चर्चा का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है। मोटे तौर पर यही माना जाता है कि विभाजन का कारण यह था कि जिन्ना को यह वहम हो गया था या फिर अंग्रेजों ने उसको यह वहम बेच दिया था कि हिंदू-मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते। लेकिन शायद असली कारण कुछ और था। अरब, तुर्क और मुगल (एटीएम) मूल के मुसलमानों को लगने लगा था कि पिछले पांच सौ सालों में हमने जिन हिंदुस्तानियों पर राज किया है, अंग्रेजों के चले जाने के बाद, हमें इन हिंदुस्तानियों के केवल साथ ही नहीं बैठना पड़ेगा, बल्कि शायद उनके राज में रहना पड़े। अरब मूल के सैयदों की तो यह सोच सोच कर ही नींद हराम हो रही थी। 1857 की आजादी की पहली लड़ाई में वे देख चुके थे कि भारत के हिंदू और देसी मुसलमान किस प्रकार कन्धे से कन्धा मिला कर अंग्रेजों के खिलाफ लड़े थे। इसके परिणामस्वरूप अंग्रेज और एटीएम एक साथ ही चौकन्ने हो गए थे कि मामला हाथ से निकलता जा रहा है। 1857 की लड़ाई के बाद सैयद अहमद खान और मिर्जा गालिब ने भारत के देसी मुसलमानों को जी भर भर कर गालियां निकाली हैं कि इन 'बदजातों' ने अंग्रेजों के खिलाफ बंदूक उठाई। अंग्रेजों को लगा कि हिंदू-मुसलमान को अलग-अलग करना चाहिए और एटीएम को लगा कि यदि भारत आजाद हो गया तो हमारी औकात क्या रह जाएगी? एटीएम में भी अरब मूल के सैयदों की चिंता सबसे ज्यादा थी। लेकिन सैयदों की चिंता का एक दूसरा कारण भी था। भारत के मुसलमानों में एटीएम मूल के मुसलमानों की संख्या तो महज पांच प्रतिशत ही है। वे अब भारत की राजनीति को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं? तब शायद अंग्रेजों ने जिन्ना, जो देसी मुसलमान था, को उसकी कीमत चुका कर खरीद लिया और उसे मुफ्त में सैयदों के हवाले कर दिया। भारत में ऐसे मुसलमानों, जो हिंदू से मुसलमान बने हैं और देसी मुसलमान, जो पसमांदा कहे जाते हैं, की संख्या 95 फीसदी है। अंग्रेजों ने सैयदों को समझा दिया कि अपने आगे इन देसी मुसलमानों को रखो और पीछे से नियंत्रण अपने हाथ में रखो। तब जिन्ना आगे-आगे दिखाई दे रहे थे और रस्सी सैयद खींच रहे थे। नारा लगा, हिंदू-मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते। पाकिस्तान बन गया। अंबेडकर भारत की जमीनी स्थिति को समझते थे। वे जानते थे कि इस विभाजन से जो विभीषिका पैदा होगी, उसमें लाखों लोग मारे जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस को समझाया कि जब आपने मजहब के आधार पर विभाजन स्वीकार किया है तो मजहब के आधार पर ही शांतिपूर्ण तरीके से जनसंख्या परिवर्तन की व्यवस्था कर लो। लेकिन लार्ड माउंटबेटन ने नेहरु को पहले ही समझा रखा था कि आपने इस संकट काल में सेक्युलर का मुकुट धारण किए रखना है ताकि आपकी छवि बनी रहे। उस छवि ने दस लाख निर्दोष भारतीयों की बलि ले ली। पाकिस्तान बन गया। सैयदों को अब देसी मुसलमानों की जरूरत नहीं रही। जिन्ना तो कुछ महीनों में ही मर गए और पाकिस्तान ने उनकी बहन को जेल में डाल दिया। लेकिन विभाजन के लगभग आठ दशक बाद भी विभाजन के कारण दूर हो गए हैं।

आप का नज़रिया

मछुआरों को राहत

नई परंपरा, आश्वासन तथा नीली आर्थिकी के लिए हिमाचल सरकार ने मदद का पिटारा खोला है। मछुआरा सम्मान निधि की बजटीय घोषणा ने बिलासपुर में उस समय आकार लिया जब 1500 लोगों के खाते में प्रति मछुआरा 3500 रुपए की सहायता डाली गई। आज के मछुआरे कल के विस्थापित भी हैं, अतः ऑफ सीजन अपने कारोबार से महरूम लोगों को 3500 रुपए का अंशदान मददगार सिद्ध होगा। मछुआरों को लाइफ जैकेट के लिए पचास लाख तथा रॉयल्टी फीस घटा कर एक प्रतिशत कर दी गई है। सरकार मत्स्य आपूर्ति के लिए प्रशीतन वाहनों की खरीद पर 70 प्रतिशत सबसिडी भी दे रही है। जाहिर है मत्स्य आखेट को सरकार रोजगार व उद्योग की दृष्टि से देख रही है। दरिया और झीलों के ठिठुरते आंचल में मछलियों की तलाश का धंधा अब तक यूं ही चल रहा था, जबकि अब इसे ग्रामीण आर्थिकी का एक मुख्य संसाधन माना जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में तालाबों में मछली पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि ट्राउट फिशिंग के वैज्ञानिक तरीकों में पतली कूहल के बाद शाहपुर के धारकंडी इलाके में काफी तरक्की हुई है। बागबानी व डेयरी के बाद मत्स्य पालन की दिशा में कई प्रोत्साहन उपलब्ध हैं। पौंग व भाखड़ा डैम के अलावा कई कृत्रिम झीलों में यह व्यवसाय बढ़ा है और हिमाचल में मछली का व्यापार पड़ोसी राज्यों के अलावा दिल्ली तक हो रहा है। ऐसे में स्वरोजगार की दृष्टि से मिल रही तमाम सहूलियतें अब कारगर होने लगी हैं। इस व्यवसाय को और विस्तार देने की दृष्टि से युवाओं को खास ट्रेनिंग और वित्तीय प्रोत्साहनों की जरूरत रहेगी। हम पहले भी कई बार सुझाव दे चुके हैं कि प्रदेश में फिशरीज स्टडीज की दिशा में आगे बढ़ना होगा। पौंग बांध की परिधि में नगरोटा सूरियां के कालेज को फिशरीज स्टडीज के राज्य स्तरीय केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। फिशरीज अध्ययन के माध्यम से युवा कई तरह का नवाचार कर सकते हैं, जबकि उद्योग की परिपाटी में कई उत्पाद तैयार करके बाजार का विस्तार हो सकता है। बिलासपुर से शुरुआत करते हुए मछुआरों के 'नो फिशरीज पीरियड' पर सरकार ने मरहम लगाया है। करीब दो माह के विराम में मछुआरों की गतिविधियां शून्य हो जाती हैं, इसलिए आर्थिक मदद के नए हिसाब से कुछ तो राहत मिलेगी। अभी तो शुरुआत है, कल यह राशि बढ़कर जिंदगी की आवश्यकताओं में मछुआरा परिवारों की पूरी देखभाल कर पाएगी। ऐसे कई और भी धंधे हैं जहां उत्पादक को कुछ दिन विराम करना पड़ता है। हथकरघा उद्योग भी सर्दियों के बाद सुस्त हो जाता है तो शहद उत्पादन भी बीच-बीच में रुक जाता है। ऐसे में राहत के ऐसे क्षणों का व्यापक बंटवारा होना चाहिए। यह नया निवेश या स्थानीय निवेश है, जहां सरकार उत्पादन के पक्ष में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्मित कर सकती है। व्यापार मंडलों तथा औद्योगिक शहरों की भी कुछ ऐसी मांगें हैं, जहां सरकार के दखल से व्यापार आसान तथा शक्तिशाली हो सकता है। औद्योगिक परिसरों को ट्रक माफिया से निजात दिलाने का कोई खाका या कार्य योजना बने, तो निवेश का लाभ रोजगार तथा राज्य की कर अदायगी में बढ़ सकता है। इसी तरह व्यापार मंडलों के साथ सहयोग करके सरकार आर्थिकी को बढ़ावा, रोजगार को आसरा और बाजार की सुविधाओं में इजाफा कर सकती है। निवेश प्रोत्साहन के तहत रेहड़ी से दुकान और दुकान से शोरूम तक परस्पर सहयोग की एक परिपाटी व्यापारी वर्ग के साथ मिलकर शुरू की जा सकती है।

मछुआरा सम्मान निधि की बजटीय घोषणा ने बिलासपुर में उस समय आकार लिया जब 1500 लोगों के खाते में प्रति मछुआरा 3500 रुपए की सहायता डाली गई। आज के मछुआरे कल के विस्थापित भी हैं, अत: ऑफ सीजन अपने कारोबार से महरूम लोगों को 3500 रुपए का अंशदान मददगार सिद्ध होगा। मछुआरों को लाइफ जैकेट के लिए पचास लाख तथा रॉयल्टी फीस घटा कर एक प्रतिशत कर दी गई है। सरकार मत्स्य आपूर्ति के लिए प्रशीतन वाहनों की खरीद पर 70 प्रतिशत सबसिडी भी दे रही है। जाहिर है मत्स्य आखेट को सरकार रोजगार व उद्योग की दृष्टि से देख रही है। दरिया और झीलों के ठिठुरते आंचल में मछलियों की तलाश का धंधा अब तक यूं ही चल रहा था, जबकि अब इसे ग्रामीण आर्थिकी का एक मुख्य संसाधन माना जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में तालाबों में मछली पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि ट्राउट फिशिंग के वैज्ञानिक तरीकों में पतली कूहल के बाद शाहपुर के धारकंडी इलाके में काफी तरक्की हुई है। बागबानी व डेयरी के बाद मत्स्य पालन की दिशा में कई प्रोत्साहन उपलब्ध हैं। पौंग व भाखड़ा डैम के अलावा कई कृत्रिम झीलों में यह व्यवसाय बढ़ा है और हिमाचल में मछली का व्यापार पड़ोसी राज्यों के अलावा दिल्ली तक हो रहा है। ऐसे में स्वरोजगार की दृष्टि से मिल रही तमाम सहूलियतें अब कारगर होने लगी हैं। इस व्यवसाय को और विस्तार देने की दृष्टि से युवाओं को खास ट्रेनिंग और वित्तीय प्रोत्साहनों की जरूरत रहेगी।

दृष्टि कोण

अभिव्यक्ति की आज़ादी के मायने स्वच्छंदता नहीं

आज अभिव्यक्ति के जितने द्वार खुले हैं, उतने शायद कभी नहीं थे। एक ट्वीट, एक इंस्टाग्राम रील या एक डिजिटल मीम—मौजूदा वक्त में विचारों के आदान-प्रदान और अपनी बात कहने का सबसे बड़ा जरिया यही है। सदियों की गुलामी की जंजीरें काटकर जब 15 अगस्त 1947 को देश ने आज़ादी की पहली सांस ली, तब हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सामने एक ही सपना था—ऐसी स्वतंत्र भूमि का निर्माण जहां हर नागरिक बिना किसी भेदभाव गरिमा के साथ जी सके। समय, काल और पीढ़ियों के बदलने के साथ स्वतंत्रता के मायने बदलते जाते हैं। आज स्वतंत्रता का यह पर्व बिल्कुल नए दौर से गुजर रहा है। इक्कीसवीं सदी की युवा पीढ़ी, जिसे हम 'जेन ज़ी' कहते हैं, आज़ादी को अलग और व्यापक दृष्टिकोण से देखती है। उनके लिए स्वतंत्रता केवल राजनीतिक या ऐतिहासिक संदर्भों तक सीमित नहीं, बल्कि यह जीवन जीने के अलग तरीकों, व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और डिजिटल अधिकारों से जुड़ी है। आज आज़ादी व्यक्तिगत स्वतंत्रता, विचारों की मुक्त अभिव्यक्ति और बिना डर के अपनी आवाज़ उठाने का अधिकार बन चुकी है। जहां बिना रोक-टोक बात रखना इस डिजिटल पीढ़ी का सहज स्वभाव है, वहीं 'एआई' व 'डीपफेक' के इस दौर में अभिव्यक्ति की आजादी के साथ डिजिटल सुरक्षा व प्रामाणिकता की रक्षा करना सबसे बड़ी चुनौती है। यह पीढ़ी इंटरनेट व सोशल मीडिया की दुनिया में पली-बढ़ी है, जहां दुनिया का हर विचार एक क्लिक पर मुहैया है। इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर वे अपनी कला, बेबाक विचारों और संघर्षों को बिना किसी रुकावट दुनिया के सामने रख रहे हैं। वे अपनी पसंद और जीवन शैली को समाज के पुराने ढर्रे और दबाव से मुक्त होकर अपनी शर्तों पर जीना चाहते हैं। वे अपने निजी स्पेस व हकों की रक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हैं। हमारे संविधान निर्माताओं ने दूर-दृष्टि के साथ अनुच्छेद 19(1)(ए) को शामिल किया, जो हर नागरिक को वाक् और अभिव्यक्ति की

स्वतंत्रता देता है। लेकिन साथ ही अनुच्छेद 19(2) के तहत कुछ न्यायसंगत प्रतिबंध भी जोड़े गए। ये प्रतिबंध देश की संप्रभुता, अखंडता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शिष्टाचार, सदाचार, न्यायालय की अवमानना, मानहानि या अपराध के उकसावे के संदर्भ में लगाए जा सकते हैं। यहीं पर जेन ज़ी की आकांक्षाओं और कानूनी सीमाओं के बीच एक सूक्ष्म बहस शुरू होती है। नई पीढ़ी चाहती है कि अभिव्यक्ति निरंकुश हो, जबकि संविधान देश की सुरक्षा व सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए नियंत्रण की बात करता है। आज की पीढ़ी में 'कैनसेल कल्चर' और 'अनियंत्रित ट्रोलिंग' का दौर भी इसी खुली अभिव्यक्ति की अति से आया, जहां विचारों की जंग अक्सर मर्यादा लांघ जाती है। अभिव्यक्ति की आजादी और व्यक्तिगत अधिकारों के बीच संतुलन को स्पष्ट करने वाले न्यायपालिका के तीन ऐतिहासिक निर्णय बेहद अहम हैं : पहला, श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ (2015), जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आईटी एक्ट की धारा 66ए रद्द कर स्पष्ट किया कि सिर्फ अप्रिय टिप्पणियों के आधार पर गिरफ्तारी नहीं हो सकती जब तक वे हिंसक न हों। दूसरा, के.एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ (2017), जिसके तहत निजता के अधिकार को अनु. 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया गया। तीसरा, अनुराधा भसीन बनाम भारत संघ (2020), जिसमें कोर्ट ने माना कि डिजिटल युग में इंटरनेट पर अनिश्चितकालीन रोक वाक् और अभिव्यक्ति के अधिकार को प्रभावित करती है।

शेल्टन ने लगातार दूसरी बार जीता कनाडियन ओपन, नकाशिमा को हराकर रचा इतिहास

मान्ट्रियल

अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन ब्रैंडन नकाशिमा को 6-3, 7-6(4) से हराकर लगातार दूसरी बार कनाडियन ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया। शेल्टन का यह दूसरा मास्टर्स 1000 खिताब और करियर का सातवां एटीपी खिताब है।

दो अमेरिकी खिलाड़ियों के बीच हुआ यह फाइनल मास्टर्स 1000 स्तर पर 2003 में सिनसिनाटी में एंडी रोडिक और मार्डी फिश के बीच हुए फाइनल के बाद पहला आल-अमेरिकन फाइनल था। यह जीत अमेरिकी पुरुष टेनिस के लिए भी उत्साहजनक संकेत है, क्योंकि यूएस ओपन में 2003 में रोडिक की जीत के बाद से कोई अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी एकल खिताब नहीं जीत सका है।

खराब दौर के बाद शेल्टन की शानदार वापसी

शेल्टन कनाडा पहुंचने से पहले खराब दौर से गुजर रहे थे। वह विंबलडन में पहले दौर में ही बाहर हो गए थे, जबकि फ्रेंच ओपन में उन्हें दूसरे दौर में हार मिली थी। सत्र के पहले चार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में वह सिर्फ एक मुकाबला जीत सके थे।

हालांकि, कनाडा की हार्ड कोर्ट पर शेल्टन ने जबरदस्त वापसी की और पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना खिताब अपने नाम किया।

शेल्टन ने कहा, इस सप्ताह जिस तरह मैंने खेला और बिना एक भी सेट गंवाए इस ड्रा से आगे बढ़ा, यह उस मेहनत को दर्शाता है जो मैं कर रहा हूं। यह मेरी मानसिक मजबूती को भी दर्शाता है।

उन्होंने कहा, यह साल मेरे लिए आसान या सीधा नहीं रहा है। ऐसे प्रदर्शन के साथ अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर खेलना मेरे लिए बेहद खास है। मेरे पास इसे व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं।

पहले सेट में शेल्टन का दबदबा

पांचवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने पहले सेट में नकाशिमा की दूसरी सर्विस को लगातार निशाना बनाया। दोनों खिलाड़ियों ने 3-3 तक अपनी सर्विस बरकरार रखी, लेकिन इसके बाद शेल्टन ने नकाशिमा की दूसरी सर्विस पर शानदार फोरहैंड रिटर्न लगाकर 4-3 की बढ़त बना ली।

इसके बाद उन्होंने नकाशिमा की कमजोर होती फोरहैंड का फायदा उठाते हुए फिर ब्रेक हासिल किया और पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया।

टाईब्रेक में नकाशिमा को पछाड़ा

पहली बार मास्टर्स 1000 फाइनल खेल रहे नकाशिमा ने दूसरे सेट में वापसी की कोशिश की और शेल्टन को टाईब्रेक तक ले गए। हालांकि, शेल्टन ने टाईब्रेक में शुरुआत में ही मिनी ब्रेक हासिल कर बढ़त बना ली। इसके बाद शानदार फोरहैंड विनर के साथ उन्होंने 7-6(4) से सेट और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ शेल्टन 2016 में नोवाक जोकोविच के बाद कनाडियन ओपन का खिताब बिना एक भी सेट गंवाए जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। साथ ही वह 2019 में राफेल नडाल के बाद कनाडियन ओपन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए।

न्यूज ब्रीफ

स्पेन के हर्नांडिज बने नीदलैंड फुटबाल टीम के नये कोच, साल 2030 फीफा विश्व कप तक टीम के साथ रहेंगे

एम्सटर्डम। नीदरलैंड फुटबाल संघ ने रोनाल्ड कोमैन की जगह स्पेन के पूर्व फुटबालर जावी हर्नांडेज को अपनी

फुटबाल टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। हर्नांडेज डच टीम के कोच बनाये गये पहले विदेशी हैं। इसलिए यह नियुक्ति बेहद अहम मानी जा रही है। वह साल 2030 अनुबंध फीफा विश्व कप तक डच टीम के कोच बने रहेंगे। कोच बनाये जाने से उत्साहित हर्नांडेज ने खुशी जताते हुए कहा, , नीदरलैंड की नेशनल टीम का मुख्य कोच बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। उन्होंने अपने करियर के दैरान डच फुटबाल के साथ अपने गहरे संबंध के बारे में भी बताया। नये कोच ने कहाकि एफसी बार्सिलोना एकेडमी में रहने और जोहान क्रूफ तथा रिनस मिशेल्स जैसे डच दिग्गजों से मिली सीख के कारण, वह डच फुटबाल से एक विशेष संबंध महसूस करते हैं। उन्होंने यहां तक कहा, आप कह सकते हैं कि मैं एक तरह से डच फुटबाल का ही एक बेटा हूं। उन्होंने लुइस वैन गाल, जिनके नेतृत्व में उन्होंने बार्सिलोना में अपना डेब्यू किया, और फ्रैंक रिजकार्ड जैसे अन्य महान कोचों को भी याद किय, जिन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी और एक कोच, दोनों के तौर पर बेहतर बनाया। जावी ने अपनी टीम के लिए अपनी योजनाओं का भी खुलासा किया, जिसमें स्थानीय ज्ञान को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा, हमारा इरादा एक ऐसा कोचिंग स्टाफ बनाने का है जिसमें डच लोग भी शामिल हो। गौरतलब है कि एक खिलाड़ी के तौर पर, जावी को फुटबाल की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर्स में से एक माना जाता है। वह 2010 में फीफा विश्व कप जीतने वाली स्पेन टीम के अभिन्न अंग थे, जहाँ उन्होंने अपनी असाधारण पासिंग रेंज और खेल को नियंत्रित करने की क्षमता का प्रदर्शन किया। दिग्गज क्लब बार्सिलोना के लिए उन्होंने कुल 17 सीजन खेले और अपने क्लब करियर में भी उन्होंने अपार सफलता हासिल की जावी को कोचिंग का भी अच्छा अनुभव है।

पाक के अरशद नदीम लुसाने डायमंड लीग में नहीं उतरेंगे, विश्व एथलेटिक्स और एशियाई खेलों की तैयारी के लिए दक्षिण अफ्रीका जाएंगे

लाहौर। पाकिस्तान के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम 21 अगस्त को स्विटजरलैंड के लुसाने में आयोजित होने वाली डायमंड लीग में नजर नहीं आयेंगे। अरशद ने इस लीग से अपना नाम वापस ले लिया है। अरशद ने ये फैसला आगामी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए अपनी तैयारियों पर ध्यान देने के लिए लिया है। अरशद का कहना है कि वह अब दक्षिण अफ्रीका में एक विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेकर अपनी शारीरिक और तकनीकी क्षमताओं को बेहतर बनाने पर काम करेंगे। यह कदम उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य इन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में बेहतरीन प्रदर्शन कर पाकिस्तान को जीत दिलाना है। नदीम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता हैं। अभी वह लाहौर में अभ्यास कर रहे हैं। उनके कोच रहे सलमान बट ने भी कहा है कि अरशद जल्द ही दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होंगे।

रियल मैड्रिड से खेलेंगे कार्लोस

मैड्रिड। स्पेन के शीर्ष फुटबाल क्लब रियल मैड्रिड ने लेवांते के युवा स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को अपने साथ

जोड़ा है। रियल मैड्रिड ने एस्पी को करीब 25 मिलियन यूरो की मोटी रकम देकर खरीदा है। ऐसे में अब अगल सत्र से कार्लोस रियल की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। रियल ने कहा कि कि कार्लोस अगले पांच साल तक उसके पास ही रहेंगे। इसके तहत ये फुटबालर जून, 2031 तक रियल की ओर से खेलेगा। गौरतलब है कि रियल मैड्रिड में आने से पहले कार्लोस ने लेवांते की ओर से तीन सत्र खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 66 मैचों में 20 गोल दागे हैं। उनका पिछला सीजन विशेष रूप से अच्छा रहा। इस दौरान उन्होंने 27 मैचों में 13 गोल किये। उन्हें पिछले सीजन में लीग का सर्वश्रेष्ठ अंडर-23 खिलाड़ी भी चुना गया था। कार्लोस के इन गोलों के कारण ही लेवांते को निचली लीग में जाने से बचा था। सत्र सीजन के आखिरी हफ्तों में उनके प्रदर्शन ने टीम को मजबूती मिली थी। इस स्ट्राइकर को अपनी टीम में शामिल करने के लिए स्पेनिश ला लीगा के क्लब विल्लारियल और इंग्लैंड की प्रीमियर लीग के साथ् ही कई बड़े क्लबों ने भी रुचि दिखायी थी। रियल मैड्रिड ने हालांकि इस दौड़ में बाजी मार ली। लेवांते ने संभावित चोट के खतरे को कम करने के लिए प्री-सत्र फ्रेंडली मैचों से बाहर रखा था।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप : सिंधु-लक्ष्य के सामने चुनौती, सात्विक-चिराग को बाई

नई दिल्ली

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के 30वें संस्करण का आयोजन 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में किया जाएगा। 2009 के बाद पहली बार भारत इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल—इन पांच वर्गों में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी विश्व खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे।

17 अगस्त से शुरू होगा मुकाबला

17 अगस्त से शुरू हो रहे प्रतियोगिता के मुकाबले शुरू होंगे और रविवार, 23 अगस्त को खिताबी मुकाबलों के साथ चैंपियनशिप का समापन होगा।

पुरुष एकल में आयुष शेट्टी के सामने बड़ी चुनौती

भारत के आयुष शेट्टी को पहले ही दौर में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष का सामना मौजूदा चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यू ची से होगा।

वहीं, 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन अपने अभियान की शुरुआत आस्ट्रिया के कालिन्स वैलेंटाइन फिलिमोन के खिलाफ करेंगे। शुरुआती मुकाबला जीतने पर अगले दौर में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न से हो सकता है।

सिंधु के लिए शुरुआती दौर में आसान राह

महिला एकल में भारत की स्टार खिलाड़ी और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की सोफिया नोबल के खिलाफ करेंगी, जो विश्व रैंकिंग में 141वें स्थान पर हैं। सिंधु को शुरुआती दौर में विश्व नंबर एक एन से यंग और मौजूदा चैंपियन अकाने यामागुची का सामना नहीं करना पड़ेगा। हालांकि, ड्रा के अनुसार प्री-क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी से हो सकती है। क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वारदानी संभावित प्रतिद्वंद्वी हो सकती हैं।

सात्विक-चिराग को पहले दौर में बाई

पुरुष युगल में भारत की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पहले दौर में बाई मिली है।

भारतीय जोड़ी का सामना अलेक्जेंडर डन/एडम प्रिंगल (स्काटलैंड) और चालोएमपोन चारोनकिटामोर्न/वोरापोल थोंगसा-ंगा (थाईलैंड) की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

सात्विक-चिराग के लिए पहली बड़ी चुनौती इंडोनेशिया की 12वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी रेमंड इंद्रा और निकोलस जोआक्विन के रूप में सामने आ सकती है। घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच भारतीय खिलाड़ियों की नजरें इस बार विश्व चैंपियनशिप में मजबूत प्रदर्शन और पदक पर रहेंगी।

टूर्नामेंट कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार):

- 17 अगस्त, सोमवार: पहले दौर के मुकाबले — सुबह 9 बजे
- 18 अगस्त, मंगलवार: पहले/दूसरे दौर के मुकाबले — सुबह 9 बजे
- 19 अगस्त, बुधवार: दूसरे दौर के मुकाबले — सुबह 9 बजे
- 20 अगस्त, गुरुवार: प्री-क्वार्टर फाइनल — सुबह 10:30 बजे
- 21 अगस्त, शुक्रवार: क्वार्टर फाइनल — सुबह 10:30 बजे
- 22 अगस्त, शनिवार: सेमीफाइनल — सुबह 10:30 बजे
- 23 अगस्त, रविवार: फाइनल — दोपहर 1 बजे।

डीपीएलः आखिरी ओवर में पलटा मैच, पुरानी दिल्ली 6 ने नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को 4 विकेट से हराया

नई दिल्ली

पुरानी दिल्ली 6 ने शानदार जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को रोमांचक मुकाबले में चार विकेट से हरा दिया। पुरानी दिल्ली 6 ने 187 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को आखिरी ओवर में हासिल कर मुकाबला अपने नाम किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने कप्तान सार्थक रंजन और यश भाटिया के शानदार अर्धशतकों की बदौलत 20 ओवर में 186 रन बनाए। टीम की शुरुआत संभली हुई रही। रंजन और वैभव कंडपाल ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। कंडपाल 11 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद यश भाटिया क्रीज पर आए।

रंजन और भाटिया ने इसके बाद पारी को संभालते हुए दूसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। रंजन ने शानदार फार्म जारी रखते हुए 37 गेंदों पर 59 रन बनाए, जबकि भाटिया ने भी 41 गेंदों में 59 रन की पारी खेली। अंतिम ओवरों में यश डबास ने 22 गेंदों पर 36 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम का स्कोर 186/6 तक पहुंचाया।

53 रन पर चार विकेट गंवाकर मुश्किल में थी पुरानी दिल्ली

187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुरानी दिल्ली 6 की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम 53 रन पर चार विकेट गंवाकर मुश्किल में फंस गई। इसके बाद अश्विनी चिल्लर और ललित यादव ने शानदार वापसी कराई।

दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 105 रन की बेहतरीन साझेदारी कर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। ललित यादव ने 41 गेंदों पर 64 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उनके आउट होने के बाद भी चिल्लर ने मोर्चा संभाले रखा।

आखिरी ओवर में पंकज जसवाल ने मचाया धमाल

चिल्लर का साथ देने रोहन राठी आए और दोनों ने लक्ष्य को आखिरी ओवर में सात रन तक ला दिया। हालांकि चिल्लर 36 गेंदों पर 45 रन की जुझारू पारी खेलकर आउट हो गए और मुकाबला फिर रोमांचक हो गया।

इसके बाद दबाव भरे क्षणों में पंकज जसवाल ने कमाल कर दिया। उन्होंने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा और अगली गेंद पर भी गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाकर पुरानी दिल्ली 6 को यादगार जीत दिला दी।

इस तरह पुरानी दिल्ली 6 ने 53/4 की मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए 187 रन का लक्ष्य हासिल किया और नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के हाथ से जीत छीन ली।

भारत-श्रीलंका मैच पर बारिश का साया मंडराया

गाल। यहां शनिवार से भारत और श्रीलंका के बीच शुरु हे रही पहले क्रिकेट टेस्ट मैच पर बारिश का साया मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को यहां बारिश की 80 फीसदी संभावनाए हैं। ऐसे में प्रशंसकों के रोमांचक क्रिकेट देखने की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को मैदान पर उतरते ही एक नया रिकार्ड बनाएगी। भारतीय टीम इस मैच में उतरते ही अपना 600वां टेस्ट मैच खेलने खेलने का रिकार्ड बनाएगी। भारतीय टीम अगर से मैच जीती तो वह सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने के मामले में वेस्टइंडीज के बराबर पहुंच जाएगी। भारतीय टीम ने अबतक श्रीलंका के खिलाफ कुल 46 टेस्ट खेले हैं, जिनमें उसे 22 में जीत और 7 में हार मिली है, जबकि 17 मैच बराबरी पर समाप्त हुए हैं। श्रीलंकाई धरती पर भारतीय टीम ने 24 में से 9 मुकाबले जीते हैं जबकि 7 में वह हारी है। 8 मैच ड्रा रहे हैं। इस दौरे पर भारतीय बल्लेबाजों के सामने सबसे बड़ी चुनौती श्रीलंकाई स्पिनरों का सामना करना रहेगा। गाल की पिच पारंपरिक रूप से स्पिन गेंदबाजों की मददगार रही है, जहां पिछले 49 मैचों में 68 फीसदी विकेट स्पिनरों को मिले हैं।

फीबा अंडर-18 एशिया कप : आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड फिलीपींस और बहरीन की जीत से शुरुआत

अहमदाबाद

गत चैंपियन आस्ट्रेलिया ने अंतरराष्ट्रीय बास्केटबाल महासंघ (फीबा) अंडर-18 एशिया कप 2026 में धमाकेदार अंदाज में अपने अभियान की शुरुआत की। वीर सावरकर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में खेले गए मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने थाईलैंड को 102-32 से करारी शिकस्त दी। आस्ट्रेलिया के लिए याह्या बसरान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 अंक बनाए। वहीं, थाईलैंड की ओर से अपिराच बूनस्रांग ने सर्वाधिक सात अंक जुटाए।

फिलीपींस ने चीनी ताइपे को रोमांचक मुकाबले में हराया – दिन के दूसरे मुकाबले में फिलीपींस ने चीनी ताइपे को बेहद रोमांचक मुकाबले में 89-88 से हराया। फिलीपींस ने दूसरे क्वार्टर की समाप्ति तक 53-29 की मजबूत बढ़त बना ली थी, लेकिन चीनी ताइपे ने अंतिम दो क्वार्टर में जोरदार वापसी करते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया। हालांकि, वह एक अंक से जीत से चूक गया।

चीनी ताइपे के जिया-हान हुआंग ने 28 अंक के साथ मैच में सर्वाधिक स्कोर किया। फिलीपींस के लिए जान बेनेट कैगुरुंगन ने 22 अंक बनाए। लियू टिंग-कुआन और हुआंग जिया-हान ने भी क्रमश: 21 और 15 अंक का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड ने सीरिया की चुनौती को किया पार – न्यूजीलैंड को सीरिया के खिलाफ 67-58 की जीत दर्ज करने के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। जैक्सन बाल ने न्यूजीलैंड के लिए 19 अंक बनाए, जबकि अराना राबर्टसन ने 11 अंक का योगदान दिया। दोनों खिलाड़ियों ने चौथे क्वार्टर में टीम को संभाला, जब सीरिया ने 60-45 के अंतर से पिछड़ने के बाद वापसी की कोशिश की।

सीरिया की ओर से तैम अलदस्सौकी ने 15 अंक बनाए, जबकि मजाक मजाक ने 11 अंक और सात रिबाउंड का योगदान दिया।

बहरीन ने लेबनान को 74-68 से हराया – एक अन्य मुकाबले में बहरीन ने लेबनान को 74-68 से शिकस्त दी। हसन अब्दुलकादिर और महदी हबीब ने बहरीन के लिए 19-19 अंक बनाए।

लेबनान ने कई बार वापसी करते हुए बहरीन की बढ़त को एकल अंक तक सीमित किया, लेकिन बहरीन ने अंत में मुकाबला अपने नाम कर लिया। लेबनान के जानी सावमा ने सर्वाधिक 27 अंक बनाए, जबकि जेफरी खैरल्लाह ने 14 अंक जुटाए।

भारत में 22 साल बाद वापसी कर रहे इस टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार समूहों में बांटा गया है। प्रतियोगिता का समापन 23 अगस्त को होगा। टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमें 2027 फीबा अंडर-19 बास्केटबाल विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी, जिसका आयोजन 26 जून से 4 जुलाई 2027 तक चेकिया के पारदुबित्से में होगा।

झारखंड की शिल्पा कुमारी ने देखा ओलंपिक पदक का सपना, नीरज बने प्रेरणा

नई दिल्ली

नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में 87 मीटर से अधिक दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता तो उन्होंने सिर्फ इतिहास ही नहीं रचा, बल्कि भारतीय एथलेटिक्स में भाला फेंक के खेल को लेकर एक नई क्रांति भी पैदा कर दी। उनकी सफलता से प्रेरित होकर देश में कई युवा भाला फेंक खिलाड़ी उभरे हैं।

अब झारखंड की 17 वर्ष से कम आयु वर्ग की राष्ट्रीय रिकार्डधारी शिल्पा कुमारी महिला भाला फेंक में भारत की नई उम्मीद बनकर सामने आई हैं।

झारखंड के जनजातीय जिले गुमला के एक दूरदराज गांव से आने वाली शिल्पा किसान परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने शुरुआती प्रशिक्षण भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के रांची केंद्र में लिया और वर्तमान में महिला अंडर-17 भाला फेंक की राष्ट्रीय रिकार्डधारी हैं।

गांव की चौपाल में देखा नीरज का स्वर्ण – शिल्पा के लिए नीरज चोपड़ा की टोक्यो ओलंपिक की सफलता जीवन बदल देने वाला क्षण साबित हुई। उन्होंने अपने गांव की चौपाल में पड़ोसियों के साथ टेलीविजन पर नीरज को स्वर्ण पदक जीतते हुए देखा था।

शिल्पा ने साई मीडिया से बातचीत में कहा, मैंने ओलंपिक में नीरज चोपड़ा को स्वर्ण पदक जीतते हुए देखा। इससे मुझे भाला फेंकने का खेल अपनाने की प्रेरणा मिली। मैं नीरज सर की तरह बनना चाहती हूं और ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं।

उन्होंने कहा, जब मैंने अपने गांव के लोगों को नीरज चोपड़ा की जीत का जश्न मनाते हुए देखा, तभी मैंने तय कर लिया कि भाला फेंक में ओलंपिक पदक

जीतना ही मेरी जिंदगी का लक्ष्य होगा।

साई केंद्र में मिली नई राह

शिल्पा का यह सपना रांची स्थित साई केंद्र में हुए एक एथलेटिक्स ट्रायल के बाद आगे बढ़ा। उनके कोच बिनोद सिंह को तीन साल पहले इसी ट्रायल के दौरान उनकी प्रतिभा का पता चला।

बिनोद सिंह ने कहा, जब मैंने तीन साल पहले हमारे साई केंद्र में एक ट्रायल के दौरान उसे पहली बार देखा, तो उसकी प्राकृतिक प्रतिभा ने मुझे प्रभावित किया। उस समय वह इस खेल में बिल्कुल नई थी लेकिन मैंने उसकी बेहद मजबूत थ्रो करने की क्षमता को देखते हुए उसका चयन किया। मैं उसकी क्षमता देख सकता था और मुझे लगा कि वह भविष्य के लिए बहुत अच्छी प्रतिभा है।

उन्होंने कहा, रांची के साई केंद्र में प्रशिक्षण शुरू करने के बाद शिल्पा ने शानदार प्रगति दिखाई। उसने बहुत तेजी से सुधार किया और अब वह महिला भाला फेंक में भारत की सबसे प्रतिभाशाली उभरती खिलाड़ियों में से एक है।

कोच ने शिल्पा के परिवार की आर्थिक स्थिति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, उसके माता-पिता किसान हैं और उनके पास शिल्पा के खेल करियर के लिए जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के पर्याप्त साधन नहीं हैं। साई की ओर से उपलब्ध कराई गई सुविधाओं, प्रशिक्षण, उपकरण, आहार आदि ने एक अनगढ़ प्रतिभा को चमकते हीरे में बदलने में मेरी मदद की है।

55.62 मीटर की थ्रो से सुर्खियों में आईं – साई में प्रशिक्षण का परिणाम 2025 में देखने को मिला, जब शिल्पा ने 69वें राष्ट्रीय स्कूल खेलों में 55.62 मीटर की थ्रो के साथ महिला अंडर-17 का नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया।

उनका 55.62 मीटर का प्रदर्शन भारत के अंडर-18 राष्ट्रीय रिकार्ड 55.19 मीटर से भी बेहतर था। यह रिकार्ड 2023 में हरियाणा की दीपिका ने बनाया था। हालांकि, एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया (एएफआई) ने शिल्पा की इस थ्रो को आधिकारिक रिकार्ड के रूप में मान्यता नहीं दी, क्योंकि यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त प्रतियोगिता नहीं थी।

शिल्पा का आधिकारिक व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2025 जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में आया, जहां उन्होंने 45.90 मीटर की थ्रो के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। यह उनके पिछले आधिकारिक प्रदर्शन से करीब 10 मीटर का सुधार था।

देश के ज्यादातर हिस्सों में सस्ता हुआ सोना, चेन्नई में सोने के भाव में मामूली तेजी का रुख

नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना सस्ता हुआ है, जबकि चेन्नई में सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली तेजी आ गई है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गई है।

कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,590 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,40,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,53,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,53,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,53,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

इक्विटी डेरिवेटिव्स में छोटे ट्रेडर्स को 9.6 अरब डालर का नुकसान, निवेशकों की संख्या घटी, पर बाजार में हिस्सेदारी बढ़ी चुनौती

नई दिल्ली। भारत में छोटे निवेशकों को फ्यूचर्स एंड आप्शंस (एफएंडओ) कारोबार में लगातार भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, जबकि बाजार नियामक सेबी ने इसे रोकने के लिए कई सख्त कदम उठाए हैं। सरकार द्वारा संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, मार्च 2026 में समाप्त वित्त वर्ष के दौरान खुदरा निवेशकों ने इक्विटी डेरिवेटिव्स में करीब 91,685 करोड़ रुपये का कुल नुकसान झेला है। यह लगातार पांचवां साल है जब व्यक्तिगत निवेशकों को एफएंडओ में घाटा हुआ है। यह नुकसान पिछले वित्त वर्ष के 1.12 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले कम है, और निवेशकों की संख्या भी 98 लाख से घटकर 80 लाख से कम रह गई है। हालांकि, एनएसई आंकड़ों के अनुसार, कुल ट्रेडिंग में व्यक्तिगत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर 31 फीसदी हो गई है, जो पिछले साल 26 फीसदी थी– एक विरोधाभासी स्थिति। रिटेल निवेशकों को भारी नुकसान से बचाने के लिए सेबी ने डेरिवेटिव्स कान्ट्रैक्ट का आकार बढ़ाने और पोजिशन लिमिट कड़ी करने जैसे कई सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। आरबीआई ने भी प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स के लिए फंडिंग नियम सख्त किए हैं। इन कदमों का असर ट्रेडिंग गतिविधियों पर दिखा है; एनएसई पर फ्यूचर्स और आप्शंस का औसत दैनिक नाशनल टर्नओवर जुलाई में 23 फीसदी घटकर 17 महीनों के निचले स्तर 214 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जिससे बड़े खिलाड़ियों की गतिविधियां भी प्रभावित हुईं।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई राहत नहीं

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त से ठीक एक दिन पहले देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने ईंधन दरों में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है, जिससे उपभोक्ताओं को न तो तत्काल राहत मिली है और न ही नई बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा है। यह स्थिति पिछले कई महीनों से कायम है, जब आखिरी बार कीमतों में मामूली वृद्धि देखी गई थी। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। वहीं आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.21 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। देश के अन्य प्रमुख शहरों जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता में भी पेट्रोल के दाम 110 रुपये प्रति लीटर से ऊपर दर्ज किए गए। हैदराबाद में डीजल भी 103.82 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। दरों की बात करें तो भोपाल में पेट्रोल 114.54 रुपये प्रति लीटर के साथ सबसे महंगा रहा, जबकि कोलकाता में यह 113.51 रुपये और पटना में 113.37 रुपये दर्ज किया गया। जयपुर में पेट्रोल 112.66 रुपये और चेन्नई में 107.74 रुपये प्रति लीटर बिका।

जुलाई में कुल वाहन पंजीकरण की संख्या में शानदार वृद्धि

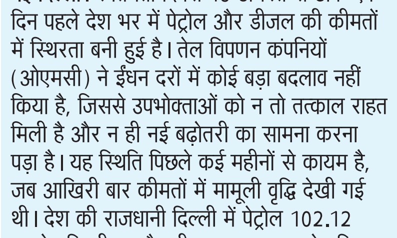

नई दिल्ली। जुलाई 2026 के लिए फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने रिकार्ड–तोड़ वाहन बिक्री के आंकड़े जारी किए हैं। इस बार जुलाई महीने कुल वाहन पंजीकरण में साल–दर–साल 25.89 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। दोपहिया, यात्री वाहन, तिपहिया, वाणिज्यिक वाहन, निर्माण उपकरण और ट्रैक्टर सहित सभी श्रेणियों ने अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ जुलाई महीने की बिक्री दर्ज की। कुल 25,91,138 खुदरा यूनिट्स बिकीं, जो फाडा के रिकार्ड में 12वीं सबसे बड़ी मासिक संख्या है। यात्री वाहनों की बिक्री पहली बार 4 लाख का आंकड़ा पार कर गई, जिसमें ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट का सबसे दिलचस्प पहलू वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता है। जुलाई 2026 में, सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक यात्री कारों की संयुक्त बिक्री 40.59प्रतिशत रही, जो पेट्रोल कारों की 41.68प्रतिशत हिस्सेदारी से केवल 1.09प्रतिशत कम है। यह एक उल्लेखनीय बदलाव है, क्योंकि जुलाई 2025 में यह अंतर 13.21प्रतिशत अंकों का था। फाडा इस बदलाव का श्रेय ई20 मिश्रित पेट्रोल के अनिवार्य रूप से अपनाने के कारण बाजार में उत्पन्न भ्रम और अनिश्चितता को देता है।

एंकर निवेशकों की समय पूर्व निकासी से आईपीओ कीमतों पर दबाव : सेबी

एफपीआई रहे बड़े बिकवाल, 30 दिन की लाक-इन अवधि खत्म होने पर दिखा असर

नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक अध्ययन ने खुलासा किया है कि प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) में एंकर निवेशकों की बिकवाली, खासकर 30 दिन की लाक-इन अवधि समाप्त होने के आसपास, सूचीबद्ध कंपनियों की कीमतों पर महत्वपूर्ण दबाव डालती है। अध्ययन में पाया गया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) इस अवधि में सबसे बड़े बिकवाल रहे, जिससे बाजार में अस्थायी आपूर्ति दबाव बना।

सेबी ने अप्रैल 2022 से अक्टूबर 2025 के बीच सूचीबद्ध हुए 242 मेनबोर्ड आईपीओ के विश्लेषण में पाया कि जहां एंकर निवेशकों ने अपनी 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेची, वहां टी प्लस 29 से टी प्लस 33 के दौरान कीमतों में औसतन 3.5 प्रतिशत और मध्यिका के आधार पर लगभग छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मौजूदा नियमों के तहत एंकर निवेशकों को आवंटित 50 प्रतिशत शेयरों पर 30 दिन और शेष 50 प्रतिशत पर 90 दिन की लाक–इन अवधि होती है।

इस उच्च बिकवाली तीव्रता वाली श्रेणी में एफपीआई ने अपने बड़े आवंटन का औसतन 24.5 प्रतिशत हिस्सा बेचा, जो कारपोरेट (23.1 प्रतिशत) और अन्य योग्य संस्थागत खरीदारों (21.6 प्रतिशत) से अधिक था। हालांकि, 90 दिन की लाक–इन अवधि पूरी होने के बाद यह दबाव काफी हद तक कम हो जाता है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि एंकर निवेशकों की बिकवाली निर्धारित लाक–इन अवधि से आगे तक जारी रहती है।

कुल भारित निकासी टी प्लस 30 पर 3.5 प्रतिशत से बढ़कर टी प्लस 365 तक 50.7 प्रतिशत हो गई, जिससे पता चलता है कि एक साल के भीतर लगभग आधा एंकर आवंटन बेच दिया जाता है।

मूल्य के लिहाज से, एफपीआई ने टी प्लस 365 तक करीब 22,474 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि उनका कुल एंकर आवंटन 37,491 करोड़ रुपये था। इसके अतिरिक्त, छोटे आईपीओ (0–250 करोड़ रुपये) में बिकवाली की तीव्रता अधिक रही, जहां टी+365 तक 72.5 प्रतिशत निकासी दर्ज की गई, जबकि 1,001–2,500 करोड़ रुपये के निर्गम आकार वाले आईपीओ में यह 40.8 प्रतिशत थी। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि एंकर निवेशकों की बिकवाली मुख्य रूप से पहली अनलाक अवधि के आसपास अस्थायी आपूर्ति दबाव पैदा करती है, जिसका असर बाद में घट जाता है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का मुनाफा 80 फीसदी गिरा, पुर्जों की कमी, सप्लायर और जेएलआर के कमजोर प्रदर्शन ने बिगाड़ा खेल

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल–जून) में भारी झटका लगा है। कंपनी का मुनाफा 80 फीसदी से ज्यादा घटकर 775 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 3,924 करोड़ रुपए था। यह भारी गिरावट स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में बाधाओं और प्रीमियम ब्रांड जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) के कमजोर प्रदर्शन के कारण हुई है। अप्रैल–जून तिमाही में टाटा मोटर्स का मुनाफा 3,924 करोड़ रुपए से घटकर महज 775 करोड़ रुपए रह गया, यानी 80 फीसदी से अधिक की गिरावट। कंपनी के लिए यह झटका स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति में रुकावटों, एक बड़े कंपोनेंट सप्लायर के यहां लगी आग और मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष जैसी कई चुनौतियों के कारण लगा। इसके अतिरिक्त, कुछ जगुआर माडल्स का उत्पादन बंद होने से भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा। हालांकि, इस अवधि में कंपनी का आपरेशनल रेवेन्यू 9 फीसदी बढ़कर 95,799 करोड़ रुपए रहा। मुनाफे में गिरावट के बावजूद रेवेन्यू में वृद्धि बताती है कि कंपनी के प्रोडक्ट्स की मांग बनी हुई है, लेकिन परिचालन संबंधी चुनौतियां हावी रहीं।

जुलाई में थोक मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट, 9.78 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली

महंगाई मोर्चे पर आंशिक राहत देते हुए थोक मुद्रास्फीति जुलाई में मामूली रूप से घटकर 9.78 प्रतिशत पर आ गई है। जून में यह 9.87 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सरकार के नए आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों के तहत यह पहली मासिक गिरावट है, जो मुख्य रूप से ईंधन, बिजली और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी के कारण संभव हुई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार ईंधन और बिजली क्षेत्र में थोक मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 20.05 प्रतिशत रह गई, जो जून में 27.41 प्रतिशत थी। इसी तरह खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी जुलाई में 5.49 प्रतिशत से घटकर 5.44 प्रतिशत पर आ गई। इन प्रमुख क्षेत्रों में कीमतों में आई नरमी ने समग्र थोक मुद्रास्फीति को नीचे लाने में मदद की है।

ईंधन-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी ने दी राहत

हालांकि, विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 8.29 प्रतिशत हो गई, जो जून में 7.48 प्रतिशत थी, जिससे पूरी तरह से राहत नहीं मिल पाई। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध के कारण वैश्विक कच्चे तेल तथा उर्वरकों की लागत में वृद्धि का असर अभी भी अर्थव्यवस्था पर बना हुआ है, जिसने चालू वित्त वर्ष 2026–27 की शुरुआत से थोक महंगाई को लगातार बढ़ाया था। यह राहत उस समय आई है जब खुदरा मुद्रास्फीति खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण जुलाई में बढ़कर 4.45 प्रतिशत हो गई है, जो जून में 4.38 प्रतिशत थी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दरों को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। आरबीआई ने अल नीनो की स्थिति और कमजोर मानसून का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2026–27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान पांच प्रतिशत रखा है, जो भविष्य की चुनौतियों का संकेत देता है।

जुलाई में भारत का खाद्य तेल आयात 8 फीसदी गिरा

नई दिल्ली। भारत का खाद्य तेल आयात जुलाई महीने में 8 प्रतिशत घटकर 14.81 लाख टन रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 16.16 लाख टन था। उद्योग निकाय साल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (एसईए) द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। एसईए के अनुसार जुलाई 2026 में भारत का कुल वनस्पति तेल (खाद्य और अखाद्य) आयात भी सालाना आधार पर 7 प्रतिशत घटकर 15.25 लाख टन दर्ज किया गया, जबकि पिछले साल यह 16.48 लाख टन था। हालांकि, तेल वर्ष 2025–26 के पहले नौ महीनों (नवंबर 2025 से जुलाई 2026) में, वनस्पति तेल का कुल आयात 121.50 लाख टन रहा, जो पिछले विपणन वर्ष की समान अवधि के 116.03 लाख टन से अधिक है। इसी अवधि में, खाद्य तेल का कुल आयात भी 5 प्रतिशत बढ़कर 119.23 लाख टन हो गया, जबकि पिछले तेल वर्ष की समान अवधि में यह 113.46 लाख टन था। आयात की प्रवृत्ति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है, जहां परिष्कृत तेल का अनुपात 14 प्रतिशत से घटकर मात्र 4 प्रतिशत रह गया है। इसके विपरीत, कच्चे पाम तेल के आयात में वृद्धि के चलते कच्चे तेल का अनुपात 86 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत हो गया है।

भारत की अमेरिका से 2027 तक 15 फीसदी एलपीजी गैस खरीदने की तैयारी

पश्चिमी एशिया पर निर्भरता कम करने और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने पर जोर

नई दिल्ली

भारत अपनी तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति को पूरी तरह सुरक्षित करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ता के रूप में भारत ने 2027 के वार्षिक अनुबंधों के तहत अमेरिका से अधिक लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस खरीदने के लिए बातचीत शुरू की है। इसका उद्देश्य अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाना और पश्चिम एशिया पर अपनी वर्तमान निर्भरता को कम करना है।

रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने इंडियन आयल कार्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन जैसे राज्य–स्वामित्व वाले रिफाइनरों को 2027 तक भारत के कुल एलपीजी आयात का कम से कम 15 फीसदी अमेरिकी कंपनियों के साथ टर्म कान्ट्रैक्ट के जरिये हासिल करने का निर्देश दिया है। इस साल भारत ने 22 लाख टन का पहला अमेरिकी टर्म सप्लाई अनुबंध किया था, जो उसके कुल आयात का 10 फीसदी था।

तीनों रिफाइनरों के अधिकारी इस समय अमेरिका में आपूर्ति सौदों पर बातचीत कर रहे हैं। एक ओर, यह भारत के आपूर्ति विकल्पों का विस्तार करेगा और पश्चिम एशिया में संभावित व्यवधानों के जोखिम को कम करेगा। दूसरी ओर, यह अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम करने में भी मदद करेगा, जो नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच लंबित व्यापार समझौते के लिए महत्वपूर्ण है।

हारमुज स्ट्रेट पर तनाव और अमेरिका–ईरान वार्ता में गतिरोध के कारण भारत के एलपीजी आपूर्ति दृष्टिकोण पर लगातार दबाव बना हुआ है।

पिछले महीने एलपीजी की खपत में 16 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, जिससे घरों और उद्योगों को वैकल्पिक ईंधन की ओर स्विच करना पड़ा। अमेरिका पहले ही भारत का शीर्ष एलपीजी सप्लायर बन चुका है, इस साल अगस्त तक शिपमेंट रिकार्ड 39 लाख टन तक पहुंच गया था। तीनों सरकारी रिफाइनर अब संभावित सप्लायरों का मूल्यांकन करने के बाद यूएस एलपीजी के लिए एक संयुक्त टेंडर जारी करने की योजना बना रहे हैं। अमेरिकी टर्म सप्लाई में प्रस्तावित बढ़ोतरी से भारत को रसोई गैस का व्यापक स्रोत मिल सकता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी सामान्य तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

टेक शेयरों में हुई जोरदार खरीदारी के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,798.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 214.54 अंक यानी 0.81 प्रतिशत उछल कर 26,803.03 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 53,878.09 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 60.48 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,772.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,650.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.12 प्रतिशत टूट कर 26,299.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला–जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.26 प्रतिशत लुढ़क कर 24,397 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत फिसल कर 3,918.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 237.51 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,159 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 6,286.63 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 368.41 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 68,677 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 1,619.11 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में अच्छी तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 107.52 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की उछाल के साथ 6,920.86 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 131.61 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,153.09 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 5,721.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 15 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज के बैंक्वेट हॉल में आयोजित हुई श्री सत्यनारायण भगवान कथा

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के पैराडाइस के समीप सिकंदराबाद स्थित बैंक्वेट हॉल में श्री सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समाज के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्याह्न 1:01 बजे वेदमूर्ति आचार्य पंडित विशेष जी ने उपस्थित भक्तों को श्री सत्यनारायण भगवान की पावन कथा का रसपान करवाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेन्द्र कुमार गोयल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती लीला देवी गोयल द्वारा सभी देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न करवाई गई। साथ ही सभी अग्रबंधुओं के पितृ देवता एवं अग्रकुल प्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेन जी की भी पूजा की गई।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि सिकंदराबाद स्थित इस बैंक्वेट हॉल में विवाह, जलवा, जन्मदिन, बैठक एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। बैंक्वेट हॉल के साथ पार्किंग की भी सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में बैंक्वेट हॉल का संचालन इसके चेयरमैन श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (चिमनलाल सुरेश कुमार) द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पूर्व ट्रस्टी बनाना बंद कर दिया गया था, लेकिन अनेक अग्रबंधुओं के आग्रह पर पुनः ट्रस्टी बनाना आरंभ किया गया है। ट्रस्टी बनने तथा बैंक्वेट हॉल की बुकिंग एवं अन्य जानकारी के लिए बैंक्वेट हॉल के चेयरमैन श्री सुरेश कुमार अग्रवाल अथवा अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेन्द्र कुमार गोयल से संपर्क किया जा सकता है। यह बैंक्वेट हॉल पूर्ण रूप से वातानुकूलित है तथा यहां करीब 500 से अधिक व्यक्तियों के बैठने एवं भोजन करने की व्यवस्था उपलब्ध है। श्री सत्यनारायण भगवान की कथा में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेन्द्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरि गोविंद प्रसाद अग्रवाल, मंत्री डॉ. सीमा जैन, सहमंत्री प्रतीक नर्सरिया, कोषाध्यक्ष सीए राज गोपाल अग्रवाल, बैंक्वेट हॉल के चेयरमैन श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (चिमनलाल सुरेश कुमार), परामर्शदाता श्री सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, राजेश कुमार अग्रवाल (पंच बसई वाले), परामर्श फोरम के श्री संदीप पटवारी, सभी ज़ोन एवं जिला के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन, चेयरमैन डॉ. अशोक केडिया, पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पसारी, पूर्व उपाध्यक्ष मुकुंद लाल अग्रवाल, उत्तर ज़ोन चेयरमैन सुनील चोखानी, उप चेयरमैन अशोक चोखानी, पश्चिम ज़ोन के उप चेयरमैन उमाशंकर अग्रवाल, सुमन गुप्ता, चेयरमैन गोपाल अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, सतीश सरायवाला, दिनेश मोदी तथा सदस्यगण में सतीश अग्रवाल, जनार्दन सुरेखा, डॉ. सरिता गर्ग, रेखा अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, रानी मित्तल एवं अनेक सदस्यगण उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्री सत्यनारायण भगवान की कथा का श्रवण कर धार्मिक एवं आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

सीरवी समाज शमशाबाद बडेर की तीनों समितियों के वर्ष 2026-29 के चुनाव संपन्न

समाज के भाई-बंधुओं एवं मातृशक्ति की उपस्थिति में संपन्न हुई चुनाव प्रक्रिया

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज शमशाबाद बडेर की कार्यकारिणी समिति, शिक्षा समिति एवं महिला मंडल के वर्ष 2026-29 के लिए चुनाव संपन्न हो गए। चुनाव अधिकारी हरजीराम काग एवं रतनलाल बर्फा की देखरेख में तीनों समितियों के चुनाव कराए गए।

प्रेस विज्ञप्ति में वर्तमान अध्यक्ष आसाराम गेहलोत एवं सचिव भोलाराम पंवार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें नई तीनों समितियों का गठन किया गया।

कार्यकारिणी समिति में अध्यक्ष भूराराम परिहार, उपाध्यक्ष प्रथम जगदीश काग, उपाध्यक्ष द्वितीय बगदाराम परिहार, उपाध्यक्ष तृतीय धर्माराम काग, सचिव हरिराम परिहारिया, सहसचिव नरेश परिहार, कोषाध्यक्ष राजूराम परिहार, सहकोषाध्यक्ष राजू परिहार, प्रचार मंत्री प्रकाश गेहलोत नियुक्त किए गए।

सलाहकार मंडल में भोलाराम पंवार, केसराराम काग, रतनलाल बर्फा, पुखराज पंवार, चेलाराम काग एवं भंवरलाल आगलेचा शामिल हैं।

सदस्यों में आसाराम गेहलोत, तेजाराम चोयल, हेमाराम काग, रूपाराम गेहलोत, जगदीश पंवार, सुरेश गेहलोत, बाबूलाल गेहलोत, अशोक सैंणचा, सुरेश परिहार, तेजाराम पंवार, सुखलाल बर्फा एवं राजूराम हाम्बड़ शामिल हैं।मनोनीत सदस्यों के रूप में गणपत काग एवं रमेश पंवार को शामिल किया गया है।शिक्षा समिति के लिए अध्यक्ष भीकाराम काग, उपाध्यक्ष प्रथम लुंबाराम मूलेवा, उपाध्यक्ष द्वितीय रमेश काग, सचिव सोहनलाल बर्फा, सहसचिव छोटाराम परिहारिया, कोषाध्यक्ष भगाराम मूलेवा, सहकोषाध्यक्ष दीपाराम परिहार, खेल मंत्री प्रथम प्रकाश सोलंकी, खेल मंत्री द्वितीय रतनलाल चोयल एवं मीडिया प्रभारी प्रकाश परिहार नियुक्त किए गए।

समिति के सदस्यों में नरेन्द्र काग, मल्लाराम लेरचा, नेमीचंद काग, धर्माराम बर्फा, रतनलाल परिहार, खीवाराम गेहलोत, मोहनलाल काग, जयराम सोलंकी, ललित गेहलोत एवं हरजीराम हाम्बड़ शामिल हैं।

महिला मंडल की अध्यक्षा संतोष देवी परिहार चुनी गईं। उपाध्यक्षा प्रथम पिंकी देवी काग, उपाध्यक्षा द्वितीय परमा देवी लेरचा, सचिव कमला देवी पंवार, सहसचिव लीला देवी हाम्बड़, कोषाध्यक्ष गणकी देवी राठौड़ एवं सहकोषाध्यक्ष पिंकी देवी पंवार नियुक्त की गईं।

सांस्कृतिक मंत्री प्रथम झमकु देवी मूलेवा एवं सांस्कृतिक मंत्री द्वितीय मंजू देवी परिहार को बनाया गया। मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी अनिता काग को सौंपी गई। महिला मंडल के सदस्यों में भारती परिहारिया, निरमा देवी हाम्बड़, श्यामा देवी काग, संतोष देवी काग, संतोष देवी हाम्बड़, सुमन देवी गेहलोत, धापू देवी गेहलोत, सुमित्रा देवी सैंणचा, प्रिया देवी गेहलोत, पानी देवी हाम्बड़ एवं भंवरी देवी काग शामिल हैं।

सलाहकार मंडल में पारी देवी काग, तीजा देवी गेहलोत, गंगा देवी काग, सुशीला देवी काग, इंदिरा देवी पंवार एवं नर्मदा देवी बर्फा को शामिल किया गया है। वहीं मनोनीत सदस्यों के रूप में चंपा देवी परिहार एवं पूजा काग को शामिल किया गया।

चुनाव एवं नई समितियों के गठन के अवसर पर समाज के अन्य बडेरों से भी अतिथि उपस्थित रहे। सादनगर बडेर से कैलाश बर्फा एवं भंवरलाल, कर्मनघाट बडेर से मगाराम परिहार, धर्म प्रचारक दीपाराम काग तथा पारसीगुट्टा बडेर से लाबूराम एवं खंगार सिंह उपस्थित थे।समाज के सभी भाई-बंधुओं एवं माताओं-बहनों की महती उपस्थिति में नई कार्यकारिणी समिति, शिक्षा समिति एवं महिला मंडल का गठन संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी ने नवनिर्वाचित एवं मनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाज के विकास, शिक्षा, संगठन और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की।

अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा की सावन की सैर हर्षोल्लास के साथ संपन्न

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा द्वारा आयोजित सावन की सैर सम्राट फार्म हाउस, चिलकुर ग्राम, मोईनाबाद में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुई। शाखा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सावन की सैर में शाखा के लगभग 200 सदस्यों ने भाग लिया।

सावन की सैर के संयोजक श्री राम अवतार गुप्ता ने बताया कि सैर तीन बसों एवं कई कारों द्वारा मलैया टावर, तेजस्वी नगर के पास से प्रारंभ होकर सम्राट फार्म हाउस पहुंची। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम श्री गणेश जी की वंदना एवं महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत सदस्यों ने गिल्ली-डंडा, टेबल टेनिस, शटल कॉक, कैरम बोर्ड, रिंग तथा बॉक्स क्रिकेट मैच का भरपूर आनंद लिया। सुबह से शाम तक बच्चे, युवा और बुजुर्ग स्विमिंग पूल में अठखेलियां और मस्तियां करते रहे।

बॉक्स क्रिकेट की विजेता टीम, उपविजेता टीम तथा शृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। शृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार अक्षय भालवाले को प्राप्त हुआ।

श्रीमती दिव्या पित्ति एवं श्रीमती नंदा अग्रवाल ने मंचीय कार्यक्रमों का संचालन किया।

महिलाओं के लिए महिला नृत्य, रस्साकशी, गायन प्रतियोगिता, आई पर्दा एवं चिरमीयां जैसे मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा बालक-बालिकाओं एवं वरिष्ठ सदस्यों के लिए भी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

खेलों में विजेता रहे सभी बालक-बालिकाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रवेश पत्रों पर आयोजित भाग्यशाली ड्रा में विजेता सदस्यों को मुंगालाल जी पूरनमल जी दलेला परिवार द्वारा चांदी के सिक्के पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए गए।

शाखा के सदस्यों ने दिनभर स्वादिष्ट अल्पाहार, जूस, दोपहर के भोजन, शाम की चाय एवं जलपान तथा रात्रि भोजन का भरपूर आनंद लिया। उपवास रखने वाले सदस्यों के लिए फलाहारी भोजन की विशेष व्यवस्था की गई थी।

दीपक भाई एवं विनय भाई ने अपने मधुर स्वरों में नए एवं पुराने गीत प्रस्तुत कर दिनभर सभी मेहमानों का मनोरंजन किया।

कार्यक्रम में शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष बद्री प्रसाद सरायवाला, उपाध्यक्ष नंदा अग्रवाल, मंत्री अशोक जालान, सहमंत्री अंकुर बंसल, कोषाध्यक्ष प्रीति पोद्दार, केंद्रीय समिति सदस्य हनुमान दास भालवाले, संजय भालवाले, परामर्शदाता मनीष अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य मनोज गोयल, श्याम अग्रवाल, सुनील कुमार संघी, लोकेश पित्ति, अभिषेक, विकास, देवेश, अंजु गोयल सहित शाखा के सभी गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

सावन की सैर के दौरान पूरे दिन उत्साह, उमंग और पारिवारिक सौहार्द का वातावरण बना रहा तथा सभी सदस्यों ने एक-दूसरे के साथ यादगार पल बिताए।

अग्रवाल समाज मैरिज डेटा कमेटी की 50वीं बैठक कल

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मैरिज डेटा कमेटी की 50वीं बैठक रविवार, 16 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक समाज कार्यालय क्रमांक 301, राघवरत्ना टावर, चिराग अली लेन में आयोजित की जाएगी।

एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समाज के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने उक्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन अग्रबंधुओं को अपने बच्चों के लिए योग्य वर अथवा वधू की तलाश है, उनसे अनुरोध है कि वे अपने बच्चों के नवीनतम फोटो एवं जीवन-वृत्त के साथ इस महत्वपूर्ण बैठक में अवश्य पधारें।उन्होंने कहा कि यह बैठक समाज के युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त वैवाहिक संबंध तलाशने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। अग्रबंधु इस अवसर का लाभ उठाकर अपने बच्चों के लिए योग्य रिश्तों की तलाश कर सकते हैं और समाज में वैवाहिक संबंधों को बढ़ावा देने में सहयोग कर सकते हैं।

BOARD OF DIRECTORS
Pramod Kumar Kedia
Chairman
CA. Naveen Kumar Agarwal
Senior Vice Chairman
Suresh Kumar Agarwal
Vice Chairman
Narayan Gupta
Chairman-BoM
DIRECTORS
Narsing Das | Mohan Agarwal | Rajender Prasad Agarwal | Pramod Kumar Agarwal | Gopal Chand Agarwal | Mahesh Kumar Agarwal
Rajesh Kumar Agarwal | Bajrang Prasad Gupta | CA. Pankaj Kumar Agarwal | Pawan Kumar Kedia | Anju Kedia | Apoorva Agarwal
THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
www.agrasenbank.bank.in
info@agrasenbank.bank.in

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन–साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्ची जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 अगस्त 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण ,शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया सायं 05:30 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 03:26 तक
योग : शिव प्रात: 07:08 तक
करण : तैतिल प्रात: 06:04 तक
चन्द्रराशि : सिंह प्रात: 09:35 तक
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मधुश्रवा हरियाली तीज भारतीय स्वतंत्रता दिवस 80 वां , भद्रा रात्रि 05:06 से, चातुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सामूहिक बंजारा तीज उत्सव का शुभारंभ

निजामाबाद (इंदूर), 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में बंजारा समुदाय द्वारा 14 अगस्त से 23 अगस्त 2026 तक सामूहिक बंजारा तीज उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में विभिन्न विभागों के सरकारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी, चिकित्सक, महिलाएं, संविदा एवं बाह्य स्रोत कर्मचारियों, निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, स्वर–ोजगार से जुड़े लोगों, युवाओं, विद्यार्थियों तथा संपूर्ण बंजारा समुदाय की सहभागिता रहेगी।

तीज उत्सव समिति, ओएआई 2026, निजामाबाद के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा जारी सूचना में जय सेवालाल महाराज के आशीर्वाद से निजामाबाद जिले के समस्त गोर बंजारा समाज के बच्चों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय सैनिक संस्था ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सैनिक संस्था, तेलंगाना द्वारा तिरुमलागिरी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ के लिए निःशुल्क चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

यह सेवा शिविर 13 अगस्त 2026 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया। वर्ष 1963 में स्थापित विद्यालय में लगभग 2,700 विद्यार्थी तथा 90 शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य हैं। शिविर के दौरान लगभग 400 विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राज्य अध्यक्ष एवं दक्षिण भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त), दक्षिण भारत महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती अनुराधा राव, गौरव सेनानी गोपू रमण रेड्डी, जो राष्ट्रीय सैनिक संस्था तेलंगाना के आयोजन महासचिव, पीएम जन औषधि केंद्र के प्रबंध निदेशक एवं ओपन एनजीओ के अध्यक्ष हैं, तथा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, तिरुमलागिरी के प्राचार्य के. चंद्रशेखर उपस्थित रहे।

अमावस्या पर अमंगल गोशाला में निःशुल्क औषधि एवं मिनरल मिश्रण का वितरण

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन एवं मातृभूमि डेवलपर्स की संयुक्त पहल, गोवंश के स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष जोर

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गोशाला फेडरेशन एवं मातृभूमि डेवलपर्स के संयुक्त तत्वावधान में अमावस्या के शुभ अवसर पर गोवंश के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए एक सराहनीय पहल की गई। अमंगल स्थित मातृभूमि डेवलपर्स द्वारा संचालित गोशाला में निःशुल्क पशु औषधि, सेंधा लवण एवं खनिज मिश्रण के वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

तेलंगाना गोशाला फेडरेशन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं स्थानीय क्षेत्रों में गोवंश के स्वास्थ्य में सुधार लाना तथा उन्हें पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

इस स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम में फेडरेशन के मानद अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। श्री अग्रवाल ने बताया कि फेडरेशन का मुख्य उद्देश्य राज्यभर में संचालित छोटी गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें समय–समय पर हरसंभव चिकित्सीय एवं पोषण संबंधी सहायता उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर मातृभूमि डेवलपर्स के श्री गोंगले रमेश तथा जाने–माने सिनेमा निर्देशक श्री गुम्माला प्रभाकर राव विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि पशुओं को बीमारियों से बचाने और कुपोषण से मुक्त रखने के लिए खनिज मिश्रण का नियमित सेवन अत्यंत आवश्यक है। अतिथियों ने अपने हाथों से गोशाला में संरक्षित गोवंश के लिए पशु औषधियां, सेंधा लवण एवं पोषक खनिज मिश्रण वितरित किया।

स्थानीय गो–सेवकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल गोवंश का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि समाज में गो–संरक्षण एवं पशु कल्याण के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है।

बशीरबाग में साधु–संतों का सम्मान, निकाली गई भव्य तिरंगा रैली

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बशीरबाग क्षेत्र में साधु–संतों का सम्मान किया गया तथा देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र जी, प्रदेश संयोजक सूर्य नारायण, संयुक्त संयोजक निरंजन जी, सिकंदराबाद प्रभारी मनजीत, सनतनगर मंडल अध्यक्ष नरेश, भाजपा नेता सपना गुप्ता एवं रचना गुप्ता उपस्थित रहीं।इसके अलावा माथुर वैश्य समाज से पूजा, रश्मि, लक्ष्मी एवं अश्विनी ने भी सहभागिता की। सनतनगर के महासचिव सत्यनारायण, मुरली, चिन्मया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।तिरंगा रैली के दौरान देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला। उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश की एकता एवं अखंडता तथा राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। साधु–संतों के सम्मान के साथ आयोजित इस कार्यक्रम ने सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया।

राष्ट्रीय हिंदू परिषद महिला समिति में नई नियुक्तियां

पेद्दापल्ली, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय हिंदू परिषद के पेद्दापल्ली जिला अध्यक्ष जापति राजेश पटेल के सुझाव पर तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष मंडला भूपाल ने पेद्दापल्ली जिला रणचंडी महिला समिति में नई नियुक्तियां की हैं।कन्नम अनुषा को पेद्दापल्ली जिला राष्ट्रीय हिंदू परिषद रणचंडी (महिला अनुभाग) का अध्यक्ष तथा करें अर्चना को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने इन जिम्मेदारियों के लिए राष्ट्रीय हिंदू परिषद के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष मंडला भूपाल एवं पेद्दापल्ली जिला अध्यक्ष जापति राजेश पटेल के प्रति आभार व्यक्त किया।

बेगम बाजार में राधे–राधे ग्रुप ने किया नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया।इस अवसर पर शिव भगवान अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान सेवा परंपरा है। जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं का परिचायक है। राधे–राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्य समाज में सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना को मजबूत कर रहे हैं। कार्यक्रम में अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता करते हुए अन्नदान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

गीत चाँदनी की राष्ट्रीय कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)नगरद्वय की सक्रिय एवं लोकप्रिय काव्य–संस्था 'गीत चाँदनी' द्वारा 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार, 15 अगस्त, 2026 को प्रातः 11:00 बजे संस्था के कार्यालय कवि भवन, अशोक मार्केट, सिद्दिअंबर बाज़ार, हैदराबाद में राष्ट्रीय कवि गोष्ठी एवं राष्ट्र की सुरक्षा में कवियों की भूमिका विषय पर चर्चा–गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं सुप्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती आशा ठाकुर द्वारा कवि भवन परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद मुख्यालय के श्री विनय कुमार सिंह, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), श्री के. एल. श्रीनिवास राव और नितिन चौहान विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएँगे। कार्यक्रम के पश्चात् मिष्ठान एवं जलपान की भी व्यवस्था रहेगी।

तेरापंथ महिला मंडल की संयुक्त सामायिक उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद तेरापंथ महिला मंडल की 25 जून से चल रही सामायिक जोन गतिविधियों के अंतर्गत हिमायतनगर स्थित तेरापंथ भवन में सुंदरी जोन, महावीर जोन एवं समता सामायिक की संयुक्त सम्यक् सामायिक महिला मंडल की अध्यक्ष की उपस्थिति में आयोजित की गई। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में सहमंत्री मीनाक्षी सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक रूप से नवकार महामंत्र के उच्चारण के साथ किया गया। इसके पश्चात पंच परमेष्ठी गीतिका का सामूहिक संगान किया गया। प्रेम संचेती ने उपस्थित सभी बहनों को ध्यान का प्रयोग करवाया। इसके बाद नमिता जी ने सभी बहनों को अखिल भारतीय महिला मंडल एवं हैदराबाद महिला मंडल द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराया। उन्होंने आगामी होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम की भी अत्यंत सुंदर एवं विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर अनेक बहनों ने एसईपी पाठ्यक्रम करने के लिए अपनी सहमति प्रदान की। नमिता जी ने सभी बहनों को नमस्कार महामंत्र के रक्षा कवच का प्रयोग भी बताया।कार्यक्रम के दौरान सभी बहनों को जैन विद्या परीक्षा से जुड़ने की प्रेरणा दी गई। विनीता जी ने बच्चों को ज्ञानशाला में भेजने के लिए प्रेरित किया। वहीं सुमन जी ने सभी बहनों से नियमित रूप से सामायिक में आने का आग्रह किया।सुंदरी एवं रश्मि ने उपस्थित बहनों से प्रेक्षावाहिनी से जुड़ने और उसमें नियमित रूप से सहभागिता करने का अनुरोध किया।इस प्रकार धार्मिक, आध्यात्मिक एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संयुक्त सामायिक संपन्न हुई। कार्यक्रम के अंत में संगठन मंत्री प्रेमजी संचेती ने उपस्थित सभी बहनों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

निराश्रितों को भोजन करवाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य : मनीष गुप्ता

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद एवं निराश्रित जनों को भोजन वितरित कर सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए मनीष गुप्ता ने कहा कि निराश्रित जनों को भोजन करवाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध करवाना मानव सेवा का श्रेष्ठ स्वरूप है। राधे–राधे ग्रुप द्वारा बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से अन्नदान सेवा की जा रही है, जो समाज में सेवा, संस्कार और मानवता की भावना को मजबूत करने का सराहनीय प्रयास है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

अन्नदान केवल किसी की भूख मिटाने का कार्य नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी है। राधे–राधे ग्रुप के सदस्य निरंतर सेवा कार्यों से समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ ही अन्य लोगों को भी सेवा के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

कार्यक्रम में महेश गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, भरत राम गोयल, राम कुमावत, मनीष चिंडालिया, सुरेश सिंघल, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, गोपाल गोयल, कमला देवी कुमावत, जयप्रकाश सारडा, जगन गुप्ता एवं पाबूराम कुमावत सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राष्ट्र की...

लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है और विकास का मार्ग विरासत तथा समावेशन के साथ आगे बढ़ने का मार्ग है।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश की कुल आबादी में 65 प्रतिशत लोगों की आयु 35 वर्ष से कम है और यह युवा आबादी भारत की सबसे मूल्यवान संपदा है। उन्होंने युवाओं को प्रतिभावान और हुनरमंद बताते हुए कहा कि विभिन्न समस्याओं के नवाचारपूर्ण एवं व्यावहारिक समाधान खोजने में उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट दिखाई देती है।

उन्होंने खेल के मैदान से लेकर उद्यम क्षेत्र और अंतरिक्ष तक युवाओं की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यार्थी भारत के भविष्य निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सरकार और समाज का एकजुट रहना आवश्यक है, उसी प्रकार विद्यार्थियों के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा के लिए भी सभी के सम्मिलित प्रयास जरूरी हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक परीक्षाओं में सुधार के लिए सरकार व्यापक कदम उठा रही है। इन सुधारों का उद्देश्य अनुचित साधनों पर पूरी तरह अंकुश लगाना तथा परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित एवं भरोसेमंद बनाना है।

राहुल को ...

शिकायत में इस मामले को सदन की मर्यादा और संसदीय परंपराओं से जुड़ा बताया गया है। वहीं, सांसद संजय जायसवाल ने 29 जुलाई को दिए अपने अलग पत्र में राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर असंसदीय शब्दों के इस्तेमाल का संज्ञान लेने और संसदीय नियमों के तहत उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया।लोकसभा सचिवालय द्वारा राहुल गांधी को भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि वह इस मामले में अपना जवाब अथवा टिप्पणी 28 अगस्त तक प्रस्तुत करें, ताकि मामले को लोकसभा अध्यक्ष के विचारार्थ रखा जा सके। संजय जायसवाल ने अपने नोटिस में कहा कि सार्वजनिक परीक्षाओं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ ऐसी टिप्पणियां कीं, जो कथित तौर पर आपत्तिजनक, अपमानजनक और संसदीय कार्यवाही की स्थापित परंपराओं के अनुरूप नहीं थीं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना संसदीय लोकतंत्र की एक वैध और आवश्यक विशेषता है, लेकिन व्यक्तिगत हमले अथवा ऐसी भाषा का प्रयोग, जो अपमानजनक, मानहानिकारक अथवा असंसदीय हो, सदन की कार्यवाही में स्वीकार्य नहीं हो सकता।

जायसवाल ने लोकसभा के नियम 352 और 353 का भी हवाला दिया। ये नियम चर्चा के दौरान मानहानिकारक अथवा आरोप लगाने वाले बयानों तथा किसी व्यक्ति के आचरण से संबंधित संदर्भों से जुड़े हैं।संजय जायसवाल ने अपने नोटिस में नियम 380, 373, 374 और 374ए का भी उल्लेख किया। इन नियमों के तहत अध्यक्ष असंसदीय शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटाने का आदेश दे सकते हैं तथा अव्यवस्थित आचरण अथवा पीठ के अधिकार की अवहेलना के मामलों में आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने नियम 380 के तहत ऐसी किसी भी टिप्पणी को कार्यवाही से हटाने का अनुरोध किया, जिसे असंसदीय, अपमानजनक अथवा सदन के नियमों और स्थापित परंपराओं का उल्लंघन करने वाला पाया जाए।

नारसिंगी में डिलीवरी विवाद ने लिया खूनी रूप, 28 वर्षीय युवक की हत्या

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रोजी-रोटी के लिए घर से निकला 28 वर्षीय डिलीवरी कर्मचारी मोहम्मद अब्दुल समद गुरुवार रात वापस घर नहीं लौट सका। नारसिंगी थाना क्षेत्र में डिलीवरी को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद कथित रूप से जानलेवा हमले में बदल गया। गंभीर चोटों के कारण कोकापेट निवासी अब्दुल समद की मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, ब्लिंकिट के कार्यस्थल पर अब्दुल समद और उसके सहकर्मी मोहम्मद तुराबुद्दीन उर्फ बब्बन के बीच डिलीवरी से जुड़े मामले को लेकर कहासुनी हुई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर अब्दुल समद के सिर और चेहरे पर लोहे की रॉड या किसी अन्य हथियार से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल समद को जैस्मिन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों के अनुसार, इस हमले से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। यही फुटेज अब पुलिस जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है। नारसिंगी पुलिस फुटेज की जांच करने के साथ घटनास्थल और कार्यस्थल से जुड़े कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है।

मृतक के पिता मोहम्मद शाकिर की शिकायत पर नारसिंगी पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हमले की वास्तविक वजह, इस्तेमाल किए गए हथियार और घटनाक्रम से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

एक डिलीवरी विवाद का इस तरह जानलेवा हिंसा में बदल जाना गंभीर सवाल खड़े करता है। काम पर गया एक 28 वर्षीय युवक अपनी जान गंवा बैठा और उसका परिवार न्याय की प्रतीक्षा में है। अब पुलिस जांच से ही स्पष्ट होगा कि उस रात वास्तव में क्या हुआ ? और घटना के लिए कौन-कौन जिम्मेदार है।

गांजा तस्करों से पुलिसकर्मियों की कथित सांठगांठ, ईगल टीम पर हमला

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर में बालानगर थाना क्षेत्र में गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान ईगल टीम के पुलिसकर्मियों पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। कार्रवाई के बाद गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कुछ पुलिसकर्मियों के साथ कथित संबंधों की जानकारी सामने आने की बात कही जा रही है।

बताया गया कि आंध्र प्रदेश के पडेरू निवासी तीन भाई दुर्गाप्रसाद, कमलाकर और किरण बालानगर के विनायकनगर श्मशान वाटिका के पास मकान में रह रहे थे। आरोप है कि वे वर्ष 2022 से गांजा की आपूर्ति कर रहे थे।

आंध्र प्रदेश-ओडिशा सीमा से गांजा लाकर छोटे-छोटे पैकेट तैयार कर व्हाट्सऐप के जरिए बिक्री किए जाने की बात सामने आई है।

बुधवार रात करीब 2 बजे ईगल टीम ने तीनों भाइयों के घर पहुंचने पर मकान को घेर लिया। आरोप है कि पुलिस टीम को देखकर आरोपियों ने कुत्ते को पुलिसकर्मियों पर छोड़ दिया और स्क्रूड्राइवर से हमला किया। पुलिस ने तीनों को पकड़कर पूछताछ शुरू की।

पूछताछ के दौरान बालानगर थाने से जुड़े कुछ पुलिसकर्मियों के साथ आरोपियों के कथित संपर्क की

जानकारी सामने आने की बात कही जा रही है। यह भी आरोप है कि कार्रवाई से कुछ घंटे पहले पुलिसकर्मी आरोपियों के घर पहुंचे थे और मंगलवार को हुई एक पार्टी में एक एसआई तथा कांस्टेबल के शामिल होने की जानकारी सामने आई।

आरोप यह भी है कि आरोपी पुलिसकर्मियों की निजी पार्टियों के लिए शराब और कैटरिंग की व्यवस्था करते थे। इसके बदले पुलिस कार्रवाई की जानकारी आरोपियों तक पहले पहुंचाए जाने की आशंका जताई गई है। संबंधित एसआई का दो दिन पहले ही बालानगर थाने से तबादला होने की बात भी सामने आई है।

जांच के दौरान आरोपियों के मोबाइल फोन खंगाले जाने पर कथित तौर पर 203 गांजा खरीदारों की जानकारी मिलने की बात कही जा रही है। इनमें से 100 लोगों की जांच में 72 लोगों के पॉजिटिव पाए जाने का दावा किया गया है। हालांकि, इन आंकड़ों और पुलिसकर्मियों की कथित भूमिका की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

मामले में गांजा तस्करी के नेटवर्क के साथ-साथ आरोपियों से कथित रूप से जुड़े पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच किए जाने की बात सामने आई है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट होगी।

कर्नाटक सरकार के मंत्री डॉ. अजय धरम सिंह से भारतीय राजपुताना सेवा संगठन के प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट

बेंगलुरु, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय राजपुताना सेवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक सरकार के लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. अजय धरम सिंह से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार, राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह, राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र सिंह, बेंगलुरु अध्यक्ष सुनील सिंह एवं उत्तरी बेंगलुरु अध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह उपस्थित रहे। संगठन के पदाधिकारियों ने डॉ. अजय धरम सिंह को सम्मानित करते हुए उनके सार्वजनिक एवं सामाजिक योगदान की सराहना की।

डॉ. अजय धरम सिंह कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय एन. धरम सिंह के सुपुत्र हैं। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय एन. धरम सिंह के दामाद चंद्र सिंह, जो बीदर क्षेत्र से विधायक प्रत्याशी हैं, को भी संगठन की ओर से सम्मान एवं शुभकामनाएं दी गईं।मुलाकात के दौरान सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे एवं समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि भारतीय राजपुताना सेवा संगठन का उद्देश्य समाज में एकता, सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना तथा जरूरतमंद लोगों तक सहयोग पहुंचाना है।

प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. अजय धरम सिंह से हुई इस मुलाकात को संगठन के लिए प्रेरणादायक बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं जनसेवा के कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं।

टैंक बंड पर भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी की ओर से हैदराबाद के टैंक बंड पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

यह तिरंगा यात्रा तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर के पास स्थित डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा से शुरू होकर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा तक निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति के नारों के साथ यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भाजपा की ओर से बताया गया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले देशभर में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत इस यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के माध्यम से लोगों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करने का संदेश दिया गया।

यात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी प्रमुख रूप से शामिल हुए। उनके साथ केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार, लोकसभा सांसद ईटेला राजेंद्र और राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

तिरंगा यात्रा में भाजपा के प्रदेश एवं स्थानीय पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख लोगों ने भी भाग लिया। पूरे मार्ग पर देशभक्ति का माहौल नजर आया और कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए।

भाजपा नेताओं ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को याद करना चाहिए।

चारमीनार के पास फर्जी 'रैपिडो ड्राइवर' का दुस्साहस, महिला को ले जाने की कोशिश की घटना ने अदालत ने भेजा जेल

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 14 अगस्त ।

चारमीनार जैसे व्यस्त इलाके में रात के समय एक महिला को कथित तौर पर रैपिडो चालक बनकर रोकने और अपने साथ ले जाने की कोशिश का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए किशनबाग निवासी 27 वर्षीय मिर्जा अहमद बेग को गिरफ्तार किया। अदालत ने आरोपी को सार्वजनिक स्थान पर उपद्रव पैदा करने वाले व्यवहार के मामले में दो दिन के साधारण कारावास और 250 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

घटना रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सिद्धेश्वरी सुगंध चारमीनार के पास ऑटो की तलाश कर रही थीं। इसी दौरान एक व्यक्ति उनके पास पहुंचा और खुद को रैपिडो ड्राइवर बताते हुए उन्हें गंतव्य तक पहुंचाने की पेशकश की। लेकिन वाहन पर उचित नंबर प्लेट नहीं होने से सुगंध को उस पर संदेह हुआ।

सवालों में उलझा कथित ड्राइवर

घटना का पुरा विडियो देखने के लिए QR CODE पर स्कैन करें।

सुगंध ने जब उससे पूछा कि उन्होंने कोई रैपिडो राइड बुक नहीं की है, फिर वह उन्हें लेने कैसे आया, तो स्थिति संदिग्ध हो गई। उन्होंने उससे रैपिडो आईडी दिखाने को कहा। आरोप है कि आईडी प्रस्तुत करने के बजाय वह व्यक्ति मौके पर ही रैपिडो एप डाउनलोड करने लगा। यही हरकत पूरे मामले का सबसे अहम बिंदु बन गई। यदि कोई व्यक्ति वास्तव में अधिकृत रैपिडो चालक है, तो उससे संबंधित पहचान और राइड की जानकारी पहले से उपलब्ध होने की उम्मीद रहती है। मौके पर एप डाउनलोड करने की कोशिश ने महिला के संदेह को और मजबूत कर दिया।

9 अगस्त को सामने आया वीडियो

सिद्धेश्वरी सुगंध ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो 9 अगस्त को सोशल मीडिया पर साझा किया। देखते ही देखते वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया और महिला सुरक्षा के साथ-साथ ऑनलाइन कैब एवं ऑटो सेवाओं की आड़ में लोगों से संपर्क करने वाले अनधिकृत व्यक्तियों को लेकर सवाल उठने लगे।

घटना को धर्म और राजनीति से जोड़ने पर सुगंध ने दिया जवाब

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया के कुछ वर्गों ने घटना को धार्मिक और राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया। सुगंध ने इस तरह की व्याख्या से दूरी बनाते हुए स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी धर्म या राजनीतिक दल को निशाना बनाना नहीं था। उनके लिए सवाल व्यक्ति की पहचान नहीं, बल्कि उसका कथित व्यवहार था।

पुलिस की कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार

मामला सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 27 वर्षीय मिर्जा अहमद बेग को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी किशनबाग का रहने वाला है। मामला अदालत के समक्ष पहुंचने के बाद आरोपी को सार्वजनिक स्थान पर उपद्रव पैदा करने वाले व्यवहार के लिए दो दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई।

अदालत ने जेल की सजा के साथ आरोपी पर 250 रुपये का जुर्माना भी लगाया। इस कार्रवाई से यह संदेश भी गया कि सार्वजनिक स्थानों पर किसी सेवा प्रदाता का नाम लेकर लोगों से संदिग्ध तरीके से संपर्क करना कानून की नजर में गंभीरता से लिया जा सकता है। चारमीनार जैसे भीड़भाड़ वाले पर्यटन क्षेत्र में रात के समय इस तरह की घटना सामने आना सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। ऑनलाइन परिवहन सेवाओं के बढ़ते इस्तेमाल के बीच यात्रियों के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे चालक की पहचान, वाहन का नंबर और ऐप पर दर्ज राइड की जानकारी की पुष्टि किए बिना किसी अज्ञात व्यक्ति के वाहन में सवार न हों। इस पूरे मामले में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो पुलिस कार्रवाई का महत्वपूर्ण आधार बना। हालांकि, किसी भी वायरल वीडियो के आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकालने के बजाय जांच और न्यायालय के निष्कर्ष को ही अंतिम माना जाना चाहिए। फिलहाल मामले में अदालत द्वारा आरोपी को दो दिन के साधारण कारावास और 250 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई जा चुकी है। घटना पर हिंदी समाचार पत्र शुभ लाभ आपको सचेत करने के लिए फिर से एक बार फिर स्पष्ट किया है कि किसी भी ऑनलाइन कैब या ऑटो सेवा का नाम लेना अपने-आप में अधिकृत चालक होने का प्रमाण नहीं है। यात्रियों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा के लिए पहचान और राइड की पुष्टि करना बेहद जरूरी है।

दमरे मुख्यालय में क्षेत्रीय हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 14 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजभाषा हिंदी के प्रोत्साहन एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय में 14 अगस्त 2026 को क्षेत्रीय हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी. खाड़े की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

प्रतियोगिता में दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय सहित विभिन्न मंडलों एवं कारखानों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एम. के. नाग राजू ने प्रश्नोत्तरी संचालक के रूप में प्रतियोगिता का संचालन किया। प्रतियोगिता में राजभाषा नीति, हिंदी भाषा एवं साहित्य, भारतीय संविधान, सामान्य ज्ञान तथा कार्यालयीन हिंदी से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट जानकारी एवं तत्परता का परिचय देते हुए प्रतियोगिता को रोचक एवं ज्ञानवर्धक बनाया।

इस प्रतियोगिता में प्रधान कार्यालय सहित दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र की कुल छह टीमों ने भाग लिया। प्रधान कार्यालय की टीम ने प्रथम स्थान, नांदेड मंडल की टीम ने द्वितीय स्थान तथा लालागुडा कारखाना टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सिकंदराबाद मंडल की टीम को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

मुख्य राजभाषा अधिकारी ने विजेताओं को बधाई देते हुए सभी प्रतिभागियों के उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता की सराहना की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम अब अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दक्षिण मध्य रेलवे का प्रतिनिधित्व करेगी।

अंत में कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने वाले सभी कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
भोलाराम पंवार
सचिव, सीरवी समाज शमशाबाद
राम किराणा स्टोर, कंदुकूर

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
धर्माराम ढाका
प्रदेश अध्यक्ष, तेलंगाना जाट समाज एकता मंच
संस्थापक ट्रस्टी, जाट समाज ट्रस्ट
अल्मासगुडा, हैदराबाद, तेलंगाना
Phone : 90003 10009

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
हरजीराम काग
प्रदेश अध्यक्ष
अखिल भारतीय सीरवी महासभा
तेलंगाना

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
कालुराम काग
अध्यक्ष, सीरवी समाज कोरेमुला
किसान मोर्चा पाली जिला मंत्री
धनलक्ष्मी एस ममता ज्वेलर्स, अन्नोजीगुडा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
तिलायचा सोनाराम कुमावत
प्रदेश अध्यक्ष, कुमावत समाज तेलंगाना
श्री गोविंद एन्टरप्राईजेस, मेन रोड, तुमकुंटा. फोन : 8074085952

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
रमेश G पंवार
उपाध्यक्ष, सीरवी समाज तेलंगाना
पारसीगुट्टा, हैदराबाद.
श्री अंबिका प्लायवुड अंड हार्डवेयर, तिरुमलगिरी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
हंसाराम आगलेचा
पूर्व अध्यक्ष, सीरवी समाज ट्रस्ट
करमनघाट, अलमासगुडा
श्री बाबा रामदेव ट्रेडिंग कंपनी, करमनघाट
Mobile : 9441034958

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
हीरालाल चोयल
सचिव, सीरवी समाज बालाजीनगर
श्री देव एन्टरप्राईजेस, यापराल
SUPERFLO & WATERTEC
Atlaz

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
मांगीलाल सोलंकी
एरिया मेंबर बापुजीनगर सीरवी समाज जीडिमेट्ला
श्री गणेश हार्डवेयर एंड प्लायवुड, बापुजीनगर, बोईनपल्ली

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
मांगीलाल परिहारिया
उपाध्यक्ष : सीरवी समाज शेरीलिंगमपल्ली
श्री राम ट्रेडिंग कंपनी, शॉप नं. 13-132,
आई.डी.ए. बोलाराम, संगारेड्डी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
डायाराम लचेटा
सचिव, सीरवी समाज कोरेमुला
सलाहकार, श्री आईजी गौशाला
श्री गणेश ज्वेलर्स, श्री गणेश एण्ड श्री लक्ष्मी पॉन ब्रोकर्स, उप्पल

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
केसाराम काग
शिक्षा कमेटी अध्यक्ष, सीरवी समाज शमशाबाद
श्री राम किराणा स्टोर, मेन रोड, कडताल

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
नरेश परिहार
सह-सचिव, सीरवी समाज शमशाबाद बड़ेर
भवानी ज्वैलर्स, तुकुगुडा

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
शेषाराम पंवार
एरिया मेंबर
जगतगिरीगुट्टा सीरवी समाज जीडिमेट्ला
धनलक्ष्मी ज्वेलर्स, जगतगिरीगुट्टा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
आशाराम गेहलोत
अध्यक्ष, सीरवी समाज शमशाबाद
गणेश ज्वेलर्स, महेश्वरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
भैराराम काग
समाज सेवी
सुरेश ज्वेलर्स, दूलापल्ली

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
सोहनलाल हाम्बड़
प्रदेश सचिव,
अखिल भारतीय सीरवी महा सभा, तेलंगाना

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
दिनेश सीरवी
सह-सचिव, सीरवी समाज बालाजीनगर
महामंत्री, गौपुत्र सेना मारवाड़
दीपक लाईट हाउस, सैनिकपुरी
Mobile : 9908090701

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
माणकचंद गेहलोत
प्रदेश उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय सीरवी
महासभा तेलंगाना

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
वक्ताराम पंवार
हरीश सीरवी
ओम एजेन्सी, अलवाल
Avion LIGHTING

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
ओमप्रकाश पंवार
कार्यकारिणी सदस्य,
सीरवी समाज पारसीगुट्टा बड़ेर
भवानी ज्वैलर्स, नाचाराम, हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
तुलसाराम सिन्दड़ा
अध्यक्ष, सीरवी समाज मल्लापुर
न्यू बालाजी ज्वैलर्स, चिलकानगर

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
भगाराम मुलेवा
अध्यक्ष, श्री आईजी सेवा संघ, बंडलागुडा, चौराला झोन
जे.बी.आर. चौधरी पॉन ब्रोकर्स, राम ज्वैलर्स, कुशाईगुडा

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
प्रकाश सोलंकी
नव निर्वाचित खेल मंत्री 1,
सीरवी समाज, शमशाबाद बड़ेर
महालक्ष्मी ट्रेडर्स, तुक्कुगुडा, महेश्वरम
फोन : 9000209537

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
मांगीलाल सोलंकी
उपाध्यक्ष 2, सीरवी समाज शमशाबाद शिक्षा समिति
सचिव, सीरवी समाज तेलंगाना (बगड़ी पीपलाद)
लक्ष्मी ज्वैलर्स, लैमुर

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
मोहनलाल सैंणचा
अध्यक्ष : राजस्थानी ग्रुप आफ कैमेस्ट एसोसिएशन तुर्कायामजाल (मुन्सीपालिटी)
मनोनित सदस्य, सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुडा बड़ेर
सलाहकार, सीरवी समाज तेलंगाना (बगड़ी पीपलाद)
मोहन एलेक्ट्रीकल हार्डवेयर, तुर्कायामजाल

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
धर्माराम कुमावत
प्रदेश सचिव, कुमावत समाज तेलंगाना
रामदेव ज्वैलर्स, मच्छाबोलारम
रामदेव हार्डवेयर, मच्छाबोलारम, 9866957282

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
पारसनाथ चौहान
संरक्षक, श्रीनाथ समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना
AAI MAA REAL ESTATE
Tumukunta, Shameerpet, Hyd. Ph.: 9032093735, 9848593735

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
अमरनाथ चौहान
अध्यक्ष, श्रीनाथ समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना
अंबिका स्टोर्स
वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
भंवरलाल मुलेवा
पूर्व अध्यक्ष, श्री आईजी गौशाला
श्री राजलक्ष्मी ज्वैलर्स, कीसरा, हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
प्रेम पंवार
सचिव, सीरवी समाज, जीडिमेट्ला
गणेश ज्वैलर्स, चिन्तल, हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
हुक्माराम सानपुरा
(कैलाश सानपुरा)
सचिव, श्री आईजी गोशाला
महालक्ष्मी ज्वैलर्स, नेरेडमेट

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
ओकाराम पंवार
सचिव, सीरवी समाज, मल्लापुर
जय मातादी ट्रेडर्स
बोल्लुगुडा मेन रोड. चेंगिचेरला

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
सोहनलाल बर्फा
अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच, शमशाबाद शाखा
नव निर्वाचित शिक्षा समिति सचिव,
सीरवी समाज शमशाबाद बड़ेर
श्री दुर्गा ज्वैलर्स, शमशाबाद

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
भंवरलाल काग
कोषाध्यक्ष, सीरवी समाज, जीडिमेट्ला
श्री माताजी ज्वैलर्स, जगतगिरीगुट्टा, हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
बुधाराम काग
गौतम काग
समाज सेवी एवं गौ भक्त

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
चेनाराम परिहार
एरिया मेम्बर मौलाली, सीरवी समाज पारसीगुट्टा बड़ेर
श्री जगदम्बा ज्वैलर्स, मोलाली

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
ढगलाराम सेपटा
सह-सचिव, श्री आईजी गौशाला बालाजीनगर
एरिया सदस्य, सीरवी समाज पारसीगुट्टा बड़ेर
Distributor : Orient Fans, Surya LED
जय गणेश मार्केटिंग, अशोकनगर

स्वतंत्रता दिवस की बधाई
कैलाश सोलंकी
गौ भक्त
विष्णु मार्केटिंग
किराणा अंड जनरल
बोल्लुगुडा. चेंगिचेरला

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति राष्ट्रीय

रामलाल सैणचा	बाबुलाल चोयल	इन्द्रलाल सोलंकी	भैराराम हाम्बड़	जगदीश सोलंकी
(गांधीधाम)	(सोजत)	(बेंगलुरु)	(मैसूर)	(हैदराबाद)
संरक्षक	संरक्षक	संरक्षक	अध्यक्ष	महा सचिव

समिति हेल्पलाईन नं. : 9945886294, हैदराबाद हेल्पलाईन नं. 9347945230

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्रीमती गौरी देवी काग
पंचायत समिति सदस्य, रायपुर
अध्यक्ष, विकास एवं उत्पादन समिति, रायपुर
जिला संयोजक, बेटी बचाओं - बेटी पढ़ाओं
सलाहकार, सीरवी समाज शमशाबाद बड़ेर
चेलाराम काग
उपाध्यक्ष
सीरवी समाज शमशाबाद
हेमा ज्वैलर्स, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

बाबूलाल चोयल
संरक्षक, सीरवी समाज जीडिमेट्ला
सुनील सीरवी
भारतीय जनता पार्टी, पाली लोकसभा युवा नेता
चौधरी ज्वैलर्स, शापुरनगर, हैदराबाद